हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 228, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 4 फरवरी, 2022 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

पांच वर्ष में पार्टी के संकल्पों पर काम किया प्रदेश की छवि भी सुधारी : मुख्यमंत्री योगी

सीएम ने भाजपा का एक और नए चुनावी सॉन्ग को किया लॉन्च

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के स्टार प्रचारक और पहली बार विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में लगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में गुरुवार को अपनी सरकार के कार्यकाल की उपलब्धियों यानी अपने रिपोर्ट कार्ड को मीडिया के सामने रखा। इस दौरान भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उनके साथ केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर व कौशल किशोर के साथ उप मुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा भी मौजूद थे।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने भाजपा का एक और नए चुनावी सॉन्ग को भी लॉन्च किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमने प्रदेश में अपने पांच वर्ष के कार्यकाल में सभी संकल्पों को पूरा करने के साथ प्रदेश की छवि को भी सुधारने का काम किया है। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को लेकर जो संकल्प लिए उसे पूरा किया, कामकाज की रिपोर्ट देना मेरा दायित्व है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच वर्ष में भाजपा सरकार ने अपने संकल्पों के हिसाब से काम किया। हमने पांच वर्ष के पहले ही जनता से जो वादे किए वो सब पूरे किए। भाजपा ने चुनाव से पहले जिन संकल्पों को अपनी वरीयता में रखा था, सरकार ने उनको पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश में पुलिस रिफार्म एक सपना था, क्योंकि कोई सोचता ही नहीं था। सत्ता में आने के बाद पुलिस राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा हो जाता था। हमने डेढ़ लाख पुलिसकर्मियों की निष्पक्ष तरीके से भर्ती का काम पूरा किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच में से तीन साल निर्विघ्न रूप से बेहतरी की ओर हम निरंतर बढ़ते रहे। अगले दो साल कोरोना महामारी हमारे लिए जीवन और जीविका दोनों के लिए चुनौती बनकर आई थी। हमने भारत में इस महामारी से निपटने के लिए जो प्रयास किए, उसकी पूरे विश्व में सराहना हुई। उसी का परिणाम है कि देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य ने कोविड प्रबंधन में सबसे बेहतरीन काम किया। उन्होंने कहा कि आज शत-प्रतिशत आबादी को पहली डोज मिल गई है और सत्तर फीसदी से अधिक ने दूसरी डोज ले ली है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बताया कि उनके कार्यकाल में उत्तर प्रदेश ने कुछ मील के पत्थर भी स्थापित किए हैं। उन्होंने बताया कि आजादी से बाद से उत्तर प्रदेश देश में छठे से सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था थी, लेकिन हमने पिछले पांच में उत्तर प्रदेश के देश में दूसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बना दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि 1947 से 2017 तक उत्तर प्रदेश में सालाना प्रतिव्यक्ति आय 45-46 हजार रुपये थी। हमारी सरकार के कामकाज की वजह से यह 94 हजार रुपये सालाना हो गई है।

उन्होंने कहा कि 2015 में उत्तर प्रदेश का बजट दो लाख करोड़ रुपये की थी. लेकिन अब यह छह लाख करोड़ का बजट हो चुका है। उन्होंने कहा कि हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती प्रदेश की छवि को सुधारने की थी। हम उसको भी सुधारने में सफल रहे। प्रदेश में लम्बे समय से कानून-व्यवस्था खराब होने के कारण यहां से पलायन करने वाले लोग अपने घरों को लौटे और अपना काम-काज फिर से प्रारंभ किया। हमने उत्तर प्रदेश में निवेश का माहौल बनाया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि दो साल हमने कोरोना महामारी देखी, लेकिन पीएम मोदी जी के नेतृत्व में भारत का कोरोना प्रबंधन दुनिया में नजीर बना है। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर वैक्सीनेशन हुआ है।

फिरोजपुर सीमा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे पाकिस्तानी को बीएसएफ ने किया ढेर

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर एक पाकिस्तानी घुसपैठिये को मार गिराया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने 2 और 3 फरवरी की दरम्यानी रात को कुछ संदिग्ध हरकत देखी जिसके बाद घुसपैठिए को

ललकारा लेकिन वह नहीं रुके। खतरे को भांपते हुए बीएसएफ कर्मियों ने गोली चला दी, जिसमें अज्ञात घुसपैठिए की मौके पर ही मौत हो गई। बीएसएफ के जवानों द्वारा तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। बता दें कि इससे कुछ दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर स्थित डेरा बाबा नानक सेक्टर में चंदू वडाला पोस्ट के पास पाकिस्तानी तस्करों और बीएसएफ के जवानों में मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में बीएसएफ का एक जवान गंभीर घायल हो गया था। जिसे उपचार के लिए अमृतसर शिफ्ट किया गया था।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने सिराथू सीट के लिए किया नामांकन

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव के लिए आज गुरूवार को डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सिराथू सीट से नामांकन करने वाले हैं। वह बुधवार रात ही गृह नगर कौशांबी पहुंच गए थे। हाट सीट कही जाने वाली सिराथू विधानसभा सीट के केशव प्रसाद के नामांकन के दौरान बड़े नेताओं की मौजूदगी है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा व केंद्रीय मंत्री प्रदेश प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी सवा बारह बजे हेलीकाप्टर से सिराथू पहुंच गए। अनुप्रिया पटेल भी आ गई। दिन में 11.30 बजे केशव प्रसाद समर्थकों द्वारा फूलों की बौछार के बीच नामांकन के लिए रवाना हुए थे। वह मुहूर्त के समय के अनुसार कलेक्ट्रेट पहुंचे और एक सेट नामांकन करने के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत दोनों केंद्रीय मंत्रियों की अगवानी करने के लिए रवाना हो गए। फिर उनके साथ कलेक्ट्रेट आकर दूसरे सेट का नामांकन किया। नामांकन के बाद रथ पर जेपी नड्डा समेत दोनों केंद्रीय मंत्री और डिप्टी सीएम रोड शो पर निकले। इलाहाबाद की सांसद रीता जोशी भी रथ पर मौजूद रहीं। रथ पर बरसते रहे फूल। जिंदाबाद के नारे लगते रहे। नहीं है कोई टक्कर में और केशव भैया जिंदाबाद जैसे नारे भी बुलंद होते रहे। डिप्टी सीएम केशव आज दोपहर शुभ मुहर्त 12 :30 बजे नामांकन करेंगे। गुरुवार सुबह उन्होंने स्नान-ध्यान के बाद सबसे पहले सिराथू में निजी आवास स्थित मंदिर में पूजा अर्चना किया। फिर अपनी मां के पैर छूकर उनके हाथों से दही-चीनी खाकर विजयी

भव काआशीर्वाद लिया। फिर स्थानीय पदाधिकारियों और करीबियों से मिलते हुए कड़ा स्थित शक्तिपीठ जाकर शीतला माता के मंदिर दर्शन किए।

इस दौरान केशव मौर्या के शुभ चिंतक और पूरा परिवार मौजूद रहा। मंदिर में पूजन के बाद डिप्टी सीएम केशव प्रसाद ने कहा कि इस बार भी यूपी में भाजपा की सरकार बनेगी। पार्टी की 300 से अधिक सीटों पर जीत होगी। कौशांबी की तीनों सीट पर कमल ही खिलेगा। डिप्टी सीएम के नामांकन से बाहर निकलने के बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि उन्हें शीर्ष नेता एवं वरिष्ठ सहयोगी केशव प्रसाद के नामांकन के अवसर पर आने का शुभ अवसर प्राप्त हुआ। उन्हें भाजपा और जनता का दोबारा पूरा सहयोग मिलेगा। वह ऐतिहासिक जीत दर्ज करेंगे और प्रदेश में दोबारा भाजपा की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि डिप्टी सीएम ने सबका साथ और सबका विकास के तर्ज पर काम किया है जिसका उदाहरण यहां के लोगों में भी देखने को मिला। वह इस क्षेत्र के विकास के साथ ही प्रदेश में भी इतिहास बनाएंगे। 5 साल में पूरे प्रदेश की तस्वीर बदली है। उसे अमलीजामा पहनाने में डिप्टी सीएम का पूरा सहयोग रहा है।

पाकिस्तानी के बलूचिस्तान में सैन्य ठिकानों पर हमला, जवाबी कार्रवाई में 15 आतंकी ढेर, चार सैनिक भी मारे गए

क्वेटा। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग सैन्य ठिकानों पर हुए आतंकी हमले में चार सैनिक मारे गए हैं। वहीं जवाबी कार्रवाई में 15 आतंकियों के भी मारे जाने की

भी खबर है। यह हमला पीएम इमरान खान के चीनी दौरे पर रवाना होने से कुछ घंटे पहले हुआ। इमरान शीतकालीन ओलंपिक खेलों के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए चीन की यात्रा पर हैं। सरकार में आंतरिक मामलों के मंत्री शेख रशीद अहमद ने बताया कि सशस्त्र बलों ने बड़े हमलों को पूरी तरह से नाकाम कर दिया। इस दौरान चार सैनिक समेत 15 आतंकी मारे गए हैं। हमले के दौरान करीब पांच आतंकियों को गिरफ्तार भी किया गया है, उनसे पूछताछ जारी है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलएफ) ने रायटर्स को भेजी एक रिपोर्ट में हमले की जिम्मेदारी ली है। साथ ही उन्होंने दावा करते हुए कहा कि आत्मघाती हमलावरों ने सैन्य ठिकाने के प्रवेश द्वार पर विस्फोटक से भरे वाहनों में धमाका किया, जिसमें 50 से अधिक सैनिक मारे गए हैं। वहीं पिछले हफ्ते, ग्वादर पोर्ट के पास एक सैन्य पोस्ट पर हुए आंतकि हमले में 10 सैनिक मारे गए थे। गौरतलब है कि, पाकिस्तान में बलूचिस्तान को अलग करने के लिए लंबे समय से संघर्ष जारी है। प्रांत के लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी सरकार इलाके में मौजूद समृद्ध गैस और खनिज संसाधनों का गलत तरीके से इस्तेमाल कर रही है। बलूच विद्रोही आमतौर पर गैस परियोजनाओं, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा बलों पर हमला करते हैं। साथ ही वो पाकिस्तान में चल रही चीनी परियोजनाओं पर हमला करके वहां काम कर रहे चीनी मजदूरों की हत्या कर देते हैं। इलाके में आतंक का साया होने के बावजूद पाकिस्तान दावा करता रहा है कि वो परियोजनाओं की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है।

प्रयागराज : नामांकन करने जा रहे योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ पर हमला, आरोपी के पास से ब्लेड बरामद

प्रयागराज। नामांकन के लिए जा रहे योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह पर एक युवक ने हमले का प्रयास किया। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से ब्लेड और केमिकल बरामद किया गया है। योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह बृहस्पतिवार को नामांकन करने के लिए जा रहे थे। इसी बीच एक युवक जो भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है उसने मंत्री पर हमले का प्रयास किया। वह मंत्री तक पहुंच पाता कि लोगों ने उसे दबोच लिया। इससे हड़कंप मच गया। उसे तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया गया। भाजपा पार्षद अखिलेश सिंह ने बताया कि मौके पर वह भी मौजूद थे। आरोपी युवक सिद्धार्थनाथ तक नहीं पहुंच सका था। सिद्धार्थनाथ अपने कार्यालय से नामांकन के लिए निकल चुके हैं। बताया जाता है कि मंत्री मुंडेरा स्थित अपने कार्यालय पर पहुंचे थे। अभी वह सीढ़ी पर चढ़ रहे थे कि एक युवक उनकी तरफ तेजी से लपका। वह हमला कर पाता कि आसपास मौजूद कार्यकर्ताओं ने उसे दबोच लिया। उसके पास से ब्लेड और

केमिकल बरामद किया गया है। आरोपी कर्नलगंज कोतवाली इलाके के कटरा का निवासी बताया जा रहा है। बताया जाता है कि वह पहले बीजेपी से जुड़ा था। कुछ समय पहले उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। उधर, इस संबंध में सीओ संतोष सिंह का कहना है कि हमले की जानकारी फिलहाल उन्हें नहीं है। मामले की जांच कराई जा रही है।

चीन-पाक सीमा पर अभी सिर्फ जंग का ट्रेलर, भविष्य के लिए तैयार करना होगा युद्ध का मैदान : सेना प्रमुख

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे ने गुरुवार को कहा कि चीन-पाक सीमा पर अभी हम सिर्फ जंग का ट्रेलर देख रहे हैं। सूचना तंत्र के समय में यह युद्ध साइबर स्पेस, नेटवर्क के जरिए लड़ा जा रहा है। हमें इसी आधार पर भविष्य के लिए युद्ध का मैदान तैयार करना होगा। दरअसल, सेना प्रमुख एक ऑनलाइन सेमिनार में बोल रहे थे। उन्होंने पाकिस्तान व चीन से उत्पन्न हो रहीं चुनौतियों पर कहा कि सीमाओं पर भारत भविष्य में होने वाले टकराव का ट्रेलर देख रहा है। विरोधी देश अपने रणनीतिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए लगातार कोशिशें जारी रखेंगे। भविष्य में बड़े युद्ध की संभावनों से भी इंकार नहीं किया। ऐसे में उत्तरी सीमा पर आधुनिक तकनीक वाले साजो-सामान से लैस सक्षम बलों को तैनात करने की जरूरत है।

छद्म युद्ध जरूरतों को कर रहा रेखांकित- चीन और पाकिस्तान का नाम लिए बिना सेना प्रमुख ने कहा कि परमाणु-सक्षम पड़ोसियों के साथ विवादित सीमाएं और उन पर प्रायोजित छद्म युद्ध, सुरक्षा तंत्र और संसाधनों की जरूरत को रेखांकित कर रहा है। सूचना प्रणाली के दौर में यह ट्रेलर नेटवर्क, साइबर स्पेस के रूप में सामने आ रहे हैं। इनके जरिए अस्थिर और सक्रिय सीमाओं पर साजिश रची जा रही है।

कल के युद्ध मैदान की कल्पना करने की जरूरत- जनरल नरवणे ने कहा कि, अगर हम अपने आस-पास देखें तो हमें वास्तविकता का अहसास होगा। इसी वास्तविकता के आधार पर हमें कल के युद्ध की तैयारी करनी होगी। हमें इन ट्रेलरों के आधार पर भविष्य का युद्ध का मैदान तैयार करना होगा।

शीर्ष अधिकारियों के साथ की बैठक- सेना प्रमुख ने भारतीय सेना के शीर्ष अधिकारियों व सभी कमांडरों के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में भारत-चीन सीमा पर हालिया बदलाव की समीक्षा की गई। बैठक में उत्तरी व पूर्वी कमान ने भी हिस्सा लिया।

स्पीकर ओम बिड़ला ने राहुल को दी झिड़की कहा-आप कौन होते हैं अनुमति देने वाले

नई दिल्ली। लोकसभा में बुधवार को राष्ट्रपति के अविभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता को स्पीकर ओम बिड़ला की नाराजगी भी झेलनी पड़ी। बहस के दौरान संसदीय कार्यवाही के तय नियमों का पालन करने के लिए स्पीकर ने न सिर्फ राहुल गांधी को नसीहत दी बल्कि ये भी कहा कि किसी सांसद को बोलने की इजाजत देने का अधिकार उनका है न कि राहुल गांधी का। दरअसल, धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान बोलते हुए ही राहुल गांधी ने एक दूसरे सांसद को भी बोलने की अनुमति दी। इस पर स्पीकर गुस्से में आ गए और राहुल गांधी से कहा कि आप कौन होते हैं इसकी इजाजत देने वाले। आप इस तरह की इजाजत नहीं दे सकते हैं, ये मेरा अधिकार है। उन्होंने राहुल गांधी को नसीहत देते हुए कहा कि आपको इस बात का अधिकार नहीं है कि आप किसी सांसद को बोलने की इजाजत दें। इसका अधिकार केवल उनके पास है। दरअसल, ये सब कुछ तब हुआ जब राहुल गांधी अपनी बात रख रहे थे। तभी भाजपा सांसद कमलेश पासवान ने अपनी बात रखनी चाही। इस पर राहुल गांधी ने कहा कि वो एक लोकतांत्रिक व्यक्ति हैं और वो दूसरे सांसद को बोलने की इजाजत देते हैं। इसी वजह से स्पीकर ओम बड़िला बेहद खफा हो गए थे। राहुल गांधी ने धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कहा कि भारत को किसी ऐसे साम्राज्य की तरह से नहीं चलाया जा सकता है जहां पर राजा किसी की भी बात न सुने। वायनाड के सांसद राहुल गांधी ने कमलेश पासवान, जो कि उनसे पहले बोले थे का नाम लेते हुए कहा कि भाजपा में उनकी और दूसरे भाई बहनों की बात नहीं सुनी जाती है। इतिहास इस बात का गवाह रहा है कि पूर्व में दलितों के साथ कौन कैसा व्यवहार करता आया है। कमलेश खुद इसका इतिहास बखूबी जानते हैं। उन्होंने कहा कि वो उन्हें इस बात पर गर्व है कि उन्होंने उनके सामने अपनी बात रखी।

राजनाथ सिंह ने राजीव गांधी को याद कर कांग्रेस और सपा पर हमला बोला

अमरोहा। खराब मौसम के बीच भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अमरोहा पहुंच गए। यहां नौगावां सादात के जब्दा गांव में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि इस बार लोगों को मदतान नहीं करना बल्कि यूपी का भविष्य तय करना है। सबसे बड़ा दान मतदान होता है। कोई व्यक्ति मतदान से न छूटे, इसका आप सभी को ध्यान रखना है। यूपी का भविष्य लिखने की जिम्मेदारी आपकी है। आपने दिल्ली में साढे. सात साल तो यूपी में पांच साल काम करते भाजपा को देखा है। सपा, बसपा, कांग्रेस में भ्रष्टाचार रहा, उनके मंत्री जेल तक गए। भाजपा पर कोई भी भ्रष्टाचार साबित कर दे तो राजनीति छोड़ दूंगा।भ्रष्टाचार को लेकर राजनाथ सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का जिक्र किया। कहा-राजीव गांधी प्रधानमंत्री रहते हुए खुद भ्रष्टाचार से परेशान थे। वह सरकारी सिस्टम से परेशान थे।

मौसम का सीना चीरकर आया हूं अमरोहा: रक्षामंत्री राजनाथ सिंह का भाषण सुनकर जनसभा में आई जनता में जोश आ गया। लोगों ने नारेबाजी शुरू कर दी। इस पर रक्षामंत्री बोले-शांत रहो, फिर मैं कैसे बोलूंगा। बोले-मौसम खराब है। मौसम का सीना चीरकर आपके बीच आया हूं। भाजपा ने हर वर्ग का ध्यान रखा। महिलाओं को सुरक्षा दी। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार की चुनौती स्वीकार किया। किसान सम्मान निधि

सभी को पूरी मिलती है। छह हजार सीधे खाते में जा रहे हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार को रोकने की कोशिश नहीं की, बल्कि पूरा सिस्टम ही बदल दिया। सपा, बसपा सरकार में गुंडे, माफिया, भ्रष्टाचारी के हौंसले बुलंद हो जाते हैं। सड़क पर घूमते हैं। हमारी सरकार में गुंडे सीने के बटन खोल कर सड़क पर नहीं आ सकते। कानून व्यवस्था दुरुस्त होना विकास की पहली शर्त होती है।

भाजपा आंखों में धूल नहीं झोंकती, आंख से आंख मिलकर करती है बात: रक्षामंत्री बोले, हमारे सरकार में गुंडे खुद थानों में पहुंच रहे हैं। जेल में हैं। गांव गरीब किसान, झुग्गी झोपड़ी का इंसान, महिलाओं का सम्मान व बेरोजगार नौजवान, हमने इन चारों बातों का ध्यान रखा है। अटल जी की सरकार में ही हमने सड़कों का विकास करना शुरू कर दिया था। केंद्र व प्रदेश सरकार ने सड़कों का जाल बिछाया है। सपा, बसपा व कांग्रेस ने जनता की आंखों में धूल झोकी है। भाजपा जनता की आंखों में आंखे डालकर बात करती है।

सपा के हालात हो चुके हैं खराब, अब ले रही लाल पोटली का सहारा: सपा के हालात इतने खराब हो चुके हैं कि वह लाल पोटली हाथ में लेकर घूम रहे हैं।अब उन्हें पोटली का सहारा है। प्रधानमंत्री ने आजादी के बाद किसान सम्मान निधि दी। किसानों का ध्यान रखा। महिलाओं का ध्यान किसी ने नहीं किया। हमारे प्रधानमंत्री ने ध्यान दिया। हर घर में गैस सिलिंडर देने का काम किया, पहले गांव में कच्चे मकान दिखाई देते थे।

यूपी सरकार को उम्रकैद के दोषियों की समय से पहले रिहाई की नीति पर फिर से विचार करे यूपी - सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने उत्तर प्रदेश सरकार को उम्रकैद के दोषियों की समयपूर्व रिहाई की अपनी नीति की फिर से जांच करने का निर्देश दिया है। इसमें न्यूनतम आयु 60 वर्ष निर्धारित की गई है। न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश की पीठ ने एक दोषी की अपील पर विचार करते हुए यह टिप्पणी की जिसमें जेल से समय से पहले रिहा करने का निर्देश देने की मांग की गई थी। इस नीति के अनुसार सभी अपराधी जिन्होंने 60 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और बिना किसी छूट के 20 वर्ष की हिरासत में और 25 वर्ष की छूट के साथ समय से पहले रिहाई के लिए विचार करने के पात्र हैं। पीठ का कहना है कि हम 60 वर्ष की न्यूनतम आयु निर्धारित करने वाले इस खंड की वैधता पर एक बड़ा संदेह है। इसका अर्थ ये होगा कि 20 साल के युवा अपराधी को छूट के लिए उसके मामले पर विचार करने से पहले 40 साल की सेवा करनी होगी। कोर्ट ने कहा कि हमें इस पहलू का परीक्षण करने की जरूरत नहीं है। हम राज्य सरकार से नीति के इस हिस्से की फिर से जांच करने की अपील करते हैं। ये नीति पहली निगाह में सही नहीं लगती है। कोर्ट ने यूपी सरकार से इस बात की भी अपील की है कि वो इस खंड को जोड़ने पर नए सिरे से विचार करे। इसके लिए कोर्ट ने चार माह की समय सीमा भी निर्धारित की है। शीर्ष अदालत ने सक्षम प्राधिकारी को तीन महीने के भीतर दोषी की याचिका पर विचार करने का निर्देश दिया। गौरतलब है कि कोर्ट ने हाल ही में दिए अपने एक आदेश में कहा था कि राज्य के वकील के अनुसार छूट नीति को भी इस न्यायालय के समक्ष चुनौती दी जा रही है, लेकिन फिर वह राज्य को इस मुद्दे पर फिर से आने से नहीं रोक सकता। शीर्ष अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आज तक दोषी बिना किसी छूट के 22 साल से अधिक की सजा काट चुका है।

चिंतन मनन

बुंदेलखंड के सुधरेंगे दिन

आम बजट 2022-23 में मध्यप्रदेश को केन-बेतवा लिंक के लिए काफी कुछ मिला है। प्रोजेक्ट पर कुल 44 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे। 1400 करोड़ रुपए दे दिए गए। मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के 13 जिलों को इस प्रोजेक्ट से फायदा होगा। कटनी-पन्ना और छतरपुर जिलों में बहने वाली केन नदी 427 किलोमीटर का सफर तय कर उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के पास यमुना नदी में गिरती है। रायसेन के पास से निकली बेतवा नदी 576 किलोमीटर का सफर तय करती हुई उत्तर प्रदेश के हमीरपुर के पास यमुना नदी में मिलती है। केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट के तहत ढोढन (पन्ना) में डैम बनाकर केन के पानी को रोका जाएगा। यहां से 220.624 किमी की नहर बनाकर केन का पानी बरुआसागर (झांसी, यूपी) से निकली बेतवा नदी में छोड़ा जाएगा। इसमें 2 किमी लंबी सुरंग भी बनाई जाएगी। बजट पर देशवासियों से बात करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कहा कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना में मिलने वाली राशि से मध्य प्रदेश के बुंदेलखंड के खेतों में हरियाली आएगी और पलायन रुकेगा। मोदी ने यह बात बजट को लेकर भाजपा कार्यकताओं को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये अपने संबोधन में केन बेतवा लिंक परियोजना को बुंदेलखंड के लिए महत्वपूर्ण बताया। पीएम मोदी ने कहा कि केन बेतवा लिंक परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित होगी। उन्होंने कहा कि अभी एमपी-यूपी के लोग काम की तलाश में गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु व केरल तक जाते हैं। मगर केन बेतवा लिंक परियोजना की वजह से अब इन लोगों को पलायन करने की जरूरत नहीं होगी। इस परियोजना से किसानों को भरपूर पानी मिलेगा। इससे किसानों को इधर-उधर भटकने की जरूरत नहीं होगी। उल्लेखनीय है कि आम बजट में केन बेतवा लिंक परियोजना के लिए मध्य प्रदेश को 900 करोड़ रुपए देने का प्रावधान किया गया है तो यूपी को 500 करोड़ मिलेंगे। करीब 42 साल पुरानी केन बेतवा लिंक परियोजना ने अब आकार लेना शुरू किया है। नदी जोड़ो अभियान में यह परियोजना बुंदेलखंड के सूखे की स्थिति को दूर करने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। केंद्र सरकार ने नदियों को जोड़ने के लिए नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान बनाया था। केन-बेतवा लिंक परियोजना प्लान का पहला प्रोजेक्ट है। केन नदी का पानी बेतवा नदी में ट्रांसफर किया जाएगा। दोनों नदियों को जोड़ने के लिए 220.624 किमी लंबी केन-बेतवा लिंक नहर बनाई जाएगी। मध्यप्रदेश के जिले पन्ना, टीकमगढ़, छतरपुर, सागर, दमोह, दतिया, विदिशा, शिवपुरी, रायसेन और उत्तर प्रदेश के जिले बांदा, महोबा, झांसी, ललितपुर को इससे फायदा होगा। जल शक्ति मंत्रालय के अनुसार, केन-बेतवा लिंक से सालाना 10.62 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई हो सकेगी। 62 लाख लोगों को पीने का पानी भी मिलेगा। 103 मेगावाट हाइड्रो पावर और 27 मेगावाट की क्षमता वाला सोलर प्लांट भी बनाया जाएगा। केन-बेतवा लिंक परियोजना में 2 बिजली प्रोजेक्ट भी प्रस्तावित हैं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 72 मेगावॉट है। प्रोजेक्ट के पहले चरण में केन नदी पर ढोड? गांव के पास बांध बनाकर पानी रोका जाएगा। यह पानी नहर के जरिए बेतवा नदी तक पहुंचाया जाएगा। दूसरे चरण में बेतवा नदी पर विदिशा जिले में 4 बांध बनाए जाएंगे। बेतवा की सहायक बीना नदी (सागर) और उर नदी (शिवपुरी) पर भी बांधों का निर्माण किया जाएगा। केन बेतवा लिंक परियोजना से सबसे ज्यादा फायदा बुंदेलखंड क्षेत्र को होगा। सरकार सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में पानी की समस्या दूर करने की योजना बना रही है। बुंदेलखंड क्षेत्र यूपी और मप्र में फैला हुआ है। केन बेतवा इंटरलिंक प्रोजेक्ट की मदद से बुंदेलखंड में सिंचाई, पीने के पानी की कमी दूर हो सकेगी।

हक सबका है बनता!

हक सबका है बनता ।
पूछे वो सवाल ।।
हाय-तौबा करना ।
ठीक नहीं हर हाल ।।
समझ के हिसाब से ।
मुद्दे वो उठाते ।।
भले आपको मुद्दे ये ।
ना कभी सुहाते ।।
रखना अपनी बात ।
है उनका अधिकार ।।
समय का अपव्यय ।
बेवजह तकरार ।।
हो सकती भी गलती ।
अगर लीजिए मान ।।
दूसरे को सुनना ।
है भी तो सम्मान ।।

-कृष्णेन्द्र राय

क्या हो चुकी है 'खदेड़ा होबे' की शुरूआत ?

समाजवादी पार्टी नेता व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के समीप संडीला कस्बे के सागरगढ़ी झावर में गत 28 नवम्बर को एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुये कहा था कि जिस तरह पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस ने 'खेला होबे' का नारा दिया था उसी तर्ज पर उत्तर प्रदेश में सन् 2022 के चुनावों में भाजपा के लिए 'खदेड़ा होबे' का नारा दिया गया है। उधर उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों से अनेक बड़े नेताओं का भाजपा से मोह भंग होना,मंत्री पद त्यागना और इनमें से अनेक नेताओं का समाजवादी पार्टी की शरण में जाना और इन सबसे भी महत्वपूर्ण विभिन्न क्षेत्रों में भाजपा नेताओं के विरुद्ध उमड़ता जनाक्रोश व इनका निरंतर होने वाला विरोध आखिर किस ओर इशारा कर रहा है?

वैसे तो भाजपा नेताओं के विभिन्न क्षेत्रों से 'खदेड़े' जाने की शुरूआत किसान आंदोलन के दौरान उसी समय हो चुकी थी जब भारतीय जनता पार्टी आला कमान की ओर से अपने मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, सांसदों व विधायकों को यह निर्देश दिये गये थे कि वे किसान आंदोलन से प्रभावित राज्यों व क्षेत्रों में जनता के बीच जाकर तीनों कृषि कानूनों के सकारात्मक पहलुओं को समझायें। इसके बाद पंजाब, हरियाणा, राजस्थान व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अनेक भाजपा नेताओं ने यहां तक कि मुख्यमंत्री, उप मुख्य मंत्री,केंद्रीय मंत्री, सांसदों व विधायकों ने जैसे ही पार्टी आलाकमान के इस निर्देश पर अमल करना शुरू किया उसी समय अधिकांश क्षेत्रों से इन नेताओं के खदेड़े जाने की खबरें आनी शुरू हो चुकी थीं। कई जगह तो कई 'हाई प्रोफाइल' नेताओं को किसानों के गुस्से का ऐसा सामना करना पड़ा कि किसी को लुक छुप कर भागना पड़ा,किसी को दीवार कूद कर भागना पड़ा तो किसी को उनके अंगरक्षकों ने अपनी जान पर खेल कर बचाया।

इसी सिलसिले के अंतर्गत केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राज्य मंत्री भूपेंद्र सिंह तथा बुढाना के विधायक उमेश मलिक

सहित भाजपा के अनेक नेता खाप चौधरियों से मिलने शामली इलाके में पहुंचे थे। शामली के भैंसवाल गांव में स्थानीय लोगों द्वारा इन नेताओं व भाजपा के विरुद्ध नारेबाजी करते हुये इन्हें गांव में घुसने से रोका गया था। ग्रामीणों ने रास्तों में ट्रैक्टर अड़ाकर कई जगह इन नेताओं का काफिला रोक दिया और भाजपा व इनके मंत्रियों के विरुद्ध मुदार्बाद के नारे लगाए थे। भैंसवाल गांव में खाप चौधरियों ने तो भाजपा प्रतिनिधिमंडल में शामिल नेताओं से मिलने तक से मना कर दिया था। इस तरह का चौतरफा विरोध और 'खदेड़ा होबे ' की वीडीओ वायरल होते देख भाजपा ने पूरी समझदारी का परिचय देते हुए अपना ' किसान समझाओ अभियान ' उसी समय तत्काल रूप से बंद कर दिया था बल्कि बाद में सरकार ने किसानों को समझाने के बजाये स्वयं में ही 'समझ पैदा 'कर इन विवादित कानूनों को ही वापस ले लिया था। अब कृषि कानून तो सरकार ने जरूर वापस ले लिये परन्तु सरकार व भाजपा किसानों का विश्वास जीत पाने असफल रही है। किसान समझ रहे हैं कि उत्तर प्रदेश सहित पांच राज्यों में होने वाले चुनावों के मद्देनजर ही सरकार ने यह कानून वापस लिये हैं। लिहाजा अभी भी किसान जगह जगह भाजपा नेताओं का 'खदेड़ा ' करने में लगे हैं। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 58 सीटों पर पहले चरण में 10 फरवरी को मतदान होना है। प्रत्येक पार्टी प्रत्याशी चुनाव प्रचार में जुट गये हैं। चुनाव आयोग ने चूँकि कोरोना महामारी के दृष्टगत बड़ी चुनावी रैलियों,सभाओं व रोड शो पर रोक लगा दी है इसलिये सभी प्रत्याशी मतदाताओं के द्वार द्वार जाकर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील कर रहे हैं। मतदाताओं के दरवाजों पर जाकर वोट माँगना भी भाजपा प्रत्याशियों को भारी पड़ रहा है। पिछले दिनों खतौली के भाजपा विधायक विक्रम सैनी अपने चुनाव प्रचार हेतु जब मुनव्वरपुर गांव पहुंचे तो स्थानीय लोगों की भारी भीड़ ने उन्हें घेर लिया। उनके विरोध जमकर नारेबाजी की। विधायक व उनके सहयोगियों द्वारा आक्रोषित ग्रामीणों को समझाने की भी कोशिश की गयी परन्तु ग्रामीण लोग शांत नहीं हुये। कुछ गुस्साये लोगों ने तो गाली गलौच तक की। सुरक्षाकर्मियों ने बमुश्किल उन्हें ग्रामीणों के क्रोध से बचाते हुये गाड़ी में बिठाया। आखिरकार सैनी को अपना प्रचार बीच में ही छोड़कर वापस जाना पड़ा।

इसी प्रकार पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य जब प्रत्याशी घोषित होने के बाद शनिवार को पहली बार अपने चुनाव क्षेत्र सिराथू विधानसभा क्षेत्र के गुलामीपुर गांव पहुंचे तो वहां उन्हें महिलाओं के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। गांव की महिलाओं ने मौर्य को देखते ही अपने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। आक्रोशित महिलाओं ने उनके विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और उन्हें घर में प्रवेश तक नहीं करने दिया। इसी प्रकार के समाचार विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त हो रहे हैं। निश्चित रूप से जनता के इस तरह के 'खदेड़ा अभियान ' ने सत्तारूढ़ दल को बेचैन कर दिया है। जनाक्रोश का आलम तो यह है कि यदि इन 'माननीयों ' के साथ सुरक्षा कर्मी न हों और इनमें 'दुम दबाकर भागने ' जैसे 'गुण ' न हों तो किसी तरह की अनहोनी भी घट सकती है। क्या यह हालात इस बात की ओर इशारा नहीं करते कि 'खदेड़ा होबे ' की शुरूआत हो चुकी है?

चुनौती बनती जा रही बढ़ती आर्थिक असमानता

पिछले दिनों वीडियो कांफ्रैंस के जरिये आयोजित विश्व आर्थिक मंच के दावोस एजेंडा शिखर सम्मेलन के दौरान पेश गैर सरकारी संगठन ऑक्सफैम की रिपोर्ट इनइक्वलिटी किल्स के अनुसार कोरोना महामारी के दौर में अमीर जहां और अमीर होते जा रहे हैं, वहीं गरीब और गरीब हो रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार महामारी के दौरान भारत के अरबपतियों की कुल सम्पत्ति बढ़कर दोगुने से अधिक हो गई और इस दौरान भारत में अरबपतियों की संख्या भी 39 फीसदी बढ़कर 142 हो गई है। देश के दस सर्वाधिक अमीर लोगों के पास इतनी सम्पत्ति है, जिससे पूरे ढ़ाई दशकों तक देश के हर बच्चे को स्कूली शिक्षा और उच्च शिक्षा दी जा सकती है। आर्थिक असमानता पर आई इस रिपोर्ट के मुताबिक 142 भारतीय अरबपतियों के पास कुल 719 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 53 लाख करोड़ रुपये से अधिक की सम्पत्ति है और देश के सबसे अमीर 98 लोगों की कुल सम्पत्ति भारत के 55.5 करोड़ सबसे गरीब लोगों की कुल सम्पत्ति के बराबर है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि महामारी के दौरान सबसे धनी 10 फीसदी लोगों ने राष्ट्रीय सम्पत्ति का 45 फीसदी हिस्सा हासिल किया जबकि निचले स्तर की 50 फीसदी आबादी के हिस्से मात्र छह फीसदी राशि ही आई। रिपोर्ट में सरकार से राजस्व सृजन के प्राथमिक स्रोतों पर पुनर्विचार करने तथा कर प्रणाली के अधिक प्रगतिशील तरीकों को अपनाने का आग्रह करते हुए सुझाव दिया गया है कि इन अरबपतियों पर वार्षिक सम्पत्ति कर लगाने से प्रतिवर्ष 78.3 अरब अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, जिससे सरकारी स्वास्थ्य बजट में 271 फीसदी बढ़ोतरी हो सकती है।

कोरोना महामारी के इस दौर में एक ओर जहां करोड़ों लोगों के काम-धंधे चौपट हो गए, लाखों लोगों की नौकरियां छूट गई, अनेक लोगों के कारोबार घाटे में चले गए, वहीं कुछ ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्हें इस महामारी ने पहले से कई गुना ज्यादा मालामाल कर दिया है। आंकड़े देखें तो भारत में मार्च 2020 से नवम्बर 2021 के बीच देश के 84 फीसदी परिवारों की कमाई में कमी आई और 4.6 करोड़ लोग तो अत्यंत गरीबी में चले गए। इस बीच जितने लोग पूरी दुनिया में गरीबी के दलदल में फंसे, भारत में यह संख्या उसकी आधी है। एक ओर जहां गरीबों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ी है, वहीं भारत में अब इतने अरबपति हो गए हैं, जितने फ्रांस, स्वीडन तथा स्विट्जरलैंड को मिलाकर भी नहीं हैं। अति धनाढ्य वर्ग तथा अत्यंत गरीबी में फंसे लोगों के बीच की चौड़ी होती खाई अन्य कमजोर वर्गों को भी प्रभावित कर रही है। आर्थिक विषमता चिंताजनक स्थिति तक बढ़ गई है और विश्व बैंक पहले ही चेतावनी दे चुका है कि दस करोड़ से ज्यादा लोग चरम गरीबी में धकेले जा सकते हैं। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में पिछले साल भी स्पष्ट शब्दों में कहा गया था कि यदि कोरोना के कुबेरों से वसूली होती तो भुखमरी नहीं फैलती।

विश्व के कई अन्य देशों के साथ भारत में भी बढ़ती आर्थिक असमानता काफी चिंताजनक है क्योंकि बढ़ती विषमता का दुष्प्रभाव देश के विकास और समाज पर दिखाई देता है और इससे कई तरह की सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियां भी पैदा होती हैं। करीब दो साल पहले भी यह तथ्य सामने आया था कि भारत के केवल एक फीसदी सर्वाधिक अमीर लोगों के पास ही देश की कम आय वाली सत्तर फीसदी आबादी की तुलना में चार गुना से ज्यादा और देश के अरबपतियों के पास देश के कुल बजट से भी ज्यादा सम्पत्ति है। आज विश्व आर्थिक पत्रिका फोर्ब्स की अरबपतियों की सूची में सौ से भी ज्यादा भारतीय हैं जबकि तीन दशक पहले तक इस सूची में एक भी भारतीय नाम नहीं होता था। हालांकि देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ना प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात होनी चाहिए लेकिन गर्व भी तो तभी हो सकता है, जब इसी अनुपात में गरीबों की आर्थिक सेहत में भी सुधार हो।

बहरहाल, ऑक्सफैम की रिपोर्ट में मांग की गई है कि धनी लोगों पर उच्च सम्पत्ति कर लगाते हुए श्रमिकों के लिए मजबूत संरक्षण का प्रबंध किया जाए। दरअसल बड़े औद्योगिक घरानों पर टैक्स लगाकर सार्वजनिक सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए जा सकते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मत है कि देश के शीर्ष धनकुबेरों पर महज डेढ़ फीसदी सम्पत्ति कर लगाकर ही देश के कई करोड़ लोगों की गरीबी दूर की जा सकती है लेकिन किसी भी सरकार के लिए यह कार्य इतना सहज नहीं है। दरअसल यह जगजाहिर है कि बहुत से राजनीतिक फैसलों पर भी अब इन धन कुबेरों का ही नियंत्रण होता है। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने अपने कार्यकाल के कारण वहां के समाज में बढ़ती आर्थिक असमानता पर गहरी चिंता व्यक्त की थी। इसके अलावा बौद्ध धर्मगुरू दलाईलामा तथा ईसाई धर्मगुरू पोप फ्रांसिस सहित कुछ अन्य प्रमुख हस्तियां भी बढ़ती आर्थिक असमानता पर निशाना साधते हुए कह चुकी हैं कि अत्यधिक धन पिपासा समाज में एक नई प्रकार की निरंकुशता को जन्म देती है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र जैसी कुछ वैश्विक संस्थाओं के अलावा कुछ देशों की सरकारें हालांकि गरीबी उन्मूलन, बेरोजगारी और आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए वर्षों से प्रयासरत हैं लेकिन बेहतर परिणाम सामने आते नहीं दिख रहे।

1980 के दशक की शुरूआत में एक फीसदी धनाढ्यों का देश की कुल आय के छह फीसदी हिस्से पर कब्जा था लेकिन बीते वर्षों में यह लगातार बढ़ता गया है और तेजी से बढ़ी आर्थिक असमानता के कारण स्थिति बिगड़ती गई है। आर्थिक विषमता आर्थिक विकास दर की राह में बहुत बड़ी बाधा बनती है। दरअसल जब आम आदमी की जेब में पैसा होगा, उसकी क्रय शक्ति बढ़ेगी, देश की आर्थिक विकास दर भी तभी बढ़ेगी। अगर ग्रामीण आबादी के अलावा निम्न वर्ग की आय नहीं बढ़ती तो मांग में तो कमी आएगी ही और इससे विकास दर भी प्रभावित होगी। हालांकि बढ़ती आर्थिक असमानता को कम करना सरकार के लिए बहुत बड़ी आर्थिक-सामाजिक चुनौती है लेकिन अगर सरकारों में दृढ़ इच्छाशक्ति हो तो इस असमानता को कम किया जा सकता है।

वसंत पंचमी का इतिहास, महत्व और मान्यताएं

प्रस्तावना- माघ मास की शुक्ल पक्ष की पंचमी को देवी सरस्वती का अवतरण हुआ था। इसलिए इस दिन ज्ञान की देवी सरस्वती की पूजा की जाती है। इस दिन को सरस्वती और लक्ष्मी देवी का जन्म दिवस भी माना जाता है। इस पंचमी को वसंत पंचमी कहा जाता है क्योंकि वसंत पंचमी के दिन से ही वसंत ऋतु का आगमन होता है, जो सभी ऋतुओं का राजा होता है। हिंदू धर्म में वसंत पंचमी मनाने को लेकर कई मान्यताएं हैं। वसंत ऋतु और वसंत पंचमी का महत्व भी अलग है। इस वर्ष वसंत पंचमी 5 फरवरी अर्थात माघ शुक्ल पंचमी को है। आइए जानें वसंत पंचमी का इतिहास, महत्व और मान्यताएं...

तिथि, इतिहास और उत्सव की विधि - वसंत पंचमी माघ माह की शुक्ल पंचमी के दिन मनाई जाती है। कहा जाता है कि इसी दिन कामदेव मदन का जन्म हुआ था।लोगों का दांपत्य जीवन सुखमय हो इसके लिए लोग रतिमदन की पूजा और प्रार्थना हैं। देवी सरस्वती का जन्म वसंत पंचमी को हुआ था; इसलिए उस दिन उनकी पूजा की जाती है, और इस दिन को लक्ष्मी जी का जन्मदिन भी माना जाता है; इसलिए इस तिथि को 'श्री पंचमी' भी कहा जाता है। इस दिन सुबह अभ्यंग स्नान किया जाता है और पूजा की जाती है। वसंत पंचमी पर, वाणी की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा और प्रार्थना का बहुत महत्व है। ब्राह्मण शास्त्रों के अनुसार, वाग्देवी सरस्वती ब्रह्मस्वरूप, कामधेनु और सभी देवताओं की प्रतिनिधि हैं। वह विद्या, बुद्धि और ज्ञान की देवी हैं। अमित तेजस्विनी और अनंत गुण शालिनी देवी सरस्वती की पूजा और आराधना के लिए माघ मास की पंचमी तिथि निर्धारित की गई है। इस दिन को देवी के रहस्योद्घाटन का दिन माना जाता है। इस दिन मां सरस्वती का आह्वान कर कलश की स्थापना की जाती है और उसकी पूजा की जाती है।

देवी सरस्वती पृथ्वी पर अवतरित हुई - जब ब्रह्मांड के निमार्ता ब्रह्माजी ने जीवों और मनुष्यों की

रचना की। और जब उन्होंने सृजित सृष्टि को देखा, तो उन्होंने महसूस किया कि यह निस्तेज है । वातावरण बहुत शांत था तथा उसमें कोई आवाज या वाणी नहीं थी। उस समय, भगवान विष्णु के आदेश पर, ब्रह्मा जी ने अपने कमंडल से पृथ्वी पर जल छिड़का। धरती पर गिरे जल ने पृथ्वी को कम्पित कर दिया तथा एक चतुर्भुज सुंदर स्त्री एक अद्भुत शक्ति के रूप में प्रकट हुई। उस देवी के एक हाथ में वीणा दूसरे हाथ में मुद्रा तथा अन्य दो हाथों में पुस्तक व माला थी। भगवान ने महिला से वीणा बजाने का आग्रह किया। वीणा की धुन के कारण पृथ्वी पर रहने वाले सभी जीवों, मनुष्यों को वाणी प्राप्त हुई। उस क्षण के बाद, देवी को सरस्वती कहा गया। देवी सरस्वती ने वाणी सहित सभी आत्माओं को ज्ञान और बुद्धि प्रदान की। ऐसा माना जाता है कि इस पंचमी को सरस्वती की जयंती के रूप में मनाया जाता है क्योंकि यह घटना माघ महीने की पंचमी को हुई थी। इस देवी के वागेश्वरी, भगवती, शारदा, वीणा वादिनी और वाग्देवी जैसे अनेक नाम हैं। संगीत की उत्पत्ति के कारण, उन्हें संगीत की देवी के रूप में भी पूजा जाता है। वसंत पंचमी के दिन ज्ञान और बुद्धि देने वाली देवी सरस्वती की पूजा की जाती है।

देवी सरस्वती की पूजा करने की पद्धति - वसंत पंचमी के दिन देवी सरस्वती देवी की उपासना की जाती है। शास्त्रों में भगवती सरस्वती की पूजा व्यक्तिगत रूप से करने का वर्णन है; लेकिन वर्तमान में सार्वजनिक पूजा स्थलों पर देवी सरस्वती की मूर्ति स्थापित कर पूजा करने की प्रथा शुरू हुई है। चूंकि यह ज्ञान का त्योहार है, इसलिए छात्र शिक्षण संस्थान को सजाते हैं। विद्यारंभ संस्कार के लिए यह सबसे अच्छा दिन है।

नए कार्य के लिए शुभ दिन - वसंत पंचमी का दिन सभी प्रकार के शुभ कार्यों के लिए बहुत ही शुभ माना गया है। पुराणों में भी वसंत पंचमी को मुख्य रूप से नई शिक्षा और गृह प्रवेश के लिए बहुत ही शुभ माना गया है। वसंत पंचमी को शुभ मानने के अनेक कारण हैं। यह त्योहार आमतौर पर माघ महीने में आता है। माघ मास का विशेष धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व भी है। इस महीने तीर्थ क्षेत्र में स्नान का विशेष महत्व माना गया है।

सूर्य मंदिर में वसंतोत्सव - बिहार राज्य के औरंगाबाद जिले में 'देव' नामक गांव है, इस गांव के सूर्य मंदिर में देवता की मूर्ति को वसंत पंचमी के दिन स्थापित किया गया था ऐसा माना जाता है। इस दिन देवता को स्नान कराया जाता है तथा उनके पुराने कपड़े बदलकर, उन्हें नए लाल कपड़े पहनाए जाते हैं। भक्त इस दिन गीत, संगीत और नृत्य कर उत्सव मनाते हैं।

वसंत पंचमी का उद्देश्य - इस दिन का उद्देश्य, सृष्टि में नव चेतना और नव निर्माण के कारण हुए आनंद को व्यक्त करना और आनंदित होना है। वसंत पंचमी का कृषि संस्कृति से संबंध है ऐसा ध्यान में आता है। इस दिन नवान्न इष्टी यह एक छोटा यज्ञ किया जाता है। इस दिन खेतों में उगाई गई नई फसल को घर में लाया जाता है और भगवान को अर्पित किया जाता है । राजस्थान, मथुरा तथा वृंदावन में इस दिन विशेष त्यौहार मनाए जाते हैं। इस दिन गणपति, इंद्र, शिव और सूर्यदेव से प्रार्थना भी की जाती है। वसंत ऋतु में वृक्षों में नए पल्लव आते हैं। प्रकृति के इस बदलते स्वरूप के कारण मनुष्य उत्साही और प्रसन्नचित्त हो जाता है। यह पर्व संक्रमण का प्रतीक है। कुंभ मेले के अवसर पर वसंत पंचमी का दिन खास माना जाता है। इस दिन कुंभ मेले में शाही स्नान होता है ।

मानव को साहित्य देता है प्राण शक्ति

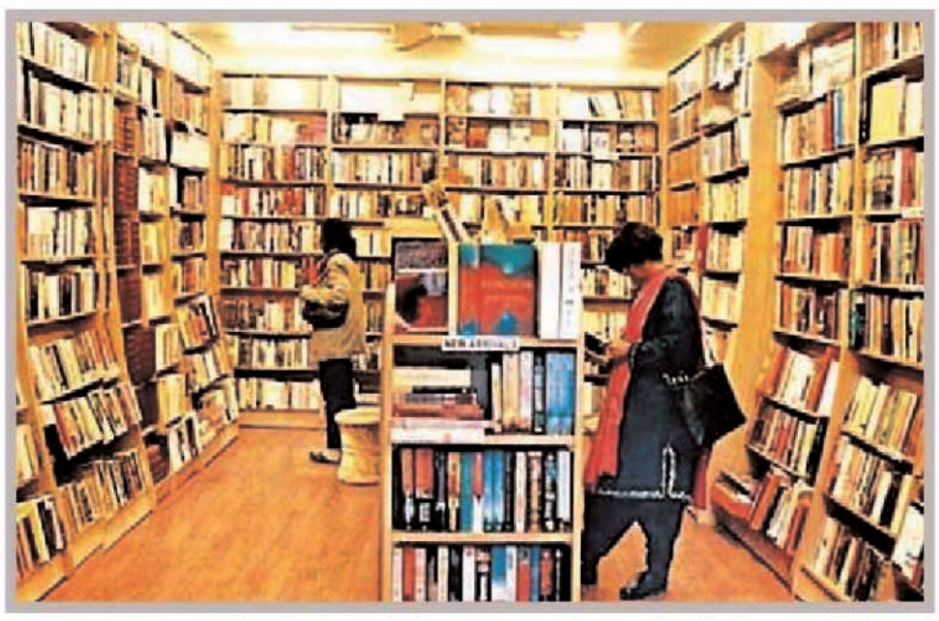

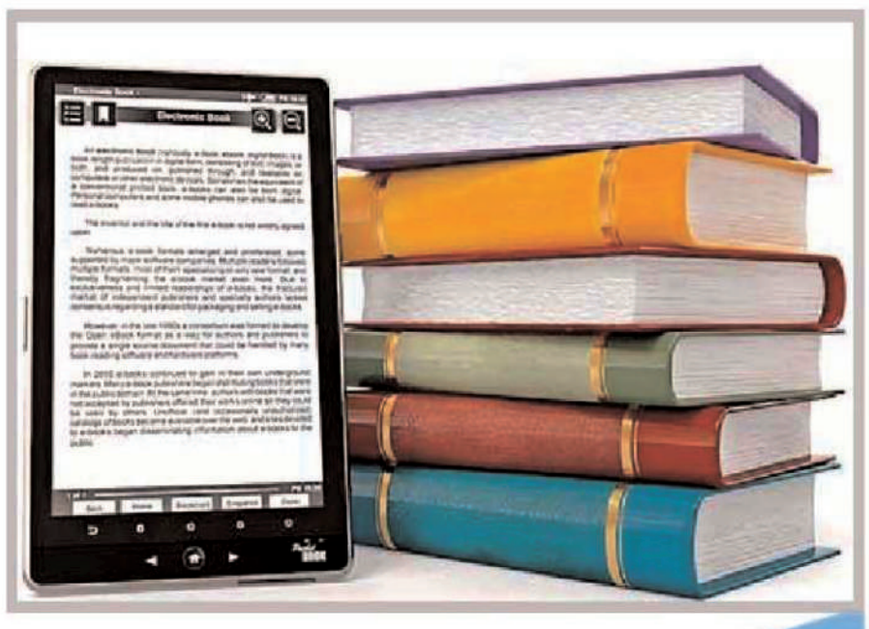

ललित गर्ग

अच्छा साहित्य हमें अमृत की तरह प्राण शक्ति देता है, कोरोना महामारी एवं महासंकट के लॉकडाउन में यह अहसास इन्हीं पुस्तकों से मिला है। पुस्तकों के पढ़ने से जो आनन्द मिला है, वह कोरोना पीड़ा को कम करने का सशक्त माध्यम बना है, कोरोना कहर से ध्वस्त हुए युग के नवनिर्माण का सूत्रपात इसी पुस्तक-संस्कृति से संभव है। भारत में पुस्तक का महत्व, राष्ट्र-समाज निर्माण में उसकी भूमिका अति-प्राचीन है, वेद, शास्त्र, रामायण, भागवत, गीता आदि ग्रन्थ हमारे जीवन की अमूल्य निधि हैं। पुस्तकें जीवन संजीवनी है, जिनका महत्व सार्वभौमिक, सार्वदेशिक एवं सार्वकालिक है, वे हमारी ऐसी मित्र हैं जो हमारी जीवन-निर्मात्री भी हैं।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें जिनके पास होती हैं, उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है, वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं, पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं। उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदानप्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में गत दिनों किया था। हिन्दी के अमर कथाकार मुंशी प्रेमचन्द का उल्लेख करते हुए उन्होंने लोगों से अपने दैनिक जीवन में किताबें पढ़ने की आदत डालने का आह्वान किया था। साथ ही उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। उनकी पुस्तक प्रेरणा देश को एक नये सांचे में गढ़ने वाली साबित होगी, इससे नया भारत निर्मित होगा एवं पुस्तक पढ़ने की कम होती रुचि पर विराम लगेगा। पुस्तक एवं पुस्तकालय क्रांति के नये दौर का सूत्रपाठ होगा। मोदी ने प्रेमचन्द की तीन मशहूर कहानियों ईदगाह, नशा और पूस की रात का जिक्र किया और उन कहानियों में व्यक्त संवेदना की भी चर्चा की।

नये युग के निर्माण और जन चेतना के उद्बोधन में वैचारिक क्रांति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वैचारिक क्रांति का सशक्त आधार पुस्तकें है। एक व्यस्ततम राष्ट्रनायक की जुबान से पुस्तक की उपयोगिता का बखान निश्चित ही पुस्तक-संस्कृति को एक नये युग में ले जायेगा। मोदी ने न केवल प्रेमचंद को जीवंत कर दिया है बल्कि जन-जन को उनकी कहानियां पढ़ने को प्रेरित कर दिया है क्योंकि ये केवल कहानियां नहीं है, एक जीवंत समाज का आइना है। प्रेमचंद ने अपनी इन कहानियों में समाज का जो यथार्थ चित्रण किया है, पढ़ते समय उसकी छवि आपके मन में बनने लगती है। उनकी लिखी एक-एक बात जीवंत हो उठती है। ऐसे सत्साहित्य से ही आदर्श समाज की संरचना हो सकती है।

पुस्तक संस्कृति की उपयोगिता को उजागर करते हुए लोकमान्य गंगाधर तिलक ने कहा था कि यदि कोई मुझे सम्राट बनने के लिये कहे और साथ ही यह शर्त रखे कि तुम पुस्तकें नहीं पढ़ सकोगे तो मैं राज्य को तिलांजलि दे दूंगा और गरीब रहकर ही साहित्य पढ़ूंगा।' यह पुस्तकीय सत्य नहीं, अनुभूति का सत्य है। अतः साहित्य के महत्व को वही आंक सकता है जो उसका पारायण करता है। नये-नये प्रयोग करने वाले मोदीजी अगर देश के राजनेताओं में इस तरह के संस्कार एवं रुचि जगा सकें तो राजनीति से नवीन संभावनाओं के द्वार उद्घाटित हो सकते हैं। निर्माण का हर क्षण इतिहास बन सकता है।

किताबें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। किताबें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबें नई दुनिया के द्वार खोलती हैं, दुनिया का अच्छा और बुरा चेहरा बताती, अच्छे बुरे की तमीज पैदा करती हैं, हर इंसान के अंदर सवाल पैदा करती हैं और उसे मानवता एवं मानव-मूल्यों की ओर ले जाती हैं। मनुष्य के अंदर मानवीय मूल्यों के भंडार में वृद्धि करने में किताबों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। ये किताबें ही हैं जो बताती हैं कि विरोध करना क्यूं जरूरी है। ये ही व्यवस्था विरोधी भी बनाती हैं तो समाज निर्माण की प्रेरणा भी देती हैं। समाज में कितनी ही बुराइयां व्याप्त हैं, उनसे लड़ने और उनको खत्म करने का काम किताबें ही करवाती हैं। शायद ये किताबें ही हैं जिन्हें पढ़कर मोदी आज दुनिया की एक महाशक्ति बन गये हैं। वे स्वयं तो महाशक्ति बने ही हैं, अपने देश के हर नागरिक को शक्तिशाली बनाना चाहते हैं। इसीलिये उन्होंने देश भर में एक पुस्तक-पठन तथा पुस्तकालय आंदोलन का आह्वान किया है जिससे न सिर्फ लोग साक्षर होंगे बल्कि सामाजिक व आर्थिक बदलाव भी आएगा।

पुस्तकें चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन हैं। उत्तम विचारों से युक्त पुस्तकों के प्रचार और प्रसार से राष्ट्र के युवा कर्णधारों को नई दिशा दी जा सकती है। देश की एकता और अखंडता का पाठ पढ़ाया जा सकता है और एक सबल राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। पुस्तकें प्रेरणा की भंडार होती हैं उन्हें पढ़कर जीवन में कुछ महान कर्म करने की भावना जागती है। पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी हैं क्योंकि इनकी छत्रछाया में मनुष्य अपनी हर मनोकामना को पूरा करने की शक्ति एवं सामर्थ्य पाता है। पुस्तकें अमूल्य हैं और जन-जन के लिये उपयोगी हैं, निश्चित ही वे एक नये व्यक्ति और एक नये समाज-निर्माण का आधार भी हैं। पुस्तकें ही व्यक्ति में सकारात्मकता का संचार करती हैं। नये मूल्य, नये मापदण्ड, नई योग्यता, नवीन क्षमताएं, आकांक्षाएं और नये सपने- तेजी से बदलती जिंदगी में सकारात्मकता को स्थापित करने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

इंसान घर बदलता है, लिबास बदलता है, रिश्ते बदलता है, दोस्त बदलता है, फिर भी परेशान क्यों रहता है ? क्योंकि उसने पुस्तकरूपी कल्पवृक्ष की छाया में बैठना बन्द कर दिया है जबकि इन्हीं पुस्तकों की सार्थक कोशिश होती है कि इंसान बदलें, उसकी सोच बदलें, उसका व्यवहार बदलें, लेकिन बदलने की उसकी दिशा सदैव सकारात्मक हो ताकि वह जिंदगी के वास्तविक मायने समझ सके। जब तक इंसान खुद को नहीं बदलता, वह अपनी मंजिल को नहीं पा सकता। मंजिल को पाने एवं जीत हासिल करने के लिए स्वयं का स्वयं पर अनुशासन जरूरी है। यही सूत्र पुस्तक-संस्कृति की उपयोगिता एवं महत्व को उजागर करता है।

पुस्तकें एक रचनात्मक एवं सृजनात्मक दुनिया है जिसमें विद्वान लेखकों, विचारकों एवं मनीषियों ने अपनी कलम में वही सब कुछ लिखा होता है जिसे उन्होंने अपने आसपास की जिंदगी में देखा है, भोगा है। इन पुस्तकों के विचार किसी न किसी के द्वारा कभी न कभी सोचा, कहा, लिखा, मनन किया या जीया गया होता है। ये पुस्तकें एक जरिया है, झरोखा है जिसमें युगों का ज्ञान है, महापुरुषों के अनुभव हैं, संतपुरुषों की सूक्तियां हैं, प्रबुद्धजनों के जीवन का निचोड़ है जिनकी प्रेरणा और ऊर्जा से इंसानों को रौशनी मिलती है, जो सबके घर में आनंद को और सूरज को अवतरित करने की क्षमता का स्रोत भी है। इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

भारत ही बल्कि दुनिया को बदलने में सत्साहित्य की निर्णायक भूमिका असंदिग्ध है। हजारीप्रसाद द्विवेदी ने तभी तो कहा था कि साहित्य वह जादू की छड़ी है जो पशुओं में, ईंट-पत्थरों में और पेड़-पौधों में भी विश्व की आत्मा का दर्शन करा देती है।' इसलिये साहित्य ही वह मजबूत माध्यम है जो हमारी राष्ट्रीय चेतना को जीवंतता प्रदान कर एवं भारतीय संस्कृति की सुरक्षा करके उसे पीढ़ी-दर-पीढ़ी संक्रांत कर सकता है। सत्साहित्य ही भारतीय संस्कृति के गौरव को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है, इसी से जीवन सरस एवं रम्य हो सकता है। पुस्तक-प्रेरणा भारतीय जन-चेतना को झंकृत कर उन्हें नये भारत के निर्माण की दिशा में प्रेरित कर रही है। तय है कि इससे ही कोरोना कहर की विध्वंस-लीला पर विराम लगाकर जीवन-निर्माण के नये दौर की उजली दिशाएं प्रस्फुटित हो सकेंगी।

पुस्तक प्रेम पर सोशल मीडिया का ग्रहण

देवेन्द्रराज सुथार

किताबें झांकती हैं बंद आलमारी के शीशों से, बड़ी हसरत से तकती हैं, महीनों अब मुलाकातें नहीं होतीं, जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं, अब अक्सर गुजर जाती है कंप्यूटर के पर्दों पर....।

गुलजार साहब की ये कविता किताबों के उस दौर की याद दिलाती है जब किताबें जीवन का अभिन्न अंग हुआ करती थीं। संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन के द्वारा पढ़ने, प्रकाशन और कॉपीराइट को बढ़ावा देने के लिए प्रतिवर्ष 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस आयोजित किया जाता है। ज्ञातव्य है कि 23 अप्रैल 1564 को शेक्सपीयर का निधन हुआ था।

शेक्सपीयर एक ऐसे लेखक थे जिनकी कृतियों का अनुवाद विश्व की समस्त भाषाओं में हुआ है। इन्होंने अपने जीवन काल में करीब 35 नाटक और 200 से अधिक कविताएं लिखीं। साहित्य जगत में शेक्सपीयर को जो स्थान प्राप्त है, उसी को देखते हुए यूनेस्को ने 1995 और भारत सरकार ने 2001 में 23 अप्रैल के दिन को विश्व पुस्तक दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी।

बदलते युग में तकनीक की घुसपैठ के कारण किताबों के पठन-पाठन में भारी गिरावट देखने को मिली है। अधिकतर युवा अब फेसबुक, वाट्सएप तथा इंटरनेट पर अपना समय गुजारना पसंद करते हैं। किताबें अब केवल ड्राइंग रूम में सजावट का सामान बनकर रह गई हैं। किताबों के प्रति तेज गति से हो रहा मोहभंग चिंताजनक है।

गौरतलब है कि 24 राज्यों के 26 जिलों में 'असर' (एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट) द्वारा किए गए सर्वे में आश्चर्यजनक नतीजे बताते हैं कि इन राज्यों के साठ-साठ गांवों में किए गए सर्वे में यह बात निकलकर आई कि वहां 94 फीसदी लोगों के पास मोबाइल और करीब 74 के पास टेलीविजन हैं। लेकिन किताबों और मैगजीन के मामले में यह आंकड़ा बेहद निराशाजनक है। केवल 10 फीसदी लोगों के घरों में ही किताबें और मैगजीन मिली हैं।

दुनियाभर की 285 यूनिवर्सिटी में ब्रिटेन और इटली की यूनिवर्सिटी ने संयुक्त अध्ययन में यह निष्कर्ष निकाला है कि जो छात्र डिजिटल तकनीक का अधिकतम उपयोग करते हैं, वे पढ़ाई के साथ पूरी तरह नहीं जुड़ पाते और फिसड्डी साबित होते हैं। ज्यादा इंटरनेट के इस्तेमाल से उन्हें अपेक्षित परिणाम नहीं मिलता और उनमें अकेलेपन की भावना घर कर जाती है। अध्ययन में 25 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि उन्होंने दिनभर में 4 घंटे ऑनलाइन बिताए जबकि 70 प्रतिशत ने एक से तीन घंटे तक इंटरनेट का इस्तेमाल किया। इनमें 40 प्रतिशत छात्रों ने सोशल नेटवर्किंग का इस्तेमाल किया जबकि 30 प्रतिशत ने सूचना के लिए इसका इस्तेमाल किया।

इंटरनेट की लत से कई तरह की क्षमता प्रभावित होती है। जैसे, उत्तेजना नियंत्रण, भविष्य की योजना और शैक्षिक वातावरण में बेहतर तालमेल नहीं बना पाना आदि। इसलिए इंटरनेट की लत से प्रभावित छात्रों को पढ़ाई में ज्यादा मुश्किल नजर आई जबकि ऐसे छात्र जो इंटरनेट से दूर रहे, वे पढ़ाई में ज्यादा सफल रहे।

निःसंदेह किताबों को लेकर यह हताशा का माहौल हमारे पिछड़ जाने का संकेत है। किताबों से दिनोंदिन बढ़ती दूरी हमें नैतिक पतन, भौतिकवाद एवं आत्ममुग्ध आधुनिकता से ग्रस्त कर रही है। सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं साहित्यिक जैसे तमाम क्षेत्रों का ज्ञान हमें किताबों से ही मिलता है। किताबें अमर हैं और जो हमारे व्यक्तित्व का निर्माण कर हमें जीवन जीने की कला सिखाती हैं।

यही नहीं, किताबें एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में ज्ञान हस्तांतरित करने का सशक्त माध्यम भी हैं। किताबों से बुद्धि का विकास का होता है तथा हम महान लोगों से चिर-परिचित होकर उनके पदचिन्हों पर चलने की प्रेरणा लेते हैं। दरअसल, किताबें सोच बनाने व बदलने का माद्दा रखती हैं। किताबें हमें अतीत, वर्तमान और भविष्य तीनों काल की जानकारी देती हैं। किताबें मनुष्य की सच्ची मित्र हैं जो प्रत्येक परिस्थिति में बखूबी साथ निभाती हैं।

एक अच्छी किताब हमें सफलता के शिखर तक पहुंचा सकती है। अतः आवश्यक है कि हम किताबों के पठन-पाठन की परंपरा को बरकरार रखें। मोबाइल, टीवी और कंप्यूटर पर समय व्यतीत करने के बजाय उसका उपयोग किताबों से ज्ञान अर्जित करने में करें। इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि आज के दौर में किताबों की कीमत में काफी वृद्धि हुई है। अब किताबें रियायती दरों पर मिलनी मुश्किल है। बढ़ती महंगाई से किताबों का सुनहरा संसार भी अछूता नहीं है। आम आदमी के बजट से बाहर होती किताबों के मूल्य में उछाल किताबों के प्रति उदासीनता की वजह है। सच्चाई है कि बाजारवाद के कारण किताबों में अश्लीलता ने पांव पसारे हैं। यह साहित्य सामग्री युवाओं को लक्ष्य से विचलित कर रही है। इस तरह की साहित्य सामग्री पर रोक लगनी चाहिए तथा इनका प्रकाशन बंद होना चाहिए। किताबों के चयन और लेखन दोनों पर विचार-विमर्श आज समय की मांग है।

इंटरनेट और ईपुस्तकों की व्यापक होती पहुंच के बावजूद छपी हुई किताबों का महत्व कम नहीं हुआ है और वह अब भी प्रासंगिक हैं।

हर युवा के लिए प्रेरणा के सबसे बड़े स्रोत हैं स्वामी विवेकानंद

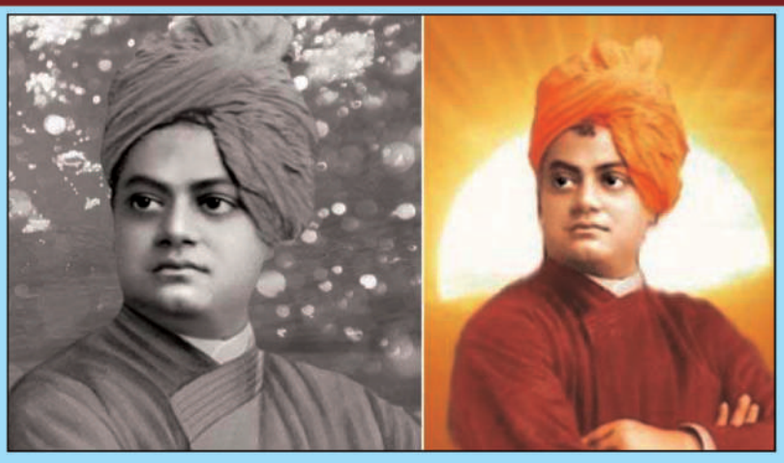

स्वामी विवेकानंद जी की वाणी भारतीयता से ओतप्रोत थी। विवेकानंद जी जब भी बोलते थे, उनके एक एक शब्द में भारत का प्रस्फुटन होता था। वे निश्चित रूप से उस भारतीय संस्कृति के संवाहक थे, जो समस्त विश्व के दिशादर्शक हैं। तभी तो वे कहते थे कि भारतीय संस्कृति केवल भारत के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक प्रगति का आधार है। वर्तमान समय में भी स्वामी विवेकानंद जी विचार उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने पुरातन काल में होते थे। स्वामी जी युवाओं को शक्तिशाली बने रहने का भी उपदेश देते थे। उनका मानना था कि जिस देश का युवा निर्बल और शक्तिहीन होगा, वह राष्ट्र कभी शक्ति संपन्न नहीं हो सकता।

हिंदुत्व के बारे में स्वामी विवेकानंद जी की स्पष्ट धारणा थी। वे अपनी वाणी के माध्यम से यह भी कहते थे कि तुम तब और केवल तब ही हिन्दू कहलाने के अधिकारी हो, जब इस नाम को सुनने मात्र से तुम्हारे शरीर में विद्युत प्रवाह की तरह तरंग दौड़ जाए और हर व्यक्ति सगे से भी ज्यादा पसंद आने लगे। स्वामी विवेकानंद जी सम्पूर्ण विश्व को एक परिवार की तरह ही देखते थे। शिकागो में स्वामी विवेकानंद जी का प्रबोधन इसी भाव धारा का प्रवाहन था। जिसकी गूंज आज भी ध्वनित होती रहती है।

स्वामी विवेकानंद जी ने भारत के बारे में तीन अति महत्व की भविष्यवाणी की थीं। 1890 के दशक में उन्होंने कहा था कि भारत अकल्पनीय परिस्थितियों के बीच अगले 50 वर्षों में ही स्वाधीन हो जाएगा। जब उन्होंने यह बात कही तब कुछ लोगों ने इस पर ध्यान दिया। उस समय ऐसा होने की कोई संभावना भी नहीं दिख रही थी। ऐसी पृष्ठभूमि में स्वामी विवेकानंद ने भविष्यवाणी की कि भारत अगले 50 वर्षों में स्वाधीन हो जाएगा और यह सत्य सिद्ध दी हुई। विवेकानंद ने ही एक और भविष्यवाणी की थी जिसका सत्य सिद्ध होना शेष है। उन्होंने कहा था भारत एक बार फिर समृद्धि तथा शक्ति की महान ऊँचाइयों पर उठेगा और अपने समस्त प्राचीन गौरव को पीछे छोड़ जाएगा। स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि भारत का विश्व गुरु बनना केवल भारत ही नहीं, अपितु विश्व के हित में है। विवेकानंद ने कहा था कि समाज का नेतृत्व चाहे विद्या बल से प्राप्त हुआ हो चाहे बाहुबल से, पर शक्ति का आधार जनता ही होती है। उनका मानना था कि प्रजा से शासक वर्ग जितना ही अलग रहेगा, वह उतना ही दुर्बल होगी। हमें नहीं भूलना चाहिए कि यथार्थ भारत झोपड़ी में बसता है, गांव में बसता है। इसलिए भारत की उन्नति भी झोपड़ी और गांव में रहने वाले आम जनता की प्रगति पर निर्भर है। हमारा पहला कर्तव्य दीनहीन, निर्धन, निरक्षर, किसानों तथा श्रमिकों के चिंतन का है।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि अतीत से ही भविष्य बनता है। अतः यथासंभव अतीत की ओर देखो और उसके बाद सामने देखो और भारत को उज्ज्वल तक पहले से अधिक पहुंचाओ। हमारे पूर्वज महान थे। हम भारत के गौरवशाली अतीत का जितना ही अध्ययन करेंगे हमारा भविष्य उतना ही उज्ज्वल होगा। भारत में श्रीराम, कृष्ण, महावीर, हनुमान तथा श्रीरामकृष्ण जैसे अनेक ईष्ट और महापुरुषों के आदर्श उपस्थित हैं। महापुरुषों ने संपूर्ण समाज का भला करने की नीति का ही पालन किया। स्वामी जी का एक कथन बहुत ही प्रचलित है उतिष्ठत। जागृत। प्राप्य वरान्निबोधत। अर्थात उठो जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक रुको मत। यह कथन जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में बहुआयामी प्रगति का मार्ग तैयार करेगा।

स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि धर्म को हानि पहुंचाए बिना ही जनता की उन्नति की जा सकती है। किसी को आदर्श बना लो, यदि तुम धर्म को फेंक कर राजनीति, समाजनीति अथवा अन्य किसी दूसरी नीति को जीवन शक्ति का केंद्र बनाने में सफल हो जाओ तो उसका फल यह होगा कि तुम्हारा अस्तित्व नहीं रह जाएगा। भारत में हजारों वर्षों से धार्मिक आदर्श की धारा प्रवाहित हो रही है। भारत का वायुमंडल इस धार्मिक आदर्श से शताब्दी तक पूर्ण रह कर जगमगाता रहा है। हम इसी धार्मिक आदर्श के भीतर पैदा हुए और पले हैं। यहां तक कि धर्म हमारे जन्म से ही हमारे रक्त में मिल गया है, जीवन शक्ति बन गया है। यह धर्म ही है जो हमें सिखाता है कि संसार के सारे प्राणी हमारी आत्मा के विविध रूप ही हैं। सच्चाई यह भी है कि हमारे लोगों ने धर्म को समाज में सही रूप में उपयोग भी नहीं किया है। अतः भारत में किसी प्रकार का सुधार या उन्नति की चेष्टा करने के पहले धर्म को अपनाने की आवश्यकता है। भारत को राजनीतिक विचारों से प्रेरित करने के पहले जरूरी है कि उसमें आध्यात्मिक विचारों की बाढ़ ला दी जाए शिक्षा हमारी मूलभूत आवश्यकता है। भारत के लोगों को यदि आत्मनिर्भर बनने की शिक्षा नहीं दी जाएगी, तो सारे संसार की दौलत से भारत के एक छोटे से गांव को भी सहायता नहीं की जा सकती। नैतिक तथा बौद्धिक दोनों ही प्रकार की शिक्षा प्रदान करना हमारा पहला कार्य होना चाहिए। राष्ट्रभक्तों की टोलियों पर स्वामी विवेकानंद ने कहा है कि देशभक्त बनो। इन बातों से युक्त विश्वासी युवा देशभक्तों की आज भारत को आवश्यकता है। स्वामीजी का स्वप्न था कि उन्हें 1000 तेजस्वी युवा मिल जाएं तो वह भारत को विश्व शिखर पर पहुंचा सकते हैं।

सर्दी में नंगे होने का जोश और होश (व्यंग्य)

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है।

रिकॉर्ड जमाऊ शानदार सर्दी में एक अधनंगे से मुलाकात हो गई। अच्छी सूझबूझ के साथ अगर आंकड़े जारी करने हों तो उसे लगभग नंगा या नंगा भी गिन सकते हैं। नंगा बंदा देखकर काफी कपड़े पहने हुए व्यक्ति को भी सर्दी ज्यादा लगने लगती है। मुझे सर्दी ज्यादा लगने लगी मगर लड़खड़ाते लबों से बात हो गई, आप इतनी सर्दी में नंगे घूम रहे हो, आपको देखकर मुझे लगने वाली ठंड बढती जा रही है, बीमार हो जाओगे। उसने मानो बिना मास्क लगाए जवाब दिया, मेरा व्यवसाय ही नंगई है जिसे मैं ईमानदारी, कर्मठता व पूरी पारदर्शिता से करता हूं इसीलिए कुछ नहीं होगा। आपने पांव से सिर तक काफी कुछ ढका हुआ है, हाथों में भी दस्ताने पहन रखे हैं, आप क्या जानो नंगा होना कितना जोशीला होना है।

उसके कहने के अंदाज से मुझे लगने लगा कि कहीं न कहीं से मैं भी नंगा लग रहा हूं। मैंने फिर कहा, आप इतनी ज्यादा सर्दी में ऐसे हिस्सों में नंगे हैं जहां से होना नहीं चाहिए। आप समझे नहीं, यह मेरे व्यवसाय का मूल हिस्सा है, इसके कारण ही मेरी आमदनी होती है। यदि शरीर के ये हिस्से न दिखाऊं तो अपनी दुकान बंद हो जाए। विषय बदलते हुए मैंने पूछा आपकी सामाजिक हैसियत क्या है। वह बोला आ गए न असली सवाल पर, आजकल बेशर्मी ही सोशल स्टेटस है वही मेरा भी है।

आप राजनीतिज्ञ हो या....? कृपया ऐसा न कहें, आजकल स्पष्ट, साफ सुथरा, खुला बोलने का जमाना नहीं है। वास्तव में मैं स्वादिष्ट खिचड़ी हूं, एक बढ़िया पेय भी हूं। ध्यान से देखेंगे तो समझ पाएंगे कि मेरे अंदर कितना कुछ छिपा हुआ भी दिख तो रहा है। आप कहो तो मैं पूरा नंगा भी हो सकता हूं। मुझे अब और ठंड लगने लगी थी, क्या आप सचमुच और नंगे हो सकते हो? उसने कहा, हां अभी तक तो मेरा शरीर ही नंगा है, आप चाहें तो नंगेपन की प्रतिशतता बढ़ा सकता हूं इतनी कि आपको शर्म आने लगेगी। उसकी बात ठीक थी, नंगे होने वालों की शर्म खत्म हो जाती है और देखने वालों की बढती जाती है।

वह बोला, आप भूल गए कि हम सब पैदा नंगे ही हुए थे। उसने मुझ पर व्यंग्य किया, इतने सारे कपड़े पहनकर आप भी कहीं न कहीं से नंगे माने जा सकते हो, दिमाग, बुद्धि या व्यवहार से नंगे कहे जा सकते हो। जो अपने आप को नंगा नहीं मानते, शानदार महंगे रंगीन और नमकीन कपड़े पहनते हैं वास्तव में वे भी नंगे हो सकते हैं। उसने मानो मास्क लगाकर घोषणा की कि वह और नंगे भी इक्कठे कर सकता है। मैंने पूछा क्या आप कलाकार हो तो वह बोला, हो सकता है, लेकिन पहले जैसा कलाकार नहीं हूं जो सामाजिक, व्यक्तिगत, पारिवारिक धारणाओं व अनुशासन का ख्याल रखते थे, मुझे तो प्रसिद्धि और पैसा चाहिए, सबका ध्यान चाहिए। मुझे नंगा होने, पूरा नंगा होने में कोई शर्म नहीं। बिल्कुल सही कहा, जो एक बार नंगा हो जाता है दूसरी बार उसे शर्म नहीं आती और किसी भी तरह की ठंड पास फटकने से शमार्ती है।

हकों को रौंदते परिवार

ख्याल रखना होगा कि यह पुरुषवादी समाज है, हमारे परिवारों मे लड़कियों को पीछे ढकेला जाता है। अब भी, तरह-तरह की दलीलें देकर औरतों को उनके हकों से वंचित रखने की साजिश शातिराना ढंग से चल रही है। बेटी की शादी में वरपक्ष को मुंहमांगी रकम चुकाने वाले दलील देते हैं कि बेटियों को दहेज के नाम पर उनका हिस्सा दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने 20जनवरी को कहा, बिना वसीयत किये मरने वाले हिंदू मर्द की संपत्ति में बेटियां भी हकदार होंगी। न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर आर कृष्ण मुरारी की बेंच ने मुकदमे की सुनवाई पर 51 पन्नों का यह फैसला दिया। जिसमें प्राचीन हिंदू उत्तराधिकार कानूनों व अदालतों के पुराने फैसलों का भी जिक्र है। यह फैसला हिंदू औरतों/ विधवाओं के हिंदू उत्तराधिकार कानून में संपत्तियों के अधिकारों को लेकर है। बेटियों को मृत पिता के भाई के बच्चों की तुलना में संपत्ति में वरीयता दी जाएगी। पिता की खुद की कमाई या विरासत में मिली संपत्ति में बंटवारा बच्चों द्वारा आपस में किया जाएगा। अच्छी बात यह भी कही जा सकती है कि 1956 से पहले की प्रापर्टी में भी बेटी का अधिकार होगा। मैं ऐसे ढेरों परिवारों को जानती हूं, जिन्होंने बेटियों को पिता/पुश्तैनी संपत्ति से नाममात्र को भी टुकड़ा तक नहीं दिया। हालांकि सरकारी नीतियों के चलते, अब बेटियों से अनापत्ति पत्र लेना पड़ता है। मगर खांटी पुरुषवादियों को इस पर भी कोई शर्मिंदगी नहीं होती। वे बेहद ढीठता से बहनों से हस्ताक्षर करवा कर सारी संपत्ति बेशर्मी से कब्जा लेते हैं। तब भी, जबकि बहन की आर्थिक स्थिति कमजोर हो। औरतों पर सामाजिक, पारिवारिक और जेहनी दबाव होते हैं। उन्हें बाकायदा भावनात्मक रूप से ब्लैकमेल किया जाता है। उनकी बचपन से कंडीशनिंग ऐसी की जाती है कि वे खुद को हमेशा मुजाहिर ही समझती रह जाती हैं। रिश्तों के नाम पर वे अपने मालिकाना हक को बेमुरव्वती से त्याग देती हैं।

हिंदू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005 के अनुसार,बेटियों को पिता की खुद की कमाई वाली संपत्ति पर बेटों के बराबर हक है। पिता के बिना वसीयत किये मरने पर भी विवाहित पुत्री के अधिकारों पर कोई असर नहीं होगा। 2020 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा था- बेटियों को पिता, दादा, परदादा की संपत्ति में बेटों की तरह ही हक है। मगर इस बात पर सरकारी रवैया काफी ढुलमुल है। अपनी कुछ पुश्तैनी जमीनों का नामांतरण कराने के दौरान मैं लगातार गांव और तहसील गयी। वहां बदलाव दिखा, पर वह बेहद निराशाजनक है। ग्रामीण लगातार लेखपाल से रिरिया रहा था। जो झिड़क कर बोल रहा था। मामला था बाप की खेतिहर भूमि और पुश्तैनी मकान पर नाम चढ़ाने का। उस बन्दे के पिता की पहली पत्नी, जिसकी बहुत पहले मौत हो चुकी थी, से पुत्री के नाम की। वह बन्दा चाह रहा था कि सौतेली बहन का नाम ना चढे सरकारी रिकार्ड में। लेखपालों ने आपस में भी काफी खुसर-पुसर किया। उनकी बातों और चढ़ी त्योरियों से स्पष्ट था कि उन्हें भी यह पसंद नहीं आ रहा था। पर वे मजबूर नजर आये। तहसीलदार काफी सख्त लगा। कानूनन परिवार की संपत्ति पर उस बेटी का नाम भी चढ़ रहा था। जाहिर है, बेटियों को दहेज के नाम पर मुट्ठी भर रकम थमा कर परिवार के पुरुष संपत्ति खुद जब्त कर लेते हैं। पीढ़ियों से अपने यहां माना जाता है रहा है कि वारिस बेटा ही होता है, उसके नाम से वंश चलता है इसलिए सारी संपत्ति का अधिकारी वही होता है। 1956 से पूर्व तो औरतों को पिता की संपत्ति का हक ही नहीं था। मेरी दादी काफी संपन्न परिवार से थीं। उनका कोई भाई नहीं था। उनके पिता की मृत्यु के बाद चचेरे भाइयों और चाचाओं ने मकानों/खेतों पर हक जमा लिया। यह कानून आने के बाद संपत्ति में से कुछ हिस्सा दादी और उनकी बहनों को मिल सका।

लेकिन अब जब पुत्री के बराबरी के हक की बात हो रही है तो सरकार को कानून अधिक स्पष्ट करने होंगे। बेटियों को विरासत में बराबरी का हिस्सा देने के वास्ते, संतान की बात होनी चाहिए। यानी जेंडर न्यूट्रल। जो सख्ती से लागू हो। खुद की कमाई को वसीयत द्वारा बेटों को देने का इख्तियार दिया जा सकता है। लेकिन पुश्तैनी संपत्ति से लड़कियों को बेदखल करने का अधिकार किसी कीमत पर वाजिब नहीं है। ख्याल रखना होगा कि यह पुरुषवादी समाज है, हमारे परिवारों में लड़कियों को पीछे ढकेला जाता है। अब भी, तरह-तरह की दलीलें देकर औरतों को उनके हकों से वंचित रखने की साजिश शातिराना ढंग से चल रही है। बेटी की शादी में वरपक्ष को मुंहमांगी रकम चुकाने वाले दलील देते हैं कि बेटियों को दहेज के नाम पर उनका हिस्सा दिया जाता है। वे इस हकीकत से मुकर जाते हैं कि इसमें से बेटियों को रत्ती भर से ज्यादा कुछ नहीं मिलता। बात मामूली से किसी बाबू की हो, परचूनिए या मालदार कारोबारी की। कड़े कानूनों द्वारा बेटियों को हकदार बनाने और शादी में मुंहफाड़ मांगने वालों पर सख्तियां हों। परिवार के पुरुषों की बे-जां दलीलें हैं कि बेटे मां-बाप की बुढ़ापे देखभाल करते हैं, उस वक्त बेटियां अपनी ससुराल में होती हैं। अव्वल तो अब बेटे भी बाहर चले जाते हैं। मैं तो यह भी चाहती हूं कि बेटियां हकों के साथ अपनी जिम्मेदारियों का विस्तार भी करें। वे आगे बढ़कर अपने पालकों की सहारा बनें। पढ़ें, स्वावलंबी बनें, अपने फैसलों पर खुद अड़ें। बेटियां सिर्फ मांगने और दया की मोहताज नहीं होतीं, यह उन्हें जताना होगा। वे किसी मायने में बेटों से कम नहीं होतीं। उन्हें बेटा बनने की जरूरत नहीं, बेटी बन कर भी वे अपनी तकदीर की फैसले खुद करने से नहीं हिचकेंगी। ■

यही है जिंदगी

■ क्षमा शर्मा

हमारी धरती और आबादी

अरसे से हम चीन और वहां की आबादी के बारे में सुनते आए है कि वह दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश है। लेकिन उन्होंने अपनी आबादी को बहुत कठोरता से नियंत्रित किया है। एक बच्चा पालिसी को न मानने वालों के प्रति क्रूरता की कहानियों को हम सुनते ही आए है। क्योंकि माना जाता है कि ज्यादा आबादी देश के तमाम संसाधनों को सोख लेती है। सरकारें चाहे जितना प्रयत्न करें, यदि आबादी बढ़ती रहे तो साधनों की कमी दूर नहीं होती। भारत में भी बढ़ती आबादी पिछले पचास सालों से लगातार चिंता का विषय रही है, लेकिन बढ़ती आबादी में कभी कोई कमी नहीं आई है। पिछले कुछ सालों से चीन ने अपनी कठोर आबादी के नियंत्रण में ढील दी है। दम्पतियों को दो बच्चे पैदा करने की छूट दी गई है। अब तो तीन बच्चों की बात भी की जा रही है। कारण है आबादी की दर में न केवल तेजी से गिरावट बल्कि युवाओं की संख्या में भारी कमी। युवा किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाते हैं, यदि वे कम हों, उनकी आबादी कम हो तो अर्थव्यवस्था का पहिया रुकने लगता है। देश की प्रगति में बाधा पड़ने लगती है। जापान भी इस मुश्किल से जूझ रहा है। वहां बहुत से युवा न घर बसाना चाहते हैं, न बच्चों की जिम्मेदारियां निभाना चाहते हैं।

चीन में चाहे सरकारों ने अपनी मंशा बदल दी हो, आबादी को लेकर अब वे नए सिरे से विचार कर रहे हों, मगर वहां बहुत सी स्त्रियां सरकार की बातों से इत्तेफाक नहीं रखतीं। उनका कहना है कि वे अपना जीवन जीना चाहती हैं। एक के बाद एक बच्चे पैदा करके, उनकी जिम्मेदारियां कब तक निभाती रहें। और क्यों निभाएं। तीन बच्चे पैदा क्यों करें। हम क्या कोई बच्चा पैदा करने की मशीनें हैं। ऐसे ही बहुत से सुर भारत में भी सुनाई देने लगे हैं। जहां लड़कियां शादी और बच्चों की जिम्मेदारियों से दूर भाग रही हैं। वे अपने पांवों पर खड़ी होकर आजादी का जीवन जीना चाहती हैं, जहां किसी की जिम्मेदारी न हो। हालांकि आजादी की यह तसवीर तभी तक बहुत रोमांचक और आकर्षक लगती है, जब तक हम युवा होते हैं। जैसे ही उम्र बढ़ने लगती है, हमें किसी के सहारे की तलाश महसूस होने लगती है। वह परिवार, मित्र, कोई भी हो सकता है। जहां चीन और जापान अपनी युवा आबादी के कम होने से चिंतित हैं, वही दूसरी ओर अमेरिकी व्यवसाई एलन मस्क भी आबादी को लेकर चिंता जता रहे हैं। एलन मस्क के बारे में आपको पता होगा कि वह जल्दी ही मंगल पर इंसानी बस्तियां बसाना चाहते हैं। उनका कहना है कि धरती पर कभी भी कोई ऐसी प्रलय आ सकती है, जिसके कारण धरती से जीवन का खात्मा हो जाए। इसके लिए जरूरी है, दूसरे ग्रहों पर भी मानव को बसाया जाए।

यही नहीं मस्क मानते हैं कि धरती पर आबादी कम है। लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने चाहिए। हो सकता है कि एलन मस्क किसी सम्भावित प्रलय के खतरे को जानकर ऐसा कह रहे हों। इसके अलावा यह भी सोचने की बात है कि अगर इस धरती से मानव सभ्यता मिट गई तो वह किन कारणों से मिटेगी, इस पर भी विचार करना चाहिए। इस धरती को मिटाने में मनुष्य का लालच भी बड़ी भूमिका अदा करेगा। ऐसे में यदि मस्क मंगल पर बस्ती बसा भी दें तो वहां जाकर भी आदमी ऐसी परिस्थिति पैदा नही कर देगा कि वहां भी सर्वनाश हो जाए। तो क्यों न कहीं और जाने की जगह धरती पर ही ऐसी परिस्थितियां बनाई जाएं कि मनुष्य बचा रहे। उसके सिर पर किसी तरह का खतरा न मंडराए। बचने के लिए धरती छोड़कर कहीं और भागने की नौबत न आए। ■

बच्चे के विकास में साहित्य

बच्चे के जीवन के प्रारंभिक वर्ष महत्वपूर्ण होते हैं। बच्चे सही कौशल विकसित करने के लिए माता-पिता और देखभाल करने वालों पर निर्भर होते हैं। उन्हें किताबों, कहानियों और संगीत के साथ संवाद करने और उजागर करने से उनकी भाषा, मस्तिष्क के विकास में सुधार होता है और उन्हें अधिक कल्पनाशील बनाता है । अमेरिकी अध्ययन में पाया गया कि जब अकादमिक पुस्तकों में व्यक्तिगत विचारों को जोड़ा गया, तो गैर-व्यक्तिगत कहानियों को पढ़ने वाले अपने साथियों की तुलना में छात्रों के पढ़ने की समझ के स्कोर में 40 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

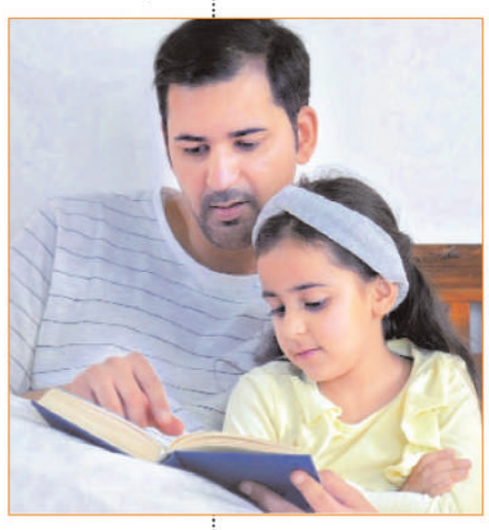

रैड शिक्षा के विशेषज्ञों ने बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन के साथ भागीदारी की ताकि यह पता लगाया जा सके कि व्यक्तिगत शिक्षण वास्तव में कितना प्रभावी है। अभी भी जारी है, उनके प्रमुख निष्कर्षों में गणित के अंकों में सुधार था। प्रौद्योगिकी द्वारा सुगम इस अनुकूलित सीखने को प्रारंभिक बचपन के अध्ययन में डिजिटल वैयक्तिकरण और माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा में प्रौद्योगिकी वर्धित व्यक्तिगत शिक्षा कहा जाता है।

डिजिटल वैयक्तिकरण

बच्चा होशपूर्वक गैजेट्स और प्ले स्टेशन को छोड़ देता है और पढ़ने की कला को विकसित करता है, कोई आसान काम नहीं है। यह तब होता है जब वैयक्तिकरण की कला आती है और कार्य को आसान बनाती है। सिद्ध तथ्य है कि मुख्य पात्र, लिंग, अवतार और कहानी के नाम को वैयक्तिकृत करने वाली कहानियां पढ़ने या पढ़ने वाले बच्चे अधिक व्यस्त रहते हैं। डिजिटल निजीकरण के बैंड-बाजे पर कूदते हुए, इस क्षेत्र में अनुकरणीय काम करने वाली कुछ कंपनियों में मर्लिनवांड, वण्डर बली और हुर्रे हीरोज शामिल हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि जो बच्चे कम उम्र में पढ़ना शुरू कर देते हैं, उनके हाई स्कूल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की संभावना अधिक होती हैं।

भावी संचार कौशल - जैसे-जैसे बच्चे अधिक से अधिक पढ़ते हैं, वे अवचेतन रूप से नए शब्द सीखते हैं और नई सूचनाओं को आत्मसात करते हैं, उनकी शब्दावली का विस्तार होता है इसलिए उनकी खुद को बेहतर ढंग से व्यक्त करने की क्षमता भी विकसित होती है, बातचीत में आवश्यक विनम्रता और मित्रता सिखाने के लिए किताबें आवश्यक उपकरण हैं।

संज्ञानात्मक कौशल

विकास - जब आप अपने बच्चे को ऊंची आवाज में पढ़ कर सुनाते हैं, तो इससे उनकी सोचने और समझने की क्षमता में सुधार होता है। मूल रूप से, यह उनकी विचार प्रक्रिया का निर्माण करता है, जिससे समस्या-समाधान और निर्णय लेने, बचपन से लेकर बड़े होने तक की क्षमता का विकास होता है ।

किताबों की भाषा - किताब की भाषा, चाहे वह बच्चों की कहानी हो या क्लासिक उपन्यास, अधिक वर्णनात्मक है और दैनिक संवादी भाषा की तुलना में औपचारिक व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग करती है, बोली जाने वाली भाषा उस क्षेत्र से बहुत अधिक प्रभावित होती है जहां से वह व्यक्ति है और जिससे वह बोली जा रही है।

■ नेहा जैन

ज्ञान का सागर

ज्ञान प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका है किताब पढ़ना। बच्चों की किताबों में जानवरों, अक्षर, दोस्ती, परिवार, नैतिकता और शिष्टाचार के बारे में जानकारी होती है - मूल रूप से ज्ञान का सागर। जो बच्चे किसी विषय में पारंगत होते हैं वे अधिक परिपक्व, विचारशील और बौद्धिक रूप से व्यवहार करते हैं। यह ज्ञान का भंडार है जो आपको जीवन के लिए तैयार करता है।

कहीं बच्चा ओमीक्रोन पॉजिटिव तो नहीं

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में डिपार्टमेंट आफ इंटरनल मेडिसिन के प्रो. डा. संजय राय के अनुसार कोविड-१९ की दूसरी लहर डेल्टा वेरिएंट में बच्चे अत्यधिक संक्रमित हुए थे और ओमीक्रोन वेरिएंट में भी बच्चों पर ज्यादा असर देखा जा रहा है। आंकडों की मानें तो नये वेरिएंट की चपेट में बच्चे ज्यादा आ रहे हैं। बच्चों में कुछ ऐसे गंभीर लक्षण दिख रहे हैं, जिसकी वजह से उन्हें अस्पताल भर्ती कराने की नौबत आ सकती है। भारत में ओमीक्रोन के मामले बढ़े हैं। इसलिए, बच्चों में इस संक्रमण के लक्षणों को जानना सबसे महत्वपूर्ण है, जानने के बाद इसे नजरंदाज कतई नहीं करें।

हो जाएं सतर्कः

ओमिक्रोन का असर सिर्फ फेफड़ों पर ही नहीं बल्कि शरीर के और भी कई अंगों पर हो रहा है। मसलन, बच्चों में थकान, सिरदर्द, गले में खरास, बहती नाक, छींक के अलावा कुछ ऐसे भी लक्षण दिख रहे हैं, जो बडों में नहीं दिख रहे। जैसे पेट खराब होना और शरीर पर रैश का होना। हालांकि ये लक्षण रेयर हैं और कुछ बच्चों के साथ ये देखा जा रहा है। आंकडों की मानें तो बच्चों में सूखी खांसी (डॉग बार्किंग) देखी जा रही है।

ऐसा करें:

लक्षण के आधार पर तुरंत नजदीकी अस्पताल या फिर कोविड टेस्टिंग सेंटर से संपर्क करना चाहिए। यह कार्य कोविड एप के जरिए भी किया जा सकता है। बच्चों को कोरोना संक्रमण से बचाने के लिये उन्हें हेल्दी डायट देना जरूरी है। साथ ही उन्हें मास्क, सैनिटाइजर का प्रयोग करना सिखाएं।

विटामिन डी की कमी

कोविड के दुष्प्रभाव के रूप में विटामिन डी कमी से देखा जा रहा है। दरअसल, हड्डियों की सेहत से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसकी कमी मांसपेशियों को भी कमजोर बना देती है। अगर इन दिनों सामान्य से ज्यादा हेयर फॉल हो रहा है तो सजग हो जाएं। क्योंकि ये विटामिन डी की कमी का लक्षण हो सकता है। विटामिन डी की कमी के कारण हेयर फॉल होता है। विटामिन डी बालों के बढ़ने में मददगार होते हैं और उनकी जड़ों को मजबूत बनाते हैं। अगर शरीर में विटामिन डी की कमी है तो इससे हेयर हेल्थ पर असर पड़ेगा और बालों के झड़ने की समस्या हो सकती है। इसके अलावा अचानक वजन का बढ़ना भी विटामिन डी की कमी का लक्षण हो सकता है। दरअसल, विटामिन डी हमारे शरीर को नाइट्रिक ऑक्साइड देता है जो ओवरइटिंग से रोकता है और मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है। इससे वजन को नियंत्रित रखने में मदद मिलती है। विटामिन डी की कमी वजन बढ़ने का कारण बन सकती है।

■ ज्ञानप्रकाश

बसंती लड्डू

सामग्री- दो कप फ्रेश मावा, 100 ग्राम शक्कर, एक चम्मच गुलाब जल, एक बड़ा चम्मच पिस्ता कटा हुआ, चुटकी भर पीला रंग, 5-6 केसर।

विधि- सबसे पहले एक थाली में मावा को रखें। अब रखें मावा को हथेली से तब तक मसलें, जब तक मावा मुलायम न हो जाए। अब एक नॉन स्टीक पैन में मावा और शक्कर डालकर धीमी आंच पर चलाते रहे, थोड़ी देर में मिश्रण गाढ़ा होकर पैन छोड़ने लगेंगे। अब मिश्रण को ठंडा होने के लिए रख दें। अब गुलाब जल में पीला रंग, केसर मिला लें। अब ठंडे मिश्रण के छोटे छोटे बराबर भाग में गोले बनाकर गोले के बीच में केसर का टीक लगाएं और उसी जगह थोड़ा ऊंगली से दबा कर गड्ढा बनाएं और उसमें पिस्ता कतरन भर दें। बन गया मनभावन केसरिया बसंती लड्डू।

पीला फ्रूट सलाद

सामग्री- 1 सेब, एक नारंगी , 1/4 अनानास, पका पपीता 1/4, केला दो, 2-4 पीला बेर , जीरा एक चम्मच, दही दो चम्मच, मायोनीज चार चम्मच, काला नमक एक चुटकी, नींबू का रस एक चम्मच, नमक स्वादानुसार

विधि- सेब को छील कर स्लाइस काट लें। केले से छिलका निकाल दें और पतले-पतले पीस कर लें। साथ ही अनानास के भी छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। बेर काट कर दानें निकाल लें। पपीते का भी छिलका हटाकर छोटे-छोटे टुकड़े कर लें। अब गैस पर तवे रखकर तवा गरम करें फिर उस पर जीरा डालें और चलाते हुए भून लें। जब जीरा का रंग बदलकर खुशबू आने लगे, जीरा तवा से अलग कर लें। जीरा ठंडा होने के बाद इसे मिक्सर या सिल में बारीक पीस लें। अब मायोनीज को एक बड़े बाउल में लेकर अच्छी तरह फेंट लें, अब फलों के टुकड़ों को मायोनीज में डालें नमक और काला नमक नींबू का रस और दही डाल कर अच्छी तरह मिला लें। तैयार हो गया वासंती फ्रूटस् सलाद इसे एक घंटे के लिए फ्रीज में रख दें। फिर परोसें ठंडा ठंडा फ्रूटस् सलाद।

क्रीमी मशरूम

सामग्री-250 ग्राम कटा हुआ मशरूम, दो चम्मच घी, दो चम्मच दही, आधा चम्मच अदरक का रस, आधा कप क्रीम,

फ्रेश मटर, आधा चम्मच काली मिर्च पाउडर, आधा चम्मच भूना जीरा पाउडर, धनिया पत्ती दो चम्मच कटा हुआ। नमक स्वादानुसार

विधि- कड़ाही घी डालें। फिर कटा हुआ मशरूम डालकर थोड़ा धीमे आंच पर हल्का भून लें। अब मलाई, मटर और अदरक का रस डालें। थोड़ी देर चलाएं। अब एक बाउल में दही को अच्छी तरह फेंट लें। अब उसमें भूना जीरा और काली मिर्च पाउडर मिलाएं। पूरा मिश्रण धीमी आंच में पक रहा मसरूम में डालें और पकाएं। दो-चार मिनट पकने के बाद आंच बंद कर दें। सर्विंग ट्रे में डालकर धनिया पत्ती से गर्निश करें। तैयार हो गया क्रीमी मशरूम।

ब्यूटी

■ शहनाज हुसैन

फटाफट मेक-अप कामकाजी के लिए

कामकाजी औरतों को अपना मेक-अप हल्का और साधारण रखना चाहिए। याद रखें, नौकरी करने वाली औरतों को आकर्षक लगना चाहिए, साथ ही प्रोफेशनल भी नजर आना चाहिए। स्टाइल और मेक-अप दफ्तर के माहौल के अनुरूप होना चाहिए। कुछ टिप्स-

- अगर आपकी त्वचा साफ है तो फाउंडेशन ना लगाएं। क्लींजंग के बाद सनस्क्रीन लगाएं।
- उसके बाद प्रेसड (काम्पैक्ट) पावडर लगाएं। बहुत हल्का लगाएं इसे। चेहरे के तैलीय हिस्सों का ध्यान रखें।
- पावडर को चेहरे के साथ गले तक स्पंज से लगाएं। यह देर तक बना रहेगा।
- टिटेड मॉस्चराइजर या प्राइमर का प्रयोग फाउंडेशन की जगह कर सकती हैं।
- अगर फाउंडेशन लगाना ही है तो वाटर-बेस्ड लगाएं। एक-दो बूंद पानी मिलाकर हल्का सा लगायें।
- संभव हो तो फाउंडेशन त्वचा के रंग से मिलता-जुलता ही लगाएं।
- ब्लशर फाउंडेशन के बाद लगाएं। सलीके से मिलाएं। इससे बेहतर ग्लो आएगा।
- आंखों के मेक-अप के लिए आई पेंसिल लें।
- आई लाइनर लगाने में वक्त लगता है।
- फिर भी आई लाइनर ही लगाना हो तो वॉटर प्रूफ प्रयोग करें।
- पलकों को भूरे या ग्रे आई शैडो से हल्का इफेक्ट दें।
- इसके बाद मस्कारा लगाएं।

- मस्कारा दो हल्के कोट लगाएं। ताकि वह हैवी ना लगे। पलकों पर आईलैश ब्रश घुमाएं।
- इससे आंखें चमकदार तो लगेंगी पर भारी मेक-अप नहीं लगेगा।
- लिपस्टिक के लिए गहरे रंगों के चुनाव से बचें। नीलेपन वाले, मैरून व गहरे ब्राउन रंगों से बचें।
- पिंक, कॉपर, ब्रान्ज व वाइन कलर का प्रयोग करें।
- हल्के पेस्टल रंग चुनें। मॉव, पिंक प्रयोग करें।
- लिपस्टिक नॉन शाइनी मैट ज्यादा देर तक टिकती है।

विशेष- कुछ चीजें अपने बैग में जरूर रखें। ताकि टच-अप कर सकें। वेट टिसु का छोटा डब्बा जरूर रखें। स्किन को साफ करने के लिए इसका प्रयोग करें। चेहरे की चिकनाई व पसीना इससे साफ करें। छोटा काम्पैक्ट पावडर भी रखें। जो आपके चेहरे के चिकनेपन को ठीक करेगा। पहले चेहरे को टिसु से पोंछें, फिर पावडर लगाएं। लंच के बाद लिपस्टिक जरूर फिर से लगाएं। पहले होठों पर हल्का पावडर लगाएं, फिर लिपस्टिक लगाएं

सप्ताह में भौंओं को ठीक कराएं। क्लीनिंग बहुत जरूरी है। ट्रैफिक और पॉल्यूशन से रोजाना जूझने के कारण हफ्ते में त्वचा को साफ करें। रोजाना रात में, बिस्तर पर जाने से पहले मेक-अप ढंग से निकालें। पसीना और तैलीयता, धूल-पॉल्यूशन के कण जरूर निकालें। ■

बुलंदशहर में बोले शाह- आज जैसी कानून व्यवस्था अखिलेश के बस की नहीं थी बात

बुलंदशहर। केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को अनूपशहर में कहा कि इस बार दो तिहाई बहुमत के साथ भाजपा की सरकार बनेगी। हमने कहा था कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को माफिया से मुक्त कराएंगे और जो कहा था वो कर दिखाया। आज पूरे उत्तर प्रदेश में किसी भी माफिया की हिम्मत नहीं इस कुछ गलत कर सके। मां-बहनें पूरी तरह सुरक्षित हैं। पांच साल में भाजपा शासन में माफिया का पलायन हो गया है। माफिया की दो ही जगह है या तो यूपी से बाहर या जेल में। माफिया को भगाने का काम हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी जी ने कर-के दिखाया।

'सपा सरकार में एक ही जाति के लोगों को मिलते थे पट्टे'- उन्होंने कहा कि सपा सरकार में एक ही जाति के लोगों को पट्टे मिलते थे। उनके चहेतों के यहां रेड में करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। वह पैसा सपा के गुंडों का था। भाजपा ने उत्तर प्रदेश को बदलने का काम किया है। मोदी जी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया है। उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनती है तो मोदी जी के हाथ मजबूत होंगे।

'मोदी जी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया'- अमित शाह ने सवाल किया अनूपशहर वाले बताओ क्या अनुच्छेद 370 हटने की कल्पना किसी ने की थी। मोदी जी के निर्देशन में पांच अगस्त 2019 को अनुच्छेद 370 35ए को हटा दिया गया। जब अनुच्छेद 370 पर बहस हो रही थी सपा-बसपा कांग्रेस विरोध कर रहे थे, अखिलेश बाबू खून की नदियां बहाने की बात कर रहे थे। खून की नदियां तो दूर कंकड़ मारने की हिम्मत भी कोई नहीं कर पाया। आज कश्मीर भारत माता का अभिन्न हिस्सा है। जब कांग्रेस सपा बसपा की सरकार थी तो पाकिस्तान से आतंकवादी आते थे, सैनिकों के सिर काट कर ले जाते थे। आज किसी आतंकवादी की हिम्मत नहीं। पुलवामा में हमले का जवाब मोदी जी ने सर्जिकल स्ट्राइक कर पाकिस्तान के घर में घुसकर आतंकवादियों का सफाया कर दिया। मोदी जी ने देश को सुरक्षित करने का काम किया है। मोदी जी उत्तर प्रदेश को विकसित राज्य बनाने के पक्षधर हैं। पांच एक्सप्रेस-वे मोदी जी ने बनाने का काम किया, 14000 सड़कों का चौड़ीकरण किया। महानगरों में मेट्रो चलाने का काम किया। 7000 किलोमीटर ग्रामीण क्षेत्रों में सड़कें बनाई। कई नगरों को स्मार्ट सिटी बनाया गया। पांच साल में योगी जी ने अभूतपूर्व काम किया एक मौका योगी जी को और दो। अगले पांच साल में उत्तर प्रदेश देश का नंबर वन राज्य बन जाएगा।

मायावती और अखिलेश यादव से किया सवाल- केन्द्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बहनजी तथा अखिलेश बाबू से पूछना चाहता हूं माफियाओं को सिर पर चढ़ा रखा था। किसने आजम खान को अपनी गोदी में बैठा रखा था। आज यह सब कहां हैं। बीच में सपा-बसपा ने 10 साल तक सोनिया-मनमोहन की सरकार का समर्थन किया था। 2004 से 2014 तक कांग्रेस की सरकार चली उसका समर्थन सपा-बसपा ने किया था। आज कांग्रेस से पूछना चाहता हूं सपा-बसपा ने प्रदेश को क्या दिया। प्रदेश को 66 हजार करोड़ का कर्ज दिया था।

'कल्याण सिंह ने हंसते-हंसते किया सीएम की कुर्सी का त्याग'- बाबू कल्याण सिंह जी को भाजपा ने पदम विभूषण से सम्मानित किया है, यह मोदी जी की सरकार की देन है। बाबूजी ने हंसते-हंसते अपनी सीएम की कुर्सी का त्याग कर दिया था श्रीराम मंदिर की खातिर। शाह ने कहा, सपा ने कारसेवकों पर गोली चला कर राम भक्तों की हत्या की थी। अब नरेन्द्र मोदी का शासन है, देखते-देखते आसमान को छूने वाला श्रीराम मंदिर अयोध्या में बन रहा है।

एलएमएल कंपनी के छंटनी शुदा श्रमिकों को बकाये वेतन, भत्ते व अन्य लाभों के भुगतान का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कानपुर की लोहिया मशीन (एलएमएल) कंपनी के छंटनी शुदा श्रमिकों को लाक आउट हटने से कंपनी बंद होने तक बकाये वेतन, भत्ते व अन्य लाभों का भुगतान पाने के औद्योगिक न्यायाधिकरण के अवार्ड को सही करार दिया है और कहा है कि जिन श्रमिकों को नौकरी नहीं दी गई,और मुआवजा देकर हटा दिया गया था, सभी को मिले मुआवजे का समायोजन करते हुए बकाये के भुगतान करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति जयंत बनर्जी ने एलएमएल लिमिटेड कंपनी की याचिका पर दिया है जिसके तहत न्यायाधिकरण के अवार्ड को चुनौती दी गई थी। उल्लेखनीय है कि वेस्पा स्कूटर बनाने वाली कंपनी 1990 से लोगों में मोटरसाइकिल की रूचि बढ़ने से घाटे में आ गई। 2005 के बाद कंपनी को सिक घोषित कर बीआइएफआर को संदर्भित किया गया जहां पर पुनर्जीवित करने की पहल शुरू की गई। 27 फरवरी 2006 से मजदूरों ने हड़ताल शुरू कर दी तो लॉक आउट घोषित कर दिया गया। इसके बाद अपर श्रमायुक्त

के समक्ष कंपनी व एल एम एल मजदूर एकता संगठन के बीच 13अप्रैल 2007को समझौता हुआ। इसके बाद केवल 743श्रमिको को ही नौकरी दी गयी।जब कि 2800श्रमिको को नौकरी पर वापस लेने का समझौता हुआ था।शेष को मुआवजा देकर हटा दिया गया।एल एम एल मजदूर यूनियन अन्य संगठन ने याचिका दायर कर समझौते को रद करने की मांग की। हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। 21मई 2008 को औद्योगिक न्यायाधिकरण को रिफरेंस भेजा गया जिसमें सवाल था कि क्या 15 अप्रैल 2007 की छंटनी आदेश वैध है और प्रभावित श्रमिक मुआवजा पाने के हकदार हैं। अधिकरण ने श्रमिकों के पक्ष में अवार्ड दिया। जिसे हाईकोर्ट ने सही माना है। कंपनी की समापन प्रक्रिया चल रही है। कंपनी महा समापक के नियंत्रण में है। छंटनी शुदा श्रमिकों को अभी तक 50 फीसदी मुआवजे का ही भुगतान किया गया है। कोर्ट ने कहा कि 2016 में कंपनी रिकार्ड के अनुसार 6337 श्रमिक थे। बहुत कम लोगों को नौकरी पर वापस लिया गया। ऐसे छंटनी शुदा श्रमिकों को बड़ी राहत मिली है।

प्रियंका वाड्रा ने बुलंदशहर में किया जनसंपर्क कहीं बच्चों तो कहीं महिलाओं से मिलाया हाथ

बुलंदशहर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका वाड्रा ने सिकंदराबाद विधानसभा क्षेत्र में पार्टी प्रत्याशी के लिए डोर टू डोर जनसंपर्क कर वोट मांगे। सिकंदराबाद के मोहल्ला अंसारियां में उनका कांग्रेस समर्थकों ने स्वागत किया। यहां से पैदल ही प्रियंका वाड्रा डोर टू डोर मतदाताओं से कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए आगे बढ़ती चली गईं। उनसे कहीं बच्चों तो कहीं महिलाओं से हाथ मिलाया। कांग्रेस के हाथ मजबूत करने के लिए महिलाओं को आगे आने का आह्वान किया। सिकंदराबाद माधव दास सराय, भजन नगर पालिका रोड के बाद प्रियंका ने फिर रूट चेंज किया इसके बाद वह गैस गोदाम वाली गली में होते हुए पुरानी जीटी रोड पर जनसंपर्क किया।

बुलंदशहर नगर से काफिला नहीं निकाला- उधर सिकंदराबाद में जनसंपर्क के बाद प्रियंका अनूपशहर विधानसभा क्षेत्र के जहांगीराबाद की ओर रवाना हुईं। इस दौरान बुलंदशहर विधानसभा सीट से प्रत्याशी कांग्रेस उम्मीदवार सुशील चौधरी ने उनसे गुजारिश की कि वह अपना काफिला नगर में होकर निकाले लेकिन उन्होंने रूट के अनुसार ही जहांगीराबाद जाने की बात कही।

लखनऊ में सरोजनीनगर से भाजपा प्रत्याशी राजेश्वर सिंह ने किया नामांकन

लखनऊ। पुलिस सेवा में 11 वर्ष का कार्यकाल शेष रहने से पहले स्वैच्छि सेवानिवृति लेकर राजनीति के मैदान में उतरे राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को लखनऊ में भाजपा प्रत्याशी के रूप में सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। उनके नामांकन में केन्द्र सरकार के मंत्री कौशल किशोर, उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा और उत्तर प्रदेश के मंत्री डा महेन्द्र सिंह के साथ परिवार के लोग मौजूद थे।

लखनऊ कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद राजेश्वर सिंह ने कहा कि हमें सामाजिक जीवन के आदर्शों को सर्वोपरि जानकर परिवारवाद, जातिवाद और समाज विध्वंस की घृणित राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रनिर्माण और जनसेवा की मर्यादित राजनीति का ही परचम लहराना है। उन्होंने कहा कि सरोजनी नगर विधानसभा क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी के रूप में उप मुख्यमंत्री डा दिनेश शर्मा, केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर तथा योगी आदित्यनाथ सरकार के कैबिनेट मंत्री महेन्द्र सिंह के साथ आज नामांकन पत्र दाखिल किया।

इससे पहले हमने श्रद्धा के केंद्र हनुमान सेतु मंदिर पर हनुमान जी, दुर्गा माँ और गणेश जी की आराधना कर नामांकन दाखिल करने के लिए आशीर्वाद लिया। परमात्मा मुझे उत्कृष्ट रूप में जनसेवा करने की शक्ति प्रदान करें। राजेश्वर सिंह ने इससे पहले सीएम योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। भारतीय जनता पार्टी ने प्रवर्तन निदेशालय में संयुक्त निदेशक रहे राजेश्वर सिंह को भारतीय जनता पार्टी ने लखनऊ के सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया है। राजेश्वर सिंह मंगलवार को नई दिल्ली में अपने विभाग से विदाई लेने के बाद रात में आगरा पहुंचे। आगरा में उनकी मां फिलहाल निवास कर रही हैं। राजेश्वर सिंह ने बुधवार सुबह अपनी मां का आशीर्वाद लिया। बड़े भाई के साथ आगरा पहुंचे राजेश्वर सिंह मां का आशीर्वाद लेकर कर्मक्षेत्र लखनऊ के सरोजनीनगर की ओर अग्रसर हुए। मां का आशीर्वाद लेने के बाद लखनऊ पहुंचे राजेश्वर सिंह ने मंत्री स्वाती सिंह से भेंट की। भाजपा ने राजेश्वर सिंह को स्वाती सिंह के स्थान पर सरोजनीनगर सीट से प्रत्याशी बनाया है। लखनऊ पहुंचने के बाद बुधवार को राजेश्वर सिंह सबसे पहले मंत्री स्वाती सिंह से मिले।

बुलंदशहर में सड़क हादसा जिला पंचायत सदस्य की मौत

बुलंदशहर। दानपुर क्षेत्र से चुनाव का प्रचार कर घर लौट रहे कार सवारों को अज्ञात वाहन ने कार में टक्कर मार दी। इसमें सवार तीन लोग गम्भीर रूप से घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय घायल वार्ड 43 से जिला पंचायत सदस्य की मौत हो गई। बुधवार की देर रात जिला पंचायत सदस्य राघवेंद्र सिंह उर्फ बबुआ भय्या गठबंधन प्रत्याशी का प्रचार कर दो अन्य साथियों के साथ घर लौट रहे थे। चौकी दौलतपुर छेत्र के भीमपुर दोराहे पर कार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे के बाद आरोपित चालक वाहन लेकर फरार हो गया। कार में टक्कर लगते ही चीख पुकार मच गई। राहगीरों ने घायलों को कार से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने तीनों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल भर्ती कराया। यहां से चिकित्सकों ने उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। बताया गया कि रास्ते मे जिला पंचायत सदस्य राघवेन्द्र सिंह उर्फ बबुआ सिंह की मौत हो गई। बबुआ सिंह

प्रोपर्टी खरीदने और बेचने का काम भी करते थे। वह वार्ड नं 43 से इस बार जिला पंचायत का चुनाव जीते थे। हादसे से क्षेत्र में शोक का माहौल है। शोकाकुल परिवार को सांत्वना देने के लिए मृतक के घर पर लोगों का तांता लगा है।

प्रधानमंत्री मोदी के फौजी वर्दी पहनने पर पीएमओ को नोटिस, दो मार्च को सुनवाई

प्रयागराज। जिला अदालत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दाखिल निगरानी याचिका पर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को नोटिस जारी किया है। साथ ही मामले की सुनवाई के लिए दो मार्च की तिथि निर्धारित की है। जिला जज नलिन कुमार श्रीवास्तव ने अधिवक्ता राकेश नाथ पांडेय की ओर से पेश निगरानी याचिका पर बहस को सुनने के बाद यह आदेश दिया है। प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ राकेश नाथ पांडेय ने प्रार्थना पत्र पेश कर मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी किए जाने की मांग की है। अर्जी में आरोप लगाया गया है कि चार नवंबर 2021 को जम्मू-कश्मीर के नौशेरा में प्रधानमंत्री ने भारतीय सेना की वर्दी पहनी थी। यह धारा 140 भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत दंडनीय अपराध है। इसलिए प्रधानमंत्री के खिलाफ केस लिखा जाना चाहिए। इससे पहले मामले में 21 दिसंबर, 2021 को प्रार्थना पत्र की सुनवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरेंद्र नाथ ने की थी।

समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग से की सीएम योगी की शिकायत, तीखी भाषा के प्रयोग का आरोप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों के बीच में गहमा गहमी के बाद अब मामला निर्वाचन आयोग तक पहुंच गया है। समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग के पास एक शिकायती पत्र भेजा है। इस पत्र में समाजवादी पार्टी ने प्रचार के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर बेहद तीखी भाषा प्रयोग करने का गंभीर आरोप लगाया है। समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा है। पत्र में समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ प्रचार के दौरान तीखी भाषा का प्रयोग करने का आरोप जड़ा है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी ने योगी आदित्यनाथ की भाषा की निंदा करते हुए निर्वाचन आयोग से उनको निर्देश देने की मांग की है। निर्वाचन आयोग को भेजे गए पत्र में पार्टी ने अनुरोध किया है कि आयोग सीएम योगी आदित्यनाथ को आदर्श आचार संहिता के अनुसार भाषा का इस्तेमाल करने का निर्देश दें। सपा ने चुनाव आयोग से मांग की कि यूपी में स्वतंत्र, निर्भीक और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा के मुख्यमंत्री को

पद की गरिमा के अनुरूप संयमित, मर्यादित और आदर्श आचार संहिता के अनुकूल भाषा के इस्तेमाल के लिए निर्देश जारी करें। समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन आयोग को जो पत्र भेजा है, उसमें लिखा गया है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में सत्तापक्ष से सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष के खिलाफ जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे है, वो मर्यादित, संयत और भद्र भाषा की श्रेणी में नहीं आता है। हमारे लोकतंत्र में इस तरह की भाषा का कोई औचित्य नहीं है। सपा ने शिकायत की है कि अभी आगरा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने दस मार्च के बाद बुल्डोजर चलने की धमकी दी। इसके साथ ही वो लगातार समाजावादी पार्टी के नेतृत्व को गुंडा, मवाली और माफिया बता रहे हैं। समाजवादी पार्टी ने मुख्यमंत्री के लाल टोपी और गर्मी वाले बयान का भी जिक्र किया है। पत्र में लिखा गया है कि सीएम योगी आदित्यनाथ अपनी सभाओं में कह रहे हैं कि लाल टोपी मतलब दंगाई। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये जो गर्मी दिखाई दे रही है, ये सब शांत हो जाएगी। ये कैसे शांत होगी, मैं सब जानता हूं। मुख्यमंत्री तो प्रदेश में अलोकतांत्रिक और लगातार धमकी देने वाली भाषा बोल रहे हैं।

अखिलेश व जयंत के रोड शो में उमड़ा हुजूम

बागपत। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह ने बुधवार को रमाला से खेकड़ा तक जनसंपर्क किया। रास्ते में दोनों के स्वागत के लिए हुजूम उमड़ पड़ा। पांच घंटे देरी से पहुंचने के बाद भी समर्थक नेशनल हाईवे किनारे डटे रहे। किसी भी जगह अखिलेश व जयंत ने संबोधन नहीं किया। बस के अंदर से लोगों का अभिवादन करके आगे बढ़ते रहे। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव और रालोद अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह को जनसंपर्क के लिए शामली से छपरौली विधानसभा क्षेत्र के रमाला से जिले में दोपहर एक बजे प्रवेश करना था। इसके लिए सुबह से भीड़ जुटना शुरू हो गई थी। मगर, दोनों नेताओं का विजय रथ करीब छह बजे ककड़ीपुर पहुंचा। कार्यकताओं और लोगों ने उनका स्वागत किया। इसके बाद रमाला, किशनपुर बराल, टोल प्लाजा, बावली में जनसंपर्क करते हुए अखिलेश यादव व जयंत चौधरी का रथ बड़ौत पहुंचा। बड़ौत से करीब एक घंटे में उनका विजय यात्रा रथ आगे रवाना हुआ।

मुलायम सिंह यादव की कर्मभूमि पर ताल ठोंक रही सूरमाओं की फौज

मैनपुरी। करहल से पहलीबार सपा मुखिया अखिलेश यादव मैदान में हैं। जिनके मुकाबले भाजपा ने केंद्रीय राज्यमंत्री और आगरा के सांसद प्रो. एसपी सिंह बघेल को खड़ा किया है देश और प्रदेश का मौसम भले ही सर्द है, लेकिन चुनावी तापमान बढ़ा हुआ है। मैनपुरी एक फिर सुर्खियों में। कारण मुलायम की कर्मभूमि पर सूरमाओं की फौज चुनावी दंगल में ताल ठोक रही है। पूर्व मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, आबकारी मंत्री, दो पूर्व मंत्री और एक दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री चुनाव में उतरे हैं। बात करहल विधानसभा सीट की करें तो इस सीट से पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में हैं। उनके सामने भाजपा ने केंद्रीय राज्यमंत्री एसपी सिंह बघेल को बिना टिकट दिए जाने की घोषणा के ही मैदान में उतार दिया है। इस सीट पर पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के आमने-सामने होने से मुकाबला दिलचस्प हो गया है। सदर सीट पर भी मुकाबला रोचक होगा। यहां सपा से जहां राजकुमार यादव ताल ठोक रहे हैं, वहीं भाजपा ने पूर्व मंत्री जयवीर सिंह को चुनावी मैदान में उतारा है। दोनों ही नेता जीत के लिए जोर-आजमाइश कर रहे हैं।

भोगांव में आबकारी मंत्री मैदान में- भोगांव विधानसभा सीट पर भी प्रदेशभर की नजर है। जिले की इस सीट पर भाजपा ने प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री और मौजूदा विधायक रामनरेश अग्निहोत्री को चुनाव मैदान में उतारा हैं तो वहीं सपा ने तीन बार विधायक रहे एवं पूर्व दर्जा राज्यमंत्री आलोक शाक्य को टिकट दी है। दोनों के बीच कांटे की टक्कर मानी जा रही है।

एसपी सिंह बघेल, मुलायम सिंह यादव, अखिलेश यादवकिशनी में दर्जा राज्यमंत्री हैं कमल के सिपहसालार- किशनी विधानसभा सीट भी वीआईपी से कम नहीं है। इस सीट पर भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री (उत्तर प्रदेश बाल संरक्षण आयोग के सदस्य) डॉ. प्रियरंजन ह्यआशू दिवाकरह्न मैदान में हैं। उनकी टक्कर सपा के वर्तमान विधायक बृजेश कठेरिया से है।

पूर्व मंत्री आजम खान के मामले में टली सुनवाई, पक्ष रखने के लिए नहीं पहुंचे अधिवक्ता

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने पूर्व कैबिनेट मंत्री आजम खान की जमानत अर्जी को निरस्त कराने के मामले में सुनवाई टाल दी है। कोर्ट ने सुनवाई के लिए बुधवार का दिन तय किया था, लेकिन उनकी ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित न होने के कारण सुनवाई टाल दी और इसके लिए 21 फरवरी की तिथि निर्धारित कर दी। मामले में सरकारी अधिवक्ता ने कोर्ट को जानकारी दी कि पूर्व कैबिनेट मंत्री सीतापुर जेल में बंद हैं। यूपी सरकार की ओर से दाखिल जमानत निरस्त कराने की अर्जी की जानकारी सीतापुर जेल अधीक्षक के जरिए विपक्षी पक्ष पूर्व कैबिनेट मंत्री तक पहुंचा दी गई है। इसके बावजूद विपक्षी पक्ष के अधिवक्ता उपस्थित नहीं हो सके। कोर्ट ने एक बार फिर विपक्षी पक्ष को सूचना देने का आदेश दिया। जिससे कि वह अपना पक्ष रखने के लिए अपने अधिवक्ता को भेज सकें, अन्यथा उनका पक्ष रखने के लिए न्याय मित्र की तैनाती की जाएगी। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 21 फरवरी की तिथि निर्धारित की है।

तीन अवैध तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ तीन शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

मधुबन, मऊ। स्थानीय थाना क्षेत्र के सारंगपुर-नुरूल्लाहपुर बंधा मार्ग के पर मंगलवार की देर सायं मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने तीन संदिग्ध युवकों को

गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उनके पास से तीन अदद तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ। वहीं पुलिस को देख एक भागने में सफल रहा। अवैध तमंचे की बिक्री करने के लिए तीनों कहीं जाने के लिए निकले थे। तभी पुलिस के हत्थे चढ़ गए। पुलिस ने तीनों सम्बंधित धारा में मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। बताते चलें कि मंगलवार की सायं साढ़े छह बजे पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि सारंगपुर-नुरूल्लाहपुर बंधा मार्ग से होकर चार संदिग्ध युवक अवैध तमंचा लेकर कहीं जा रहे हैं। मुखबिर की सूचना पर उप निरीक्षक अजय कुमार सिंह हमराही पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंच गए। पुलिस टीम को देख इनमें से एक भागने में सफल रहा। तीन को पुलिस ने पकड़ कर तलाशी ली। तीनों के पास से तीन अदद तमंचा व तीन जिंदा कारतूस बरामद हुआ। पकड़े गए युवकों की पहचान दोहरीघाट थाना क्षेत्र के जमुनीपुर निवासी रामसुन्दर उर्फ गोलू, राकेश चैहान व चन्द्राबारी निवासी उमेश चैहान के रूप में हुई। पुलिस ने पकड़े गए युवकों से पूछताछ में भागने में सफल रहे चैथे व्यक्ति की गिरफ्तारी की कवायद में जुट गई है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ सम्बंधित धारा में केस दर्ज कर जेल भेज दिया।

पूर्व कैबिनेट मंत्री का प्रथम आगमन प्रशासन के लिए बना जी का जंजाल

घोसी, मऊ। समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशी पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चैहान के घोसी विधान सभा क्षेत्र में प्रथम आगमन प्रशासन के जी का जंजाल बन गया। बुधवार को पूर्व केबिनेट मंत्री दारा सिंह चैहान का काफिला ज्यो ही मुहम्मदाबाद गोहना होते हुए घोसी विधान सभा मे आ रहा था ज्यो ही घोसी कोतवाली बार्डर (सिया बस्ती) के पास पहुँचा उपजिलाधिकारी सुरेश कुमार व क्षेत्राधिकारी घोसी राजीव प्रताप सिंह ने वाहनों के लंबे काफिले पर एतराज जताते हुए कोविड प्रोटोकाल व आदर्श चुनाव आचार संहिता का अनुपालन न करने की बात कही और केवल पांच वाहनों के जाने की अनुमति दी। किसी तरह वहां से पूर्व मंत्री श्री चैहान का काफिला आगे बढ़ा लेकिन बलुआ पोखरा आते आते एक बार फिर वाहनों की लंबी कतार लग गयी जिसपर प्रशासन ने फिर आपत्ति जताई और काफिले को रोक दिया। जिसे लेकर प्रशासनिक अधिकारियों व सपा कार्यकताओं में तीखी नोक झोंक भी हुई और पांच पांच गाड़ियों को ही एक बार गुजरने की अनुमति दी लेकिन कार्यकर्ताओ व समर्थकों के जोश के आगे प्रशासन का दिशा निर्देश धारा शाही हुआ। इस सम्बंध में क्षेत्राधिकारी राजीव प्रताप सिंह ने मीडिया कर्मियों से बात करते हुए बताया कि सपा उम्मीदवार द्वारा कोविड प्रोटोकॉल व आदर्श चुनाव आचार संहिता के नियमो का उल्लंघन करते हुए जुलूस निकाला गया है। प्राप्त वीडियो फुटेज की जांच की जा रही है। जांचोपरांत सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया जायेगा।

साइबर क्राइम से बचने की दी गई जानकारी

मऊ। बुधवार को माह के प्रथम बुधवार को साइबर अपराध जागरूकता परिपेक्ष्य के क्रम ज्वाईन्ट मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता व क्षेत्राधिकारी साइबर के निर्देशन में ब्लाक कोपागंज में साइबर अपराध जागरूकता अभियान के तहत एक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें प्रभारी साइबर सेल उ0नि0 अजय कुमार त्रिपाठी व आरक्षी शैलेन्द्र कुमार कन्नौजिया और ब्लाक कोपागंज के अधिकारियों, कर्मचारियों ने भाग लिया। थाना कोपागंज क्षेत्र अर्न्तगत डाडीचट्टी पर साइबर अपराध जागरूकता अभियान के तहत एक नुक्कड़ सभा आयोजन किया गया। जिसमें प्रभारी साइबर सेल उ0नि0 अजय कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में स्थानीय लोगो ने प्रतिभाग किया। जागरूकता अभियान में जानकारी दी गयी कि लाटरी, लकी ड्रा, कैश बैक, रिवार्ड प्वाइंट, सस्ते लोन, नौकरी लगवाना, मोबाइल टॉवर, शादी आदि के बारे में कोई भी कॉल, मैसेज या विज्ञापन पर भरोसा न करें और न ही किसी खाते या ई-वालेट में रूपया जमा करें। ई-मेल के जरिए कोई भी व्यक्ति लाटरी या अपनी सम्पत्ति दान करने की बात करें तो उस पर भरोसा न करें। ओएलएक्स पर कुछ भी बेचने या खरीदने में सावधानी बरते। किसी भी लिंक पर क्लिक न करें। रुपए प्राप्त करने के लिए किसी भी लिंक

पर क्लिक करने के लिए आवश्यकता नही होती। सामान प्राप्त होने पर ही भुगतान करें। साइबर अपराध होने पर राष्ट्रीय हेल्प लाइन नम्बर 155260/ 112 पर तत्काल सूचना दर्ज करें।

भारतीय टीम पर कोरोना का साया

धवन, ऋतुराज व श्रेयस अय्यर के संक्रमित होने की खबर, अहमदाबाद पहुंची विंडीज की टीम

अहमदाबाद (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ छह मैचों की सफेद गेंद श्रृंखला से पहले भारतीय टीम के लगभग पांच से छह सदस्यों के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की जानकारी सामने आई है। भारतीय टीम श्रृंखला की तैयारी के लिए फिलहाल अहमदाबाद में आईसोलेशन में है। इस पर हालांकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) का औपचारिक बयान आना बाकी है। इस बारे में तत्काल कोई जानकारी नहीं है कि वे सदस्य कौन हैं, जो कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं, लेकिन समझा जाता है कि इसमें खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के सदस्य दोनों शामिल हो सकते हैं।

रिपोर्ट के अनुसार सलामी बल्लेबाज शिखर धवन, बैकअप ओपनर रितुराज गायकवाड और मध्य क्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। बाकी खिलाड़ियों के नाम की अभी पुष्टि नहीं हुई है। माना जा रहा है कि इससे सीरीज रीशेड्यूल हो सकती है। इससे पहले भारत के खिलाफ वनडे और टी-20 सीरीज खेलने के लिए वेस्टइंडीज की टीम अहमदाबाद पहुंच चुकी है। कीरोन पोलार्ड की अगुवाई वाली वेस्टइंडीज टीम अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलेगी। इसके बाद कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में तीन टी-20 मैच की सीरीज खेली जाएगी। वनडे सीरीज के किसी भी मैच में दर्शकों को मैदान में आने की अनुमति नहीं होगी। कोरोना संक्रमण के खतरे को ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया गया है। विंडीज क्रिकेट के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने जानकारी देते हुए लिखा बारबाडोस से दो दिनों की लंबी यात्रा के बाद वेस्टइंडीज टीम भारत पहुंच गई है। एक अन्य ट्वीट में लिखा था, हम सुरक्षित अहमदाबाद पहुंच गए। यहां वेस्टइंडीज को तीन वनडे खेलने हैं जो छह फरवरी से शुरू होंगे। वहीं गुजरात क्रिकेट संघ ने मंगलवार को जानकारी दी थी कि भारत और वेस्टइंडीज के बीच आगामी तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज बंद दरवाजों के पीछे खेली जाएगी। गुजरात क्रिकेट एसोसिएशन के आधिकारिक हैंडल ने ट्वीट किया, मौजूदा स्थिति को देखते हुए सभी मैच बंद दरवाजों के पीछे खेले जाएंगे। हम वेस्टइंडीज के भारत दौरे पर वनडे सीरीज 2022 की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। छह फरवरी को पहला वनडे एक बहुत ही खास और ऐतिहासिक मैच होगा क्योंकि भारत अपना 1000वां वनडे खेलेगा। भारतीय टीम यह उपलब्धि हासिल करने वाली दुनिया की पहली क्रिकेट टीम होगी।

भारत के खिलाफ तीन वनडे और तीन टी-20 खेलेगा वेस्टइंडीज

वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलेगी। पहले छह से 11 फरवरी तक वनडे मैच खेले जाएंगे। इसके बाद 16 से 20 फरवरी के बीच तीन टी-20 मैच खेले जाएंगे। वनडे सीरीज के सभी मैच अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में होंगे। वहीं टी-20 सीरीज के सभी मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में होंगे।

मैं वनडे सीरीज शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता: रोहित

पूर्णकालिक कप्तान के तौर पर पहली सीरीज के लिए भारतीय टीम के कप्तान कप्तान रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। सीमित ओवरों के नियमित कप्तान रोहित शर्मा की चोट के कारण ढाई महीने बाद वापसी कर रहे हैं। वह वेस्टइंडीज के खिलाफ दोनों सीरीज में कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। दक्षिण अफ्रीका का दौरा मिस करने के बाद रोहित बतौर कप्तान खेलने के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा करते हुए सीरीज को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की है। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा करते हुए रोहित शर्मा ने लिखा, शुरू होने का इंतजार नहीं कर सकता। वेस्टइंडीज के खिलाफ कप्तान रोहित शर्मा का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है और एक बार फिर वह अपने प्रदर्शन को दोहराने उतरेंगे। कप्तानी की जिम्मेदारी आने के बाद वे और भी ज्यादा खतरनाक होंगे। ऐसे में कैरेबियाई टीम को उनसे बचना होगा। रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के खिलाफ 33 मैचों में 3 शतक और 11 अर्धशतकों के साथ 1523 रन बनाने में सफल हुए हैं। इससे भी ज्यादा वेस्टइंडीज के लिए परेशान करने वाली बात ये है कि वे तीन बार 200 से ज्यादा रन की साझेदारी वनडे क्रिकेट में कैरेबियाई टीम के खिलाफ कर चुके हैं। उन्होंने एक बार केएल राहुल, एक बार विराट कोहली और एक बार अंबाती रायुडू के साथ 200-200 रन से ज्यादा की साझेदारी की है।

आईपीएल नीलामी में शामिल होंगे श्रीसंत

सोशल मीडिया पर खुशी जाहिर की

मुंबई। आईपीएल-15 से पहले 12 और 13 फरवरी को खिलाड़ियों की नीलामी होगी। बेंगलुरू में होने वाली इस नीलामी में 590 खिलाड़ियों पर बोली लगेगी।

इस लिस्ट में 2013 में आखिरी बार आईपीएल खेलने वाले भारतीय तेज गेंदबाज एस श्रीसंत का भी नाम है। उनका बेस प्राइज 50 लाख रुपए हैं, यानी कोई भी टीम उन्हें खरीदना चाहती है तो उसे कम से कम 50 लाख रुपए खर्च करने पड़ेंगे। श्रीसंत ने पिछले साल भी नीलामी में अपना नाम दिया था, लेकिन उन्हें शॉर्टलिस्ट नहीं किया गया। इस बार फ्रेंचाइजी ने उन्हें शॉर्टलिस्ट किया है। इस बार अंतिम सूची में अपना नाम आने के बाद श्रीसंत ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने लिखा, आप सभी को प्यार, आप सभी का शुक्रिया अदा नहीं कर सकता। बहुत- बहुत धन्यवाद, हमेशा आप में से सभी के लिए आभारी रहूंगा। कृपया मुझे अंतिम नीलामी के लिए अपनी प्रार्थनाओं में रखें। ओम नमः शिवाय। स्पॉट फिक्सिंग के आरोप

की वजह से श्रीसंत करीब 8 साल तक क्रिकेट के मैदान से दूर थे। वह आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के अलावा पंजाब किंग्स और टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी कोच्चि टस्कर्स केरला के लिए भी खेल चुके हैं। 38 साल के श्रीसंत ने 44 आईपीएल मैच खेले हैं, जिसमें उनके नाम 40 विकेट हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 29 रन देकर 3 विकेट है। उन्होंने भारत के लिए भी 27 टेस्ट, 53 वनडे और 10 टी20 खेले हैं। वे 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा था।

टी-20 रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंचे केएल राहुल

भुवनेश्वर कुमार 20वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय गेंदबाज

दुबई। भारत के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल बुधवार को जारी आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान के फायदे से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्हें डेविड मलान के नुकसान का फायदा मिला है। पाकिस्तान के बाबर आजम पहले नंबर पर हैं। पूर्व कप्तान विराट कोहली और सीमित ओवरों की टीम के नए कप्तान रोहित शर्मा क्रमशः 10वें और 11वें स्थान पर बने हुए हैं। गेंदबाजी रैंकिंग में तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 20वें स्थान के साथ शीर्ष भारतीय हैं। उन्हें एक स्थान का नुकसान हुआ है।

जसप्रीत बुमराह दो स्थान के नुकसान से 26वें पायदान पर हैं। ऑलराउंडर की सूची में किसी भारतीय को जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम ने नवंबर में आखिरी टी20 मैच खेला था। ब्रिजटाउन में इंग्लैंड खिलाफ पांचवें और निर्णायक मैच में वेस्टइंडीज की 17 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने बायें हाथ के स्पिनर अकील हुसैन और तेज गेंदबाज जेसन होल्डर ने करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग हासिल की है। अकील 15 स्थान की छलांग के साथ 18वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अंतिम मैच में 30 रन देकर चार विकेट सहित तीन मैच में छह विकेट चटकाए। अंतिम मैच में चार गेंद में चार विकेट सहित 27 रन पर पांच विकेट चटकाने वाले होल्डर 23वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंने तीन मैच में नौ विकेट हासिल किए। इंग्लैंड के स्पिनर मोईन अली तीन स्थान आगे बढ़कर 32वें जबकि लियाम

लिविंगस्टोन 33 स्थान की लंबी छलांग के साथ 68वें पायदान पर पहुंच गए हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में निकोलस पूरन आठ स्थान के फायदे से 18वें स्थान पर हैं। उन्होंने तीन मैच में 113 रन बनाए, जिसमें 70 रन की पारी भी शामिल है।

24 साल बाद फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

अंडर- 19 विश्व कप: डकवर्थ लुईस नियम के तहत अफगानिस्तान को 15 रन से हराया

नॉर्थ साउंड। जॉर्ज थॉमस (50), जॉर्ज बेल (नाबाद 56) और एलेक्स हॉर्टन (नाबाद 53) के शानदार अर्धशतकों तथा लेग स्पिनर रेहान अहमद (41 रन पर चार विकेट) की घातक गेंदबाजी से इंग्लैंड पहले सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को डकवर्थ लुईस नियम के तहत 15 रन से हराकर अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में पहुंच गया है।

इसी के साथ अफगानिस्तान का पहली बार आईसीसी वर्ल्ड कप के फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। इंग्लैंड की टीम 24 साल बाद अंडर-19 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। मंगलवार को खेले गए सेमीफाइनल में बारिश के कारण मैच 47-47 ओवर का करना पड़ा था।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 47 ओवर में 6 विकेट पर 231 रन बनाए थे, इसके जवाब में अफगानिस्तान की टीम 9 विकेट पर 215 रन ही बना सकी। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी की थी और एक समय अफगानिस्तान ने 131 रन पर ही इंग्लैंड के 6 विकेट गिरा दिए थे, ऐसा लग रहा था कि अफगानिस्तान की टीम इतिहास रचने में कामयाब हो जाएगी, लेकिन अफगानिस्तान टीम ने आखिरी 12 ओवर में अफगानिस्तान 95 रन लुटा दिए। इंग्लैंड के लिए जॉर्ज थॉमस और जॉर्ज बेल के अलावा टॉप ऑर्डर का कोई और बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े को भी नहीं छू सका। हालांकि, दूसरे विकेट के लिए अफगानी बल्लेबाजों ने 93 रन जोड़कर इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। लेकिन मोहम्मद इशाक (43) के रन आउट होने के बाद अफगानिस्तान ने दो और विकेट जल्दी-जल्दी खो दिए इंग्लैंड के लेग स्पिनर रेहान अहमद ने निचले क्रम में चार विकेट निकालकर अफगानिस्तान की उम्मीदों को तोड़ दिया और इंग्लैंड को फाइनल में पहुंचा दिया।

डेनमार्क से मुकाबले के लिए भारतीय डेविस टीम घोषित

फरवरी 2019 के बाद घरेलू सरजमीं पर खेलेगा भारत

नई दिल्ली। भारत ने चार और पांच मार्च को डेनमार्क के खिलाफ होने वाले डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के विश्व ग्रुप एक मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। फरवरी 2019 के बाद से यह पहली बार होगा कि भारत घरेलू सरजमीं पर डेविस कप मुकाबला खेलेगा।

अखिल भारतीय टेनिस संघ की प्रोफेशनल चयन समिति की वर्चुअल हुई बैठक में टीम का चयन किया गया। बैठक की अध्यक्षता नंदन बल ने की। रोहित राजपाल टीम के कप्तान और जीशान अली टीम के कोच हैं। टीम 23 फरवरी को अभ्यास के लिए दिल्ली में एकत्र होगी। खिलाड़ियों की उपलब्धता और प्रदर्शन के आधार पर टीम का चयन किया गया है। भारत ने फरवरी 2019 में अपनी सरजमीं पर इटली की मेजबानी की। कोलकाता में खेले गए इस मुकाबले में उसे 1-3 से हार मिली थी। भारत और डेनमार्क की टीमों ने डेविस कप में सिर्फ दो बार एक-दूसरे का सामना किया है। 1927 में कोपनहेगन में डेनमार्क ने भारत को 5-0 से हराया तो वही सितंबर 1984 में भारत ने आरहूस में 3-2 से जीत दर्ज की थी। भारत ने इससे पहले फिनलैंड (2021), क्रोएशिया (2020) और कजाकिस्तान (2019, पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिए) की यात्रा की थी। विश्व रैंकिंग में 222वें स्थान पर काबिज नागल की जगह युकी भांबरी (863) को उतारा जा सकता है । टीम में रामकुमार रामनाथन (182) और प्रजनेश गुणेश्वरन (228) भी हैं । टीम का चयन इस आधार पर किया गया है कि रामकुमार और युकी दोनों ग्रासकोर्ट पर खेलने में सहज हैं । गुणेश्वरन और नागर ग्रासकोर्ट विशेषज्ञ नहीं हैं । युगल विशेषज्ञ रोहन बोपन्ना और दिविज शरण भी टीम में हैं । साकेत माइनेनी और दिग्विजय प्रताप सिंह रिजर्व खिलाड़ी हैं । टीम के कोच जीशान अली होंगे और रोहित राजपाल गैर खिलाड़ी कप्तान रहेंगे । ये मुकाबले चार और पांच मार्च को दिल्ली जिमखाना क्लब में ग्रासकोर्ट पर खेले जायेंगे।

टीम में शामिल खिलाड़ी: रामकुमार रामनाथन, प्रजनेश गुणेश्वरन, युकी भांबरी, रोहन बोपन्ना, दिविज शरण, साकेत मिनेनी (रिजर्व), दिग्विजय प्रताप सिंह (रिजर्व) ।

डेरिल मिचेल ने जीता आईसीसी खेल भावना पुरस्कार

यह पुरस्कार पाने वाले न्यूजीलैंड के चौथे खिलाड़ी

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बुधवार को न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल को आईसीसी खेल भावना पुरस्कार 2021 का विजेता घोषित किया। 30 वर्षीय मिचेल को 10 नवंबर, 2021 को अबुधाबी में इंग्लैंड के खिलाफ बेहद दबाव वाले आईसीसी टी-20 विश्व कप 2021 के सेमीफाइनल में अकेले अपने दम पर टीम को जिताने के लिए यह पुरस्कार दिया गया है।

उन्होंने इस मैच में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 47 गेंदों पर 72 रन की शानदार पारी खेली थी, जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट बिरादरी का सम्मान अर्जित करते हुए मिचेल डेनियल विटोरी, ब्रेंडन मैकुलम और केन विलियमसन के बाद यह पुरस्कार पाने वाले न्यूजीलैंड के चौथे खिलाड़ी बन गए हैं। मिचेल ने यह सम्मान मिलने पर कहा, आईसीसी स्पिरिट ऑफ क्रिकेट पुरस्कार प्राप्त करना एक सर्वश्रेष्ठ सम्मान है और पिछले साल यूएई में हुए आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप का हिस्सा बनना बहुत शानदार था। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर ने कहा, हम एक टीम के रूप में खुद पर गर्व करते हैं, जिस तरह से हम अपना क्रिकेट खेलते हैं और मुझे लगता है कि यह क्रिकेट की भावना है। व्यक्तिगत रूप से मुझे लगा, जैसे मैं मंजिल के करीब हूं। हम जीतना चाहते थे, लेकिन अपनी शर्तों पर। मुझे लगता है कि हमें इसका फायदा हुआ और हमने मैच जीत लिया। हम हर मैच जीतना चाहते हैं, लेकिन हम इसे इस तरह से नहीं करना चाहते हैं जो क्रिकेट के मूल्यों के खिलाफ हो। क्रिकेट की भावना बहुत महत्वपूर्ण है। यह युवा क्रिकेटरों के लिए देखने, सीखने और खेल खेलने के लिए प्रेरित होने और इसे सही तरीके से जीतने के लिए एक मंच है। अंत में यह सिर्फ एक खेल है और यह एक ऐसा खेल है, जिसे हम सभी प्यार करते हैं और हम बहुत भाग्यशाली हैं कि हम इसे सही तरीके से खेलने में सक्षम हैं। व्यक्तिगत रूप से क्रिकेट का खेल जीतने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण चीजें हैं और उस समय यह करना सही था।

राशिद के रास्ते में बाधा डालने के बाद एक रन लेने से कर दिया था इनकार

पीछे घूम कर देखों तो टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ यह एक बहुत ही चुनौतीपूर्ण मैच था, जिसमें जीत के लिए केवल कुछ ही ओवर थे। जिमी नीशम ने लॉन्ग ऑफ पर सिंगल लिया और मुझे लगता है कि मैंने राशिद को परेशान किया जो विकेट लेने की कोशिश कर रहे थे। यह घटना मैच के 18वें ओवर में आदिल राशिद की पहली गेंद पर हुई थी तब टीम का स्कोर चार विकेट पर 133 रन था और जेम्स नीशाम स्ट्राइक पर थे। नीशाम ने मैदान पर गेंद स्मैश की और यहां आराम से एक रन लिया जा सकता था लेकिन नॉन स्ट्राइकर छोर पर खड़े मिशेल ने इस दबाव वाले मुकाबले में यह रन लेने से इनकार कर दिया क्योंकि उन्होंने राशिद के रास्ते में बाधा डाल दी थी। इस मुकाबले के दौरान कमेंटरी कर रहे नासिर हुसैन ने मिशेल की काफी तारीफ की और कहा था, यह बहुत अच्छा है। यही न्यूजीलैंड है, वास्तव में ऐसा है।

बीजिंग में ओलंपिक मशाल रिले शुरू

बीजिंग। बीजिंग में शीतकालीन ओलम्पिक खेलों के आधिकारिक रूप से खुलने के दो दिन पहले बुधवार को इन खेलों के लिए मशाल रिले शुरु हुई। चीनी उप-प्रधानमंत्री हान झेंग ने ओलंपिक फॉरेस्ट पार्क में मशाल जलाकर समारोह की शुरुआत की। इसके बाद, चीन के पहले शीतकालीन खेल के विश्व चैंपियन 80 वर्षीय लुओ झिहुआन को मशाल सौंप दी गई। इस दौरान कोविड-19 महामारी के बढ़ते प्रसार को ध्यान में रखते हुए कोविड नियमों के तहत मशाल रिले को सीमित रखा गया है। मशाल रिले में करीब 1200 प्रतिभागी भाग लेंगे और यह तीन प्रतियोगिता क्षेत्रों के माध्यम से तीन दिनों तक चलेगी, जो शुक्रवार की रात को उद्घाटन समारोह पर ओलम्पिक ज्योति के प्रज्ज्वलन के साथ समाप्त होगी। उल्लेखनीय है कि शीतकालीन ओलंपिक खेल चार से 20 फरवरी तक खेले जाएंगे।

भारत दौरे के बाद क्रिकेट से संन्यास लेंगे लकमल

कोलंबो। श्रीलंका के अनुभवी तेज गेंदबाज सुरंगा लकमल ने अपने संन्यास को लेकर बड़ा एलान किया है। 34 वर्षीय गेंदबाज ने कहा है कि इस महीने के अंत में शुरू होने वाले भारत दौरे के बाद वह क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) की तरफ से जारी बयान में कहा गया, श्रीलंका के पूर्व टेस्ट कप्तान सुरंगा लकमल ने क्रिकेट श्रीलंका को सूचित किया है कि वह आगामी श्रीलंका दौरे 2022 के पूरा होने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लेंगे। लकमल ने एसएलसी को सौंपे गए अपने सेवानिवृत्ति पत्र में कहा, मुझे यह आश्चर्यजनक अवसर देने के लिए और अपनी मातृभूमि के सम्मान को वापस लाने के लिए मुझ पर विश्वास करने के लिए मैं एसएलसी का ऋणी हूं। मुझे उस बोर्ड से जुड़कर बेहद खुशी है जिसने मेरे पेशेवर जीवन को आगे बढ़ाने और मेरे व्यक्तिगत विकास को भी समृद्ध करने में मदद की। उन्होंने कहा, मेरे पास अपने सभी खिलाड़ियों, कोचों, टीम प्रबंधकों, सहयोगी स्टाफ, प्रशासनिक कर्मचारियों और अन्य सभी सहायक कर्मचारियों के लिए अत्यंत सम्मान के अलावा कुछ नहीं है। पूर्व श्रीलंकाई टेस्ट कप्तान लकमल ने अभी तक देश के लिए 68 टेस्ट, 86 वनडे और 11 टी20 मैच खेले हैं। इस दौरान उन्होंने 1100 से अधिक रन और 285 विकेट भी अपने नाम किए हैं। श्रीलंका को 25 फरवरी से भारत दौरे पर दो टेस्ट और तीन टी-20 मैच खेलने हैं।

भोपाल पुलिस चैम्पियन्स ट्रॉफी के फाइनल में

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित तृतीय आरएनटीयू चैम्पियन्स ट्रॉफी 2022 के गवर्नमेंट ग्रुप का पहला सेमीफाइनल मैच भोपाल पुलिस व बीयू के मध्य मैच खेला गया। भोपाल पुलिस के बल्लेबाज भीम के नाबाद 57 गेंद पर 91 रन, सर्वेश यादव के नाबाद 33

गेंद पर 46 रन और नीतीश के 23 गेंद पर 48 रन की मदद से 20 ओवर में 2 विकेट पर 197 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे बीयू के खिलाड़ी मात्र 17.5 ओवर में ऑल आउट होकर 92 रन बना सकी। भोपाल पुलिस के गेंदबाज सुशील ने 1.5 ओवर में 14 रन देकर तीन विकेट, सोनू ने 3 ओवर में 10 रन देकर तीन विकेट और सौरव ने 4 ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट झटके। भोपाल पुलिस के बल्लेबाज भीम को शानदार बल्लेबाजी के लिए विश्वविद्यालय के ऑफिसर धीरेंद्र करोसिया, स्पोर्ट्स ऑफिसर सतीश अहिरवार और वीरेंद्र मीणा के हाथों मैन ऑफ द मैच दिया गया।

एथलेटिक्स कोच की पत्नी आज खाली कर सकती हैं हॉस्टल

भोपाल। एथलेटिक्स कोच वीरेन्द्र डबास के बाद अब उनकी पत्नी टीटी नगर स्टेडियम स्थित छात्रावास खाली कर सकती हैं। गौरतलब है कि सरकारी हॉस्टल में पति-पत्नी के विवाद के चलते विभाग की जमकर किरकिरी हुई है। एथलेटिक कोच वीरेंद्र डबास और उनकी पत्नी के बीच करीब 15 दिन से स्टेडियम के छात्रावास में ड्रामा चल रहा था। स्टेडियम प्रभारी ने बताया कि एथलेटिक्स कोच वीरेन्द्र डबास पहले ही हॉस्टल छोड़कर जा चुके हैं। संभवतः आज उनकी पत्नी भी हॉस्टल खाली कर देंगी। वीरेन्द्र और उनकी पत्नी के बीच तलाक का मामला कोर्ट में विचाराधीन है। दोनों के बीच टीटी नगर स्टेडियम में भी खूब झगड़ा हुआ था। क्योंकि झगड़ा स्टेडियम की अंदर पीछे की तरफ चल रहा था जिससे ज्यादा लोग एकत्र तो नहीं हो सके, लेकिन वरिष्ठ छात्रवास में रहने वाले अन्य कोच, खिलाड़ी यह पूरा झगड़ा देखते रहे। विभाग को ऐसे मामलों से सीख लेनी चाहिए और कोच का चयन करने से पहले उनके वैवाहिक स्थिति पर भी ध्यान देना चाहिए। कोच यदि अपने वैवाहिक और पारिवारिक रिश्ते नहीं संभाल सकता तो वह देश और प्रदेश को कैसे बेहतर खिलाड़ी देगा। सरकारी हॉस्टल में इस तरह के झगड़े का खिलाड़ियों की मानसिकता पर बुरा असर पड़ता है। सरकार खेल और खिलाड़ियों पर करोड़ रुपए खर्च कर इसलिए नहीं कर रही कि सरकारी हॉस्टल और प्रशिक्षण स्थल आपसी विवादों की भेंट चढ़ें।

कुछ खिलाड़ी सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान दौरे से बाहर रह सकते हैं : हेजलवुड

मेलबर्न। अनुभवी आस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड का मानना है कि अगर राष्ट्रीय टीम के कुछ खिलाड़ी सुरक्षा कारणों से अगले महीने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार करते हैं तो उन्हें हैरानी नहीं होगी। आस्ट्रेलिया को मार्च में पाकिस्तान का दौरा करना है जो 24 साल में उसका पहला पाकिस्तान दौरा होगा। मार्क टेलर की अगुवाई वाली आस्ट्रेलिया टीम ने 1998 में पाकिस्तान का दौरा किया था। हेजलवुड ने क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू से कहा, सीए और एसीए काफी काम कर रहे हैं और खिलाड़ियों को काफी भरोसा है लेकिन सुरक्षा को लेकर कुछ चिंतायें जरूर होंगी। अगर कुछ खिलाड़ी पाकिस्तान जाने से इनकार करते हैं तो मुझे हैरानी नहीं होगी। उन्होंने कहा, इसमें कुछ गलत भी नहीं है। लोग अपने परिवार से बात करेंगे और फिर जवाब देंगे। हर कोई उसका सम्मान करेगा। आस्ट्रेलियाई टीम पाकिस्तान दौरे पर तीन टेस्ट, तीन वनडे और एक टी20 मैच खेलेगी।

नीरज चोपड़ा लॉरियस विश्व खेल पुरस्कार के लिए नामित

विनेश और तेंदुलकर के बाद पुरस्कार के लिए नामित होने वाले तीसरे भारतीय एथलीट

लंदन। टोक्यो ओलम्पिक 2020 में एथलेटिक्स में भारत के लिए पहला स्वर्ण पदक जीतने वाले भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को 2022 लॉरियस वर्ल्ड ब्रेकथ्रू ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। उन्हें मिला कर इस वर्ष पुरस्कार के लिए कुल छह एथलीटों को नामित किया गया है।

इस सूची में नीरज के अलावा ब्रिटेन की टेनिस खिलाड़ी एम्मा राडुकानु, रूस के टेनस खिलाड़ी डेनिल मेदवेदेव, स्पेन के युवा फुटबॉलर एवं एफसी बार्सिलोना के सेंट्रल मिडफील्डर पेड्रि, वेनेजुएला की ओलंपिक विजेता जम्पर युलिमार रोजास और ऑस्ट्रेलिया की युवा तैराक एरियन टिटमस शामिल हैं। नीरज टोक्यो ओलंपिक खेलों में पुरुषों की भाला स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाले दो भारतीयों में से एक हैं, जिन्होंने व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण जीता है। नीरज ने इस बारे में कहा, मैं इस लॉरियस पुरस्कार के लिए नामित होने पर खुश हूं और टोक्यो में मैंने जो हासिल किया है, उसके लिए व्यापक खेल जगत में पहचाना जाना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। उल्लेखनीय है कि नीरज 2019 में पहलवान विनेश फोगट और क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर, जिन्होंने 2000 और 2020 में लॉरियस स्पोर्टिंग मोमेंट पुरस्कार जीता था, के बाद लॉरियस पुरस्कार के लिए नामित होने वाले तीसरे भारतीय एथलीट हैं।

अन्य श्रेणियों में नामित एथलीट

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्समैन ऑफ द ईयर : टॉम ब्रैडी, नोवाक जोकोविच, सेलेब ड्रेसेल, एलियुड किपचोगे, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, मैक्स वेरस्टैपेन।

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्सवुमन ऑफ द ईयर: एश्ले बार्टी, एलिसन फेलिक्स , केटी लेडेकी, एम्मा मैकिऑन, एलेक्सिया पुटेलस, एलेन थॉम्पसन-हेरा।

लॉरियस वर्ल्ड टीम ऑफ द ईयर: अर्जेंटीना पुरुष फुटबॉल टीम, बार्सिलोना महिला फुटबॉल टीम, इटली पुरुष फुटबॉल टीम, एएमजी पेट्रोनास फॉर्मूला वन टीम, मिल्वौकी बक्स।

लॉरियस वर्ल्ड कमबैक ऑफ द ईयर: सिमोन बाइल्स, स्काई ब्राउन, मार्क कैवेंडिश , टॉम डेली, मार्क मार्केज , एनीमिक वैन वेलुटेन ।

लॉरियस स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर विद डिसेबिएलिटी: डाइडे डी ग्रोट, मार्सेल हग, शिंगो कुनिदा, जेट्ज प्लाट, सुजाना रोड्रिग्ज, सारा स्टोरी ।

लॉरियस वर्ल्ड एक्शन स्पोर्ट्सपर्सन ऑफ द ईयर: इटालो फरेरा, अल्बर्टो जिन्स, यूटो होरिगोम, कैरिसा मूर , मोमोजी निशिया, बेथानी श्राइवर ।

विधानसभा चुनाव को लेकर गठित टीम के साथ अधिकारियों ने की बैठक

भदोही। जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी के निर्देशन में विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सम्पन्न कराने के लिए बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में उड़नदस्ता टीम, वीडियो निगरानी टीम, वीडियो अवलोकन टीम, स्थायी निगरानी टीम एवं मीडिया प्रमाणन एवं अनुवीक्षण समिति के सदस्यों व पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। एसपी डा.अनिल कुमार, एडीएम शैलेन्द्र कुमार मिश्र, एडीशनल एसपी राजेश कुमार व मुख्य कोषाधिकारी धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी ने विभिन्न टीमो के कार्यो की समीक्षा करते हुए कड़ी कार्रवाई करने निर्देश दिया।

इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने उड़नदस्ता टीम के कार्यो पर बल देते हुए कहा कि उड़नदस्ता टीम आदर्श आचार संहिता के उल्लघनों एवं सम्बद्ध एवं सभी शिकायतों पर कार्रवाई करेगा और डराने, धमकाने, असमाजिक तत्वों मदिरा, हथियार एवं गोला बारूद तथा निर्वाचकों को रिश्वत देने के प्रयोजनार्थ भारी मात्रा में नगदी को लाने तथा ले आने आदि की सभी शिकायतों पर कार्रवाई करे।

पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि अर्न्तजनपदीय सीमा पर 18 चेकिंग प्वाईन्ट जनपद के अन्दर 9 चेकिंग प्वाईन्ट तथा तीनों विधानसभा में कुल 9 स्थायी निगरानी टीम संचालित है। मुख्य कोषाधिकारी धर्मेन्द्रपति त्रिपाठी नें बताया कि प्रत्याशी की अधिकतम निर्वाचन व्यय सीमा आयोग द्वारा 40 लाख रूपया निर्धारित किया गया हैं। पूरे निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान यदि किसी मद में कुल व्यय रूपया 10 हजार तक है तो उसमें नगद भुगतान किया जा सकता है। शेष समस्त भुगतान चेक के माध्यम से किया जाएगे। सभी अभ्यथियों को निर्वाचन व्यय रजिस्टर बनाना होगा। जिसमें दैनिक लेखा का तिथिवार उल्लेख करना होगा। किसी भी अभ्यर्थी द्वारा निर्वाचन हेतु वाहन की अनुमति सम्बन्धित आरओ से लेनी होगी तथा उसकी प्रति गाड़ी के अगले शीशे पर चस्पा करना होंगा। सार्वजनिक सभा की अनुमति भी सम्बन्धित आरओ से अभ्यर्थियों को लेनी होगी। आरओ द्वारा उस रैली की

अनुमति की प्रति सम्बन्धित वीडियो अवलोकन टीम को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रचार में प्रयोग में होने वाले पोस्टर, हैण्डबिल, होर्डिग्स, बैनर आदि के मुद्रण, प्रकाशक का नाम एवं मात्रा के सम्बन्ध में जिला निर्वाचन अधिकारी को सूचना देना होगा तथा प्रकाशक एवं मुद्रक द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली आवश्यक घोषणा पत्र उपलब्ध कराना होगा। मीडिया निगरानी टीम निर्वाचन की अधिसूचना जारी होने की तिथि से ही आयोग के निदेर्शानुसार सहायक व्यय प्रेक्षक से समन्वय रखते हुये निर्वाचन क्षेत्रो में महत्वपूर्ण घटनाओं सार्वजनिक रैलियों, जूलुस आदि की वीडियोंग्राफी की जायेगी। वीडियो ग्राफी के दौरान वहां पर लगाई गई कुर्सिया, टेन्ट फर्नीचर, व्यक्तियों की संख्या, ध्वनि विस्तारकयंत्र सहित वाहनों की संख्या सहित एक-एक बिन्दु की रिकार्डिंग करेगी तथा रिटर्निंग आफिसर को उसकी सीडी उलब्ध कराएगी। इसी प्रकार वीडियो अवलोकन टीम के द्वारा प्रस्तुत वीडियो फुटेज का निरीक्षण करेगी एवं व्यय तथा आचार संहिता से सम्बन्धित मुद्दो का अनुश्रवण कर सहायक व्यय प्रेक्षक के समक्ष समय-समय पर प्रस्तुत करेंगे।

उड़नदस्ता टीम के बारे बताया कि उड़नदस्ता टीम के पास नगदी सामान के अधिग्रहण के लिये मोबाइल वीडियो कैमरा एवं आवश्यक प्रपत्र उपलब्ध करा दिया गया है निर्वाचन व्यय उल्लघन तथा आदर्श आचार संहिता सम्बन्धी शिकायतो की निगरानी सम्बन्धी आदि कार्य देखेंगे। जब भी नगद, शराब या प्रलोभन हेतु वितरण समाग्री याथा साड़ी, टीशर्ट, घड़ी, कुकर या आपत्ति जनक समाग्री सम्बन्धित कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उड़नदस्ता टीम तत्काल उस स्थान पर पहुँचेगा तथा आवश्यक साक्ष्य एकत्रित करेगा। रिश्वत व अन्य प्रलोभन से सम्बन्धित वस्तुयें पाये जाने पर उसकी वीडियो रिकार्डिंग करते जब्त करेगा वहॉ उपस्थित व्यक्तियो और गवाहो से साक्ष्य भी एकत्रित करेगा और बयान रिकार्ड करेगा तदुपरान्त टीम रिटर्निंग आफिसर को इसकी रिपोर्ट भेजेगा जिसकी प्रति पुलिस अधीक्षक, सहायक व्यय प्रेक्षक को भी उपलब्ध करायेंगा। स्थायी निगरानी टीम बनाये गये चेक पोस्ट पर रहकर आने जाने वाले वाहनो की निगरानी करेगा। यह टीम चेक पोस्ट गाड़ियों की चेकिंग के दौरान क्षेत्र में लाई जाने वाली किसी भी प्रकार की नगदी, अवैध शराब या अन्य कोई संदेहास्पद वस्तु या शस्त्र इत्यादि पाए जाने पर समस्त प्रक्रिया की वीडियो ग्राफी की जायेगी तथा वीडियो की सीडी की प्रति रिटर्निंग आफिसर को उपलब्ध कराएगी। चेकिंग के दौरान 50 हजार तक की कैश की अनुमति किसी गाड़ी के लिये अनुमन्य होगी परन्तु कैश ले जाने वाले को टीम को साक्ष्य, कारण स्पष्ट करना होगा। 10 लाख रुपए से अधिक यदि किसी वाहन में संचरण किया जाता हुआ पाया जाता है तो उसकी सूचना तत्काल सम्बन्धित रिटर्निंग आफिसर तथा जिला निर्वाचन अधिकारी को दिया जायेगा। जिला निर्वाचन अधिकारी आयकर विभाग को सूचित करेंगे एवं आयकर विभाग अपने सुसंगत धाराओं तहत नियमानुसार कार्यवाही करेगी। किसी अभ्यर्थी के पम्पलेट, पोस्टर, हैण्डबिल आदि छपवाये जाने वाले प्रचार सामाग्री पर प्रकाशक व मुद्रक का नाम व कितनी प्रति में छपवाई संख्या अंकित करना होगा।

सपा प्रत्याशी ने आचार संहिता और कोरोना गाइड लाइन की उड़ाई धज्जियां

जौनपुर। केराकत विधानसभा के सपा प्रत्याशी तूफानी सरोज ने बुधवार को रोड शो किया। इस दौरान उन्होंने आचार संहिता और कोरोना गाइड लाइन की खुलेआम धज्जियां उड़ाई। उनके काफिले में शामिल गाड़ियों पर समाजवादी पार्टी का झंडा लगा था। इसके आलावा जगह जगह की गई नुककड़ रैली में कोरोना गाइड लाइन का बिल्कुल

भी पालन नहीं किया गया। एक्का दुक्का को छोड़कर किसी के भी चेहरे पर मास्क नहीं लगा था। जानकारी के मुताबिक इस संदर्भ में सीओ और कोतवाल को सूचना दी गई उल्लेखनीय है कि केराकत विधानसभा के सपा प्रत्याशी पूर्व सांसद तूफानी सरोज मुफ़्तीगंज क्षेत्र के इटैली बाजार, हनुआडीह आदि में रोड शो निकाल कर जगह जगह नुककड़ सभा कर रहे थे। उनके साथ पार्टी विधानसभा अध्यक्ष नीरज पहलवान, श्यामसुंदर यादव, उमाशंकर यादव, रविन्द्र यादव भगवती सरोज आदि अनेक पार्टी कार्यकर्त्ता थे।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दारा सिंह चैहान के प्रथम आगमन पर कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

घोसी, मऊ। आगामी विधान सभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी द्वारा घोषित उम्मीदवार दारा सिंह चैहान के घोसी नगर में प्रथम आगमन पर सपा कार्यकताओं ने फूल मालाओं से लाद कर जोरदार स्वागत किया गया। हड़हुआ फोरलेन से उतरकर घोसी के लिए ज्यो ही सपा उम्मीदवार दारा सिंह चैहान का काफिला निकला तो घोसी चीनी मिल निकट, पकड़ी मोड़, सिनेमा हाल, मझवारा मोड़ पर कार्यकताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। मझवारा मोड़ पर स्थित गांधी प्रतिमा पर माल्यार्पण उपरांत सपा उम्मीदवार का काफिला मऊ स्थित सपा जिला कार्यालय के लिए रवाना हो गया। इस दौरान घोसी विधान सभा अध्यक्ष लालचंद यादव, समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव सुनील यादव, समाजवादी व्यापार सभा के जिलाध्यक्ष लालबिहारी गुप्ता, पूर्व नगर पंचायत उपाध्यक्ष बदरुद्दीन अहमद उर्फ गुड्डू भाई, अमरेंद्र बहादुर यादव, जाहिद खान, सोनू गांधी, दीपक यादव, अखिलेश यादव, मौलाना शम्स तबरेज, इमरान खान, अर्शी खान, बबलू यादव आदि दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

मऊ। बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मऊ के तत्वाधान में आजादी के अमृत महोत्सव 2 अक्टूबर 2021 से 14 नवंबर 2021 तक आयोजित विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रतिभागियों को जिला जज रामेश्वर ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला जज रामेश्वर ने कहा कि आप सभी के सहयोग से प्राधिकरण ने अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है, विधिक जागरूकता के साथ प्राधिकरण के सहयोग से लोगों को सरकार के द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं का भी लाभ मिला है, जिला जज ने आगे भी सभी से सहयोग की बात कही। अपर

जिला जज बुद्धीसागर मिश्र ने कहा कि प्राधिकरण द्वारा आयोजित शिविर से आमजन तक पहुंचा है, इसका परिणाम अब देखने को भी मिल रहा है। सीजेएम फारूक इनाम सिद्धकी ने कहा कि जन-जन तक जाकर आप लोगों ने प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक करने का काम किया है इसके लिए आप सभी की जितनी भी सराहना की जाए कम है। विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि नालसा सालसा के निर्देश पर गांव गांव एवं डोर टू डोर अभियान प्रतियोगताये, जागरूकता रैलीओं का आयोजन किया गया जिसके परिणाम स्वरुप आज लोग सीधे अपनी समस्याओं को लेकर प्राधिकरण आ रहे हैं और प्राधिकरण उनका निस्तारण भी कर रहा है। इससे गरीब, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं। सम्मानित होने वालों में अनिल मिश्रा, विकास सिंह निकुम्भ, सौरभ राय, बृजेश सिंह दिनेश गुप्ता, उदयभान, रूपेश, अजय, निर्मला, मुकदस, रश्मि, शहर बानो, अजय, सज्जाद, हुमा रिजवी सहित प्राधिकरण के कर्मचारी धीरज त्रिपाठी, शिवधनी, लक्ष्मण यादव, संतोष, चंद्र प्रकाश, अजय शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन अनिल मिश्रा द्वारा किया।

विधानसभा चुनाव नामांकन की तैयारियां जोरो पर

मऊ। विधानसभा चुनाव के नामांकन के लिए मऊ जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। जिसके के लिए कलेक्ट्रेट परिसर में जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन के द्वारा बल्लिया लगाई जा रही है जिसका निरीक्षण सिटी मजिस्ट्रेट त्रिभुवन और सीओ सिटी धन्नजय मिश्रा ने की। विधानसभा चुनाव का मतदान 7 मार्च को और मतगणना 10 मार्च को होा है। जिसके लिए मऊ जिले में 10 फरवरी से नामांकन होना है जिसके लिए प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने जिला कलेक्ट्रट परिसर में तैयारियां शुरू कर दी है। जिसका बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट त्रिभुवन और सीओ सिटी धन्नजय मिश्रा ने निरीक्षण किया। इस बावत सीओ सिटी ने बताया कि जिले में 10 फरवरी से विधानसभा चुनाव का नामांकन होना है जिसके लिए

तैयारियां शुरू हो चुकी है जिसका निरीक्षण हम लोंगो द्वारा किया गया है। मऊ जिले में शांतिपूर्ण नामांकन और मतदान के लिए बड़ी संख्या में फोर्स उपलब्ध हो गए है। इस दौरान शहर कोतवाल संजय त्रिपाठी सहित भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे।

भाजपाईयो ने देखा प्रधानमंत्री का अर्थव्यवस्था पर उद्बोधन

मऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्चुवल उद्बोधन के माध्यम से एस आर प्लाजा भुजौटी में पूर्वान्ह 11 बजे भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं को संबोधित किया तथा कहा की यह बजट भारत को आत्मनिर्भर बनाएगा। यही हमारा लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते 7 सालों में जो नीतियां बनीं, पहले की विपक्षी सरकार की नीतियों में मिलीं गलतियों को उसमे निरंतर सुधारा गया, यही वजह है कि आज देश की अर्थव्यवस्था निरंतर तेजी से विकास पथ पर अग्रसर है। पीएम ने यह भी कहा कि बजट स्पीच में पूरा बजट बता पाना संभव नहीं है। इस बजट से भविष्य का भारत विकसित करने में बहुत सहायता मिलेगी। भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण कुमार गुप्ता ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के निदेर्शानुसार आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का उद्बोधन सुनने जनपद की सभी 4 विधानसभाओ में बड़ी स्क्रीन लगाकर प्रधानमंत्री का उद्बोधन सुनने की व्यवस्था की गई। जिला प्रभारी सहजानंद राय ने बताया कि उक्त कार्यक्रम में अपनी अपनी विधानसभा में निवास करने वाले सभी प्रदेश, क्षेत्र, एवं जिलो के पदाधिकारी व कार्यसमिति सदस्य, प्रकोष्ठों, विभागों एवं प्रकल्पों के संयोजक, सह संयोजक, मंडल अध्यक्षों के साथ ही भाजपा कार्यकर्ताओ ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में किसान व्यापारी महिला बुनकर वर्ग के साथ ही पार्टी के सभी सम्मानित सदस्य सहर्ष शामिल हुए। इस अवसर पर मृत्युंजय द्विवेदी, संगीता द्विवेदी, रामाश्रय मौर्य, कृष्ण कांत राय, सचिंद्र सिंह, सुनील यादव, रामप्रवेश राजभर, मयंक मद्धेशिया, राहुल उपाध्याय, ओमप्रकाश भुवाल, नरेंद्र चैधरी, रविकांत तिवारी, सिद्धार्थ संभू, सूरज चैहान, पुनीत यादव, तहरीक चतुवेर्दी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जाम को लेकर ट्रैफिक सीओ ने दिये आवश्यक निर्देश

दोहरीघाट, मऊ। बुधवार को मऊ के ट्रैफिक सीओ अंबर कुमार भास्कर ने पहुंच कर दोहरीघाट नगर में लगने वाले जाम पर नाराजगी जाहिर की। दोहरीघाट पुलिस को आवश्यक निर्देश देते हुए कहां की सड़क के किनारे दुकान लगाने वाले लोगों के ऊपर सख्त से सख्त कार्रवाई किया जाए। वही नगर की ईओ रिचा सिंह को नगर के अंदर लगने वाले जाम के ऊपर आवश्यक कार्रवाई करने के लिए कहा। ट्रैफिक सीओ अंबर कुमार भास्कर ने कहा कि पुलिस चैकी पर रूट डायवर्जन की व्यवस्था हो तथा आजमगढ़ मोड की तरफ पुलिस लगाकर यातायात नियम का पालन कराया जाए। इस दौरान अगर कोई व्यक्ति यातायात नियमों का पालन नहीं करता है उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध परिस्थितियों में गला कटने से आटो चालक की मौत

रानी की सराय (आजमगढ़)। रानी की सराय थाना क्षेत्र के चकीदी बबुरी वन के समीप मंगलवार की रात साढ़े दस बजे संदिग्ध परिस्थिति में गला कटने से आटो चालक की मौत हो गई। मामला हत्या और आत्महत्या के बीच उलझ गया है। परिवार के लोगों ने भी किसी पर हत्या का आरोप नहीं लगाया है।प्रारंभिक जांच में पुलिस ने इसे आत्महत्या मानते हुए विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

मेंहनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बिषहम निवासी ओबेदुल्ला (25) पुत्र फैजान आटो रिक्शा चलाते थे और रोज रात में घर पहुंच जाते थे। मंगलवार को दिन में आटो लेकर निकले तो रात नौ बजे तक घर नहीं पहुंचे। परिवार के लोगों ने लोकेशन जानने के लिए मोबाइल पर काल किया तो मोबाइल बंद था। उसके बाद परिवार के लोग रानी की सराय, लहबरिया क्षेत्र में खोजकर वापस चले गए।

स्वजन का कहना है कि रात साढ़े दस बजे मोबाइल पर दोबारा काल की गई तो उसने कराहते हुए खुद को चकीदी बबुरी वन के पास बताया।परिवार के लोग मौके पर पहुंचे तो ओबेदुल्ला आटो के पास कराह रहे थे और उनके हाथ और गला कटा हुआ था।गंभीर हालत में कोटिला स्थित निजी चिकित्सक के यहां ले जाया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई।

मृतक के भाई आदिल की तहरीर पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रभारी थानाध्यक्ष नवल किशोर सिंह ने बताया कि स्वजन ने भी तहरीर में आत्महत्या की आशंका जताई है। बताया कि मृतक की दिमागी हालत ठीक नहीं रहती थी। वैसे अभी जांच की जा रही है। वैसे पूरा घटनाक्रम संदिग्ध लग रहा है, क्योंकि जिस जगह आटो चालक पड़ा था वहां से एक किमी दूर आवंक मार्ग पर उसकी जैकेट मिली है। आवंक में ही मृतक के रिश्तेदार का घर है, जहां उसका आना-जाना रहता था। रात में वह कैसे बबुरी वन पहुंचा, मोबाइल उतने समय तक क्यों बंद थी। इन सवालों को सुलझाने में पुलिस जुटी है। मृतक दो भाई व दो बहनों में बड़ा था और उसका विवाह नहीं हुआ था।

तीन नाजायज चाकू के साथ तीन गिरफ्तार

मऊ। मंगलवार को जनपद के विभिन्न थानों द्वारा देखभाल क्षेत्र व चेकिंग के दौरान थाना दोहरीघाट पुलिस द्वारा कस्बा से राजकुमार सिंह पुत्र श्यामदेव निवासी सुरैना थाना जीयनपुर जनपद आजमगढ़ के कब्जे से एक अवैध चाकु, थाना कोपागंज पुलिस द्वारा सहरोज से फुजैल अहमद पुत्र स्व0 असरारूल निवासी हकीमपुरा थाना कोपागंज, सूरज कुमार पुत्र स्व0 राजू निवासी चीनीमिल बनगांवा थाना घोसी जनपद मऊ के कब्जे से एक-एक नाजायज चाकु बरामद कर गिरफ्तार किया गया। इस सम्बन्ध में उक्त अभियुक्तगण के विरूद्ध थाना सम्बन्धित पर धारा 4/25 आयुद्ध अधिनिमय का अभियोग पंजीकृत कर चालान न्यायालय किया गया।

वर्ड फेस्टिवल पर निबंध, रंगोली व चित्रकला के प्रतिभागी सम्मानित

मरदह। स्थानीय महाहर धाम स्थित पुरैना ताल पर वन विभाग से वर्ड फेस्टिवल व वेट लैंड दिवस मनाया। इस मौके पर श्री रामचन्द्र मेमोरियल इंटर कालेज सराय मुबारक के छात्र-छात्राओं में आयोजित निबंध, चित्रकला एवं रंगोली के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार दिया गया। वन प्रभाग गाजीपुर के प्रभागीय निदेशक प्रदीप ने कहा कि प्रकृति एवं पर्यावरण में पक्षियों का महत्वपूर्ण स्थान है। इनके संरक्षण के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जागरूक होने की आवश्यकता है। बढ़ती जनसंख्या एवं घटते वन से सर्वाधिक नुकसान पर्यावरण एवं पक्षियों को है। इससे बहुत सी पक्षी लुप्त होने के कगार पर है, जो पर्यावरण एवं हम सभी के लिए ठीक नहीं है। पेड़-पौधे एवं पक्षी प्रकृति के आभूषण हैं। हम सभी को इनके संरक्षण के लिए संकल्पित होने की आवश्यकता है। वन विभाग के शोभनाथ यादव, विजयशंकर सिंह, मनोज कुमार,संजय कुमार, जितेश यादव बीरबहादुर यादव, डा. सर्वेश कुमार सिंह, देवेंद्र सिंह आदि रहे।

अंडरपास की मांग को लेकर दूसरे दिन भी दिया धरना

रानी की सराय (आजमगढ़)। आजमगढ़-शाहगंज रेल ट्रैक कोटवा गांव के पास रेलवे अंडरपास निर्माण की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना-प्रदर्शन बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। गांव के पास ही एक माह तक चलने वाले धरना-प्रदर्शन के बाद मांग पूरी न होने ग्रामीणों ने ट्रेन रोकने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों का कहना है कि दोहरीकरण और इलेक्ट्रिक इंजन चलने से पटरी के दोनो तरफ विभाग ने तार लगा दिया है। पहले आसानी से इस पार से उस पार हो जाते थे। ग्रामीणों का कहना है कि रेल पटरी के दोनों तरफ खेत है और यहीं से होकर मझगावा गांव होते हुए आधा दर्जन गांवों के लोगों का आवागमन होता है। तार लगने से खेत तक जाने के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ेगी। अंडरपास की मांग को लेकर रेलवे के डीआरएम, जिलाधिकारी सहित सभी को पत्रक भेजा जा चुका है, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। एक माह तक धरना देगे फिर भी मांग पूरी नही हुई तो रेल रोकी जाएगी। इस दौरान रमाकांत यादव, काशीनाथ यादव, राम नयन प्रजापति, सुरेंद्र यादव, हरिराम यादव, चंद्रभान यादव, बृजेश यादव आदि थे।

मेडिकल कालेज में कोरोना संक्रमित वृद्ध महिला की मौत

चक्रपानपुर (आजमगढ़)। राजकीय मेडिकल कालेज व सुपर फैसिलिटी अस्पताल में भर्ती कोरोना संक्रमित 80 वर्षीय वृद्ध महिला की मंगलवार की रात 10 बजे मौत हो गई। सहायक चिकित्सा अधीक्षक डा. नियाज हसन ने बताया कि मेंहनगर थाना क्षेत्र की वृद्धा 22 जनवरी की शाम चार बजे गंभीर अवस्था में होल्डिग एरिया (अधिग्रहित क्षेत्र) में भर्ती किया गया था। कोरोना रिपोर्ट पाजिटिव आने पर उन्हें उसी रात आइसीयू में भर्ती किया गया। इलाज के दौरान मंगलवार की रात मौत हो गई। बता दें कि कोरोना की तीसरी लहर में अब तक राजकीय मेडिकल कालेज में भर्ती कोरोना पाजिटिव सात लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें एक पुरूष तथा छह महिलाएं शामिल हैं। अब तक मरने वालों में पांच आजमगढ़ तथा दो मऊ जनपद के निवासी थे।

अवैध शस्त्र फैक्ट्री का राजफाश 12 तमंचा व कारतूस बरामद

आजमगढ़। सिधारी थाना क्षेत्र के हथिया गांव में तमसा नदी किनारे सरपत व कुश की आड़ में चल रहे अवैध शस्त्र फैक्ट्री का राजफाश करते हुए पुलिस ने मंगलवार की भोर में दो आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। मौके से 12 निर्मित व 14 अर्धनिर्मित तमंचा, कारतूस व शस्त्र बनाने के उपकरण बरामद किया। अपर पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र लाल ने पुलिस लाइन सभागार में कार्रवाई की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपितों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई के बाद संपत्ति जब्त की जाएगी। राजफाश करने वाली पुलिस टीम के लिए इनाम की संस्तुति की गई है। मूसेपुर चौकी प्रभारी कमल नयन दुबे, एसआइ सुनील कुमार सरोज सोमवार आधी रात के बाद हाइडिल चौराहे पर चेकिग कर रहे थे कि ग्राम हथिया में अवैध शस्त्र फैक्ट्री के बारे में जानकारी मिली तो घेराबंदी करके शस्त्र निर्माण कर रहे जयप्रकाश सिंह उर्फ पासे सिंह ग्राम ममरखापुर शहर कोतवाली व राजेश रौनापार थाना क्षेत्र के रोशनगंज देवारा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने बताया कि हम लोगों ने मुबारकपुर थाने के चर्चित गांव बम्हौर में शस्त्र बनाने का काम सीखे थे।

गरीब का कल्याण करना ही केंद्र का लक्ष्य : पीएम

आजमगढ़। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वर्चुअल रैली को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में बुधवार को काफी उत्साह दिखा। तय समय से पहले ही निर्धारित स्थान पर पहुंचने लगे थे। प्रधानमंत्री ने हर गरीब का कल्याण लक्ष्य बताया तो सरकार की कई उपलब्धियां गिनाकर कार्यकताओं में ऊर्जा भरी। शहर के हरबंशपुर स्थित एक लान में अखिलेश मिश्र गुड्डू, माधुरी सिंह, चंद्रप्रकाश द्विवेदी, राजेश महुआरी, जूही श्रीवास्तव, हरबंश मिश्रा आदि ने प्रधानमंत्री को सुना।

रौनापार : जीयनपुर के एक निजी विद्यालय में हुई वर्चुअल रैली में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारा लक्ष्य हर गरीब का कल्याण करना है। प्रत्येक परिवार के पास पक्का घर, गैस की सुविधा और इंटरनेट कनेक्टिविटी से जोड़ने आदि के मुद्दे के साथ भाजपा जनता के बीच जा रही है, जबकि विपक्षियों के पास कोई सोच नहीं है। विपक्ष के लोग केवल चुनाव बाद बदला लेने की तैयारी कर रहे हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता दंगाई सोच रखने वालों से बहुत सावधान और सतर्क है। उन्होंने कहा कि विपक्षियों के कारनामे व कारस्तानी देखकर इस बार भी जनता भाजपा को भरपूर आशीर्वाद देने के लिए तैयार है। हमें जनता के बीच जाकर उन्हें जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने की आवश्यकता है। वर्चुअल मीटिग के पूर्व सगड़ी विधायक बंदना सिंह के अलावा चंद्रशेखर सिंह, तारकेश्वर ओझा,

अमरनाथ तिवारी, सुमन राय, जय बहादुर सिंह आदि ने अपने विचार रखे।

लालगंज : नगर के संस्कार मैरेज हाल में वर्चुअल रैली से पूर्व भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रत्याशी नीलम सोनकर,विधानसभा प्रभारी डा. माहेश्वरीकांत पांडेय ने अपने विचार रखे। अध्यक्षता ओमप्रकाश सिंह ने की। इस अवसर पर रामनयन सिंह, योगेंद्र राय, संजय जायसवाल, संचिताश्री चौहान, रजनीश जायसवाल, अभय त्रिपाठी, सौरभ सिंह बीनू, रजनीकांत त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

माहुल : फूलपुर-पवई विधान सभा क्षेत्र के शकतपुर स्थित बाबा बैजनाथ महाविद्यालय में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को एलईडी स्क्रीन पर सुना। हनुमंत सिंह, दिलीप सिंह, गौरव सिंह, हरिकेश गुप्ता, हरिकेश गुप्ता, बृजेश मौर्य आदि रहे। विधानसभा क्षेत्र प्रभारी ऋषिकेश दुबे ने आभार जताया। मेंहनगर क्षेत्र के पंचायत इंटर कालेज गौरा में भाजपा प्रत्याशी मंजू सरोज, आजमगढ़ भाजपा जिला अध्यक्ष ध्रुव कुमार सिंह आदि ने रैली से पूर्व अपनी बात रखी। अध्यक्षता कृष्ण बिहारी सिंह ने की व संचालन आदित्य नारायण राय ने किया।

जौनपुर में पुलिस के हत्थे चढ़ा फर्जी आईएएस अधिकारी

प्रखर जौनपुर (संवाददाता-मोहम्मद अरशद)। जिले में फर्जी आईएएस अधिकारी पुलिस के हत्थे चढ़ा है। वह खुद को एसीएस होम का रिश्तेदार बता कर अधिकारियों पर दबाव बनाता था। पुलिस ने उसके पास से लखनऊ के एक इंजीनियर के नाम से दर्ज लाल-नीली बत्ती लगी कार बरामद किया है। इस दौरान पुलिस ने अभियुक्त के पास से लैपटॉप,आईपैड और तीन मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। एसपी सिटी डा. संजय कुमार ने बताया कि शहर कोतवाली पुलिस, एसओजी व सर्विलांस टीम द्वारा बुधवार की रात रसूलाबाद तिराहे पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान चौकिया धाम की तरफ से आ रही लाल-नीली बत्ती लगी एस-क्रॉस गाड़ी नंबर यूपी-32-बीजी-6626 को रोका गया। वाहन चालक ने स्वयं को एसीएस होम का रिश्तेदार बताते हुए पुलिस को अपने प्रभाव मे लेना चाहा। उक्त व्यक्ति का व्यवहार संदिग्ध लगा। शक होने पर पुलिस ने ई-चालान एप के माध्यम से गाड़ी के नंबर को चेक किया तो उसकी कलई खुल गई। कार में लगा रखा था फर्जी नंबर प्लेट कार के रजिस्ट्रेशन पेपर पर मालिक का नाम एग्जीक्यूटिव इंजीनियर लखनऊ डिवीजन, शारदा कैनाल प्रदर्शित हुआ। साथ ही कार स्विफ्ट डिजायर होना अंकित पाया गया। इसके बाद पुलिस ने वाहन के कागजात मांगे तो वह कतराने लगा। जिसपर पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो युवक ने अपना नाम हिमाशु कन्नौजिया पुत्र गुलाब कन्नौजिया निवासी भेटावर थाना सरायख्वाजा जिला जौनपुर बताया। फन कॉल एप से ऐसे करता था काम एएसपी सिटी के मुताबिक पूछताछ के दौरान गिरफ्तार हिमांशु कन्नौजिया ने बताया कि खुद को प्रशासनिक अधिकारी बताने के लिए कार में कूटरचित सरकारी नम्बर प्लेट लगाया है। लैपटॉप, आईपैड और मोबाइल फोन के बारे मे पूछने पर बताया कि अपने मोबाइल में फन कॉल एप के जरिए एसीएस होम के नंबर से प्रशासनिक अधिकारियों के सीयूजी नंबर पर कॉल करता था।

सचिवालय में नौकरी लगवाने के नाम पर करता था उगाही- सामने वाले अधिकारी को वह खुद को एसीएस होम बताता था, फिर जायज-नाजायज काम करवाने के लिए दबाव बनाता था। इसी एप के माध्यम से वह विभिन्न पुलिस अधिकारियों व अन्य लोगों को कॉल करके उनके संबंधितों की सचिवालय में नौकरी लगवाने के नाम पर पैसे लेता था।

दिनेशलाल यादव निरहुआ की फिल्म "गोबर धन" की शूटिंग पूरी, एडिटिंग शुरू

प्रखर पूर्वांचल दानगंज वाराणसी। भोजपुरी सिनेमा के जुबली स्टार दिनेश लाल यादव निरहुआ और साउथ एक्ट्रेस मेघा श्री की लाजवाब अभिनय से सजी भोजपुरी फिल्म "गोबर धन" की शूटिंग पूरी कर ली गई है। फिल्म की एडिटिंग शुरू कर दी गई है। अब तक की सबसे अलग बन रही भोजपुरी फिल्म "गोबर धन" की शूटिंग उत्तर प्रदेश के जिला प्रतापगढ़ के बाँसी गाँव एवं आसपास के क्षेत्रों में की गई है। बता दें कि स्थानीय लोगों में फिल्म "गोबर धन" की शूटिंग को लेकर काफी उत्साह रहा है। गाँव के लोगों से काफी सहयोग भी मिला है। दिनेशलाल यादव निरहुआ इसमें एक ऐसे किरदार को जीवन्त कर रहे हैं जो गाँव का भोला-भाला बेरोजगार नवयुवक है। किन्तु एक समय में ऐसा कुछ कर गुजरता है कि जिला जवार सहित पूरे प्रदेश के लोग भूरि भूरि प्रशंसा करते हैं। यह फिल्म निरहुआ के फैन्स के लिए भी एक सरप्राइज है। फिल्म "गोबर धन" में दिनेशलाल यादव निरहुआ और साउथ अभिनेत्री मेघाश्री की जोड़ी दिखाई देंगी। फिल्म के कुशल निर्देशन की बागडोर फिल्म निर्देशक मंजुल ठाकुर ने संभाला है।उल्लेखनीय है कि जेआर प्रोडक्शन हाउस बैनर के तले निर्मित की जा रही इस फिल्म के निमार्ता जयंत घोष, प्रवीण कुमार, कलीम खान हैं। प्रवीण कुमार बिहार, झारखंड के जाने माने फिल्म वितरक हैं और इस फिल्म से प्रोड्यूसर के रूप में नई पारी शुरू की है। फिल्म के लेखक अरबिंद तिवारी जानदार स्क्रीनप्ले और चुटीले संवाद लिखे हैं। डीओपी सरफराज आर खान हैं। संगीतकार छोटे बाबा ने फिल्म के कर्णप्रिय मधुर गीत कम्पोज किए हैं। कोरियोग्राफर कानू मुखर्जी, मुख्य सहायक निर्देशक राम वृक्ष गोंड, कला महेंद्र सिंह, ड्रेस डिजाइनर गुरजीत कौर, मेकअप गुड्डू शेख, स्टील खालिद रहमान, कैमरा अजय त्रिपाठी, लाइट जय अम्बे इंटरप्राइजेज, प्रोडक्शन हेड अरशद शेख पप्पू, नीरज शर्मा, राहुल शर्मा हैं। लोकल प्रोडक्शन कन्ट्रोलर पंकज यादव हैं। प्रचार प्रसार आरआरजे मीडिया कर रही है। फिल्म की स्टार कास्ट में दिनेश लाल यादव निरहुआ, मेघाश्री, मनोज सिंह टाईगर, किरण यादव, अनूप अरोड़ा, प्रेम दूबे, राम नरेश, रत्नेश बरनवाल, रूपा सिंह, संजना सिंह, सनी शर्मा, ऊदल यादव, बंधु खन्ना सहित कई कलाकार हैं।

समग्र उत्थान पार्टी पूर्वांचल की 20 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

वाराणसी कैंट से महेश भारती, रोहनिया से डॉ. राजेश राय व सेवापुरी से राकेश सिंह होंगे प्रत्याशी

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। समग्र उत्थान पार्टी देश धर्म, संविधान के प्रति आस्था व समाज मे आपके सपनों को साकार करने व अधिकार के लिए हमेशा संघर्ष करती रही हैं। उक्त बातें अस्सी - लंका रोड़ स्थित होटल लेक व्यू में आयोजित पत्रकार वार्ता में पार्टी के प्रदेश महासचिव अमित पांडेय व प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से कही। उन्होंने बताया कि पार्टी का मुख्य उद्देश्य देश में सैन्य आधारित शिक्षा के साथ प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र मे बच्चो के लिये निःशुल्क पुस्तकालय, प्रत्येक घर से एक रोजगार या व्यवसाय, स्मार्ट गांव बनाना तथा दस गांव के बीच एक फैक्ट्री की स्थापना, जैविक खेती को बढ़ावा देना एवं सबसे प्रमुख कार्य पड़ोसी देशों के द्वारा हमारे देश की अवैध कब्जा की गई भूमि

को पुनः अपने देश में मिलाना व अतीत के गौरवशाली इतिहास की पुनर्स्थापना करना है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव अमित पांडये ने इन सभी बिंदुओं को लेकर समग्र उत्थान पार्टी उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल की लगभग बीस विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही रही। विधानसभा प्रत्याशियों की घोषणा करते हुए बताया कि वाराणसी कैंट से महेश भारती, रोहनियां से डॉ राजेश राय,शिवपुर से डॉ सम्प्रदा गंगवार, सेवापुरी से राकेश सिंह, दीन दयाल उपाध्याय नगर (मुगलसराय) से अजीत सिंह, सैयदराजा से सुरेश सिंह, चकिया से दीपक त्रिपाठी,व चित्रकूट से राज प्रताप को विधान सभा क्षेत्र से पार्टी ने चुनाव मैदान में उतारा है। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील करते हुए कहा कि प्रदेश के समग्र विकास हेतु पार्टी के सभी प्रत्याशियों को अपना समर्थन दे। इस अवसर पर अतुल शर्मा 'राजू', राजेश मिश्रा, कृष्ण प्रताप सिंह, विकास त्रिपाठी, अभय उपाध्याय, मुख्य रूप से मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा में नमन श्रीवास्तव बंटी को जिला कार्यसमिति सदस्य बनाये जाने पर लोगो ने दी बधाई

प्रखर पूर्वांचल दानगंज वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला सोशल मीडिया प्रभारी व जिला कार्यसमिति सदस्यों की गठन की गई है।जिसमें प्रदेश अध्यक्ष युवा मोर्चा प्रांशु दत्त द्विवेदी व क्षेत्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र मौर्य के नेतृत्व में वाराणसी जिले चोलापुर थाना क्षेत्र के भट्टुपुरवा गांव निवासी तेजतर्रार युवा नेता पूर्व उपाध्यक्ष प्रत्याशी उदय प्रताप कॉलेज नमन श्रीवास्तव बंटी को वाराणसी जिला कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है। जिसमें लोगों का उत्साह में देखने को मिल रहा है। वही लोगों ने नमन श्रीवास्तव को फोन के जरिए,मिलकर व सोशल मीडिया के जरिए बधाई व शुभकामनाएं दी जा रही है।सैकड़ो युवाओ ने उन्हें शिवपुर बाईपास पर माला व अंगवस्त्र

पहनाकर बधाई दी। नमन श्रीवास्तव बंटी ने बताया की जनता का सेवा निस्वार्थ भाव से करूंगा। और क्षेत्र के लोगो के बीच मे उनके सुख दुख में शामिल रहूंगा। जिसमे के भारतीय जनता पार्टी के अवधेश राय, क्षेत्रीय महामंत्री आशुतोष पॉल, शशांक रघुवंशी, अमन रघुवंशी, श्रद्धा सुमन राय, जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, अवनीश श्रीवास्तव महानगर महामंत्री, अंकित सिंह दाढ़ी महानगर कार्यसमिति सदस्य, अभिषेक सिंह राजा महानगर कार्यसमिति सदस्य जिलाध्यक्ष भाजयुमो अमन सोनकर, अमन रघुवंशी, निखिल सिंह, आकाशदीप श्रीवास्तव, विशाल दुबे, अंकित, अंकेश, लालू, राहुल, पिंटू, आशुतोष मिश्रा, आशीष सिंह आदि लोगो ने बधाई व शुभकामनाएं दी।

अंबिका सेवा संस्थान एक कन्या की शादी में किया सहयोग

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। अम्बिका सेवा संस्थान सामाजिक संगठन बिंद्राबाजार के नेतृत्व में आजमगढ़ जिले के विकासखंड ठेकमा के एक गांव

में एक बहन के बिवाह में संस्था के नेतृत्व में सहयोग के रूप मे कुर्सी, फरार्टा पंखा, पत्तल, गिलास,साड़ी का सहयोग किया गया।पूरे क्षेत्र में संस्था लगातार ऐसे कार्यक्रम चलाती रहती है जिससे लोगों को सहयोग मिल सके अब तक बड़े पैमाने पर संस्था द्वारा अनेक कार्यक्रम कराए जा चुके हैं।

इस मौके पर अजय उपाध्याय, वीरेंद्र मौर्या,संतोष शर्मा, यसवंत मौर्या, लकी श्रीवास्तव, बंटी शर्मा समेत अनेक लोग मौजूद रहें। अभिषेक उपाध्याय प्रभारी अध्यक्ष अंबिका सेवा संस्थान ने बताया कि समय-समय पर तमाम योजनाएं चलाई जाती हैं।

विधानसभा चुनाव के लिए पूर्ण रुप से तैयार है अहरौरा पुलिस पंद्रह सौ लोगों को किया पाबंद

प्रखर अहरौरा मिजापुर। स्थानीय पुलिस विधानसभा चुनाव के लिए पूर्ण रूप से अपनी तैयारी कर ली है। नक्सल प्रभावित थाना क्षेत्र होने के कारण जहां विशेष सतर्कता बरती जा रही है। वही रूट मार्च एवं मतदाता जागरूकता अभियान पर भी विशेष जोर पुलिस द्वारा दिया जा रहा है। विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराने के लिए अब तक पन्द्रह सौ लोगों को पाबंद किया जा चुका है। जानकारी के अनुसार बताया जाता है कि अहरौरा थाना क्षेत्र में कुल 169 लाइसेंसी असलहा हैं जिसमें 154 असलहा जमा कराए जा चुके हैं । पुलिस ने बताया कि अब तक 15 लोगों पर गुंडा एक्ट में कार्यवाही की गई है। वही 42 लोगों पर मिनी गुंडा एक्ट में कार्यवाही की गई है । पन्द्रह सौ लोगों को शांति भंग की आशंका में पाबन्द किया है । विधानसभा चुनाव शांति पूर्ण एवं निष्पक्ष रुप से सम्पन्न कराने के लिए पुलिस ने अपनी सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है ।

समाजवादी पार्टी अध्यक्ष के निर्देश पर माता प्रसाद पाण्डेय का जोरदार स्वागत किया गया

पालघर। उत्तर प्रदेश विधानसभा पूर्व स्पीकर श्री माता प्रसाद पांडे जी उत्तर प्रदेश से महाराष्ट्र के धरती पालघर जिला #वसई शालीमार होटल जयनगर उनका स्वागत किया गया। समाजवादी नेता जनता की भारी भीड़ के साथ लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमान ने राजीव रतन मिश्रा जी, महाराष्ट्र के जनरल सेक्रेटरी श्रीमान कुबेर मौर्या जी, उत्तर मुंबई यह जिलाध्यक्ष निसार खान जी, लाल बहादुर यादव जी भारी संख्या में अपने समर्थकों के साथ और पालघर जिला अध्यक्ष कैलाश नाथ यादवजी, उपाध्यक्ष महफूज, युवा जिला अध्यक्ष मुन्ना उर्फ राकेश यादव, सचिव राकेश यादव, उपाध्यक्ष मुकेश यादव, रोहित सिंह, एल जी , सचिव रामजन्म यादव समस्त समस्त कार्यकताओं के साथ पालघर जिला अध्यक्ष कैलाश यादव उपस्थित रहे, युवा नेता रोहित यादव अजय सिंह सेक्रेटरी, पालघर जिले के लालू यादव उपाध्यक्ष के साथ। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर माताप्रसाद पाण्डेय जी को उत्तर

भारतीयों प्रबुद्ध वर्ग को जोड़ने समाज की कड़ी को आगे बढ़ाने में समाजवादी पार्टी ने संघठन को मजबूत करने में वसई निवासी जिला अध्यक्ष कैलाश यादव ने कहा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के मार्गदर्शन में पार्टी का जनाधार बढाने और पार्टी की नीतियों को आम जन तक पहुंचाने के लिए भरपूर कोशिश करेंगे प्रदेश सरकार में अपना अहम रोल अदा करेंगे मजूबत इरादों के साथ पूरे महाराष्ट्र के साथ देश में अहम भूमिका में अखिलेश यादव और पार्टी के विचार धारा पर काम करेंगे उत्तर प्रदेश में भारी बहुमत से आएंगे।

ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस ने मनाया स्थापना दिवस

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। कायस्थ समाज के सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक विकास के लिये प्रतिबद्ध ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस (जीकेसी) का स्थापना दिवस छित्तूपुर स्थित सेंट मरियम स्कूल में धूमधाम से मनाया गया। भगवान चित्रगुप्त के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। जीकेसी पूर्वी उत्तर प्रदेश ईकाई की ओर से जीकेसी के सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए रोड मैप की रूपरेखा भी तैयार की गयी। इस अवसर पर कार्यक्रम की समाप्ति के बाद बच्चों को पठन पाठन सामग्री के अलावा मिष्ठान,फल वितरण के पश्चात सुन्दरकाण्ड पाठ और भण्डारा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जीकेसी (जीकेसी) के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रभारी पूर्वी उत्तर प्रदेश शशिकान्त श्रीवास्तव ने सभी लोगों को जीकेसी के स्थापना के एक साल पूरे होने पर बधाई एवं शुभकामना दी। उन्होंने जीकेसी के

सात मूलभूत सिद्धांत सेवा, सहयोग, संप्रेषण, सरलता, समन्वय, सकारात्मकता और संवेदशनीलता को जीवन में आत्मसात करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज की एकता दिखने लगी है। 19 दिसंबर को राष्ट्रीय राजधानी नयी दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित विश्व कायस्थ महासम्मेलन में देश-विदेश से आये हजारों की संख्या में कायस्थ समाज के प्रतिनधि ने शिरकत कर अपनी एकजुटता का शानदार परिचयदिया और कहा कि (जीकेसी) पूरी दुनिया में कायस्थों का सबसे बड़ा संगठन बनकर उभरा है और देश के लगभग सभी राज्यों समेत 20 से अधिक देशों में इसका गठन हो चुका है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में कायस्थों का यह संगठन तेजी से न केवल सक्रिय हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में उपेक्षित हो रहे भगवान चित्रगुप्त के वंशज जीकेसी के बैनर तले अपने भविष्य के हितों को देख रहे हैं उन्होंने कायस्थ समाज के लोगों की एकजुटता के साथ मजबूती के साथ काम करने पर जोर दिया और कहा कि ऐसा करने से जल्द ही हम अपने स्वर्णिम अध्याय और गौरवशाली अतीत को पाकर विश्वपटल पर अपनी सशक्त पहचान बनाने में कामयाब हो जायेंगे। कायस्थों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एकजुटता जरूरी है, ग्लोबल कायस्थ कान्फ्रेंस का शीघ्र ही पूर्वी उत्तर प्रदेश में विस्तार होगा। इस अवसर पर उपस्थित प्रख्यात कवि चकाचौंध ज्ञानपुरी ने कहा कि जीकेसी का गठन देशभर में बड़ी संख्या में फैले कायस्थ परिवारों को उनके राजनीतिक, आर्थिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक विकास के लिये किया गया है। विद्यालय के प्रबंध निदेशक मनोज श्रीवास्तव ने कायस्थ समाज के लोगों को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आह्वान करते हुये कहा कि कायस्थ समाज ने हमेशा समाज को दिशा प्रदान की है इस अवसर पर शशिकांत श्रीवास्तव, मनोज श्रीवास्तव,अरविन्द श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, प्रवीण वर्मा, दीपेंद्र श्रीवास्तव, अभिषेक श्रीवास्तव पंकज, आयुष वर्मा, राजेश्वर श्रीवास्तव, दीपक श्रीवास्तव, महेश, अभिषेक निगम, विजय, रविशंकर, हरेंद्र, समेत कई अन्य लोगों ने अपने विचार साझा किये ।

बसपा प्रत्याशी के मैदान में उतरते ही अन्य दलों में मची हड़कंप

प्रखर पूर्वांचल महाराजगंज। फरेंदा विधानसभा जहां 3 मार्च को विधानसभा का चुनाव संपन्न होना है बताते चले कि इस सीट पर वर्तमान में भाजपा प्रत्याशी बजरंग बहादुर सिंह का कब्जा बरकरार है जो पिछले तीन बार भाजपा के सीट पर चुनाव जीत दर्ज करा चुके हैं परंतु इस बार जनता किसे चुनकर लखनऊ की विधानसभा में भेजती है यह स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है एक तरफ जहां भाजपा पार्टी ने बजरंग बहादुर सिंह को पुनः उम्मीदवार घोषित कर विकास के मुद्दे पर जनसंपर्क कर रही है वहीं अन्य दल बेरोजगारी व महंगाई को मुद्दा बनाकर मैदान में अपने प्रत्याशी उतार रहे हैं ।कांग्रेस ने जहां 6वीं बार वीरेंद्र चौधरी को टिकट देकर उम्मीदवार बनाया है वह अपना भाग्य आजमाने के लिए जीतोड़ जनसंपर्क में लगे हुए हैं वहीं समाजवादी पार्टी के कई दावेदार होने के कारण पार्टी अपना उम्मीदवार की घोषणा नहीं कर पा रही है ।बहुजन समाज पार्टी ने अपने उम्मीदवार की घोषणा महिला उम्मीदवार ईशू चौरसिया को अपना प्रत्याशी बनाकर मैदान में उतारा है बसपा प्रत्याशी के मैदान में आते ही अन्य दलों में हड़कंप मच गया है ।फरेंदा विधानसभा का चुनाव दिलचस्प मोड़ ले लिया है बताते चलें कि फरेंदा विधानसभा में अब तक यह दूसरी महिला प्रत्याशी हैं इसके पूर्व सन 1969 में पियारी देवी निर्दल सीट से चुनाव जीत दर्ज करा चुकी हैं वहीं अब तक फरेंदा विधानसभा में बसपा ने एक भी बार जीत दर्ज नहीं की है ऐसे में ईशू चौरसिया जनता के वोट को अपने पक्ष करने में कितना सफल होती है यह तो आने वाला समय बताएगा परंतु यह तो तय है कि ईशू चौरसिया के मैदान में उतरने से अन्य दलों की मुश्किलें बढ़ गई हैं क्योंकि ईशू चौरसिया अभी तक भाजपा का दामन पकड़ कर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा दे रही थी परंतु भाजपा से टिकट न मिलने पर बहन मायावती ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतारा है ईशू चौरसिया पिछड़ी जाति से हैं तथा दलित का सिंबल भी है साथ ही एक महिला भी है।

संक्षिप्त खबरें

यूपी टॉप टेन सीएचसी पर एक्सरे टेक्निशियन नहीं, मरीज परेशान

प्रखर चंदवक, जौनपुर। डोभी का चर्चित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जो प्रदेश के दूसरे स्थान पर अंकित भी है लेकिन उक्त सी एच सी पर पिछले कई सालों से एक्सरे मशीन तो है लेकिन केवल दिखावे के लिए। मरीज जाते भी है तो उन्हें तुरंत एक्सरे हेतु बाहर निजी अस्पताल का रास्ता दिखाया जाता है। मिली जानकारी के अनुसार एक्सरे मशीन खराब है और आपरेटर न होने से दिक्कत बताया। वहीं उक्त हॉस्पिटल पर जिले के क्षेत्रीय मरीजों के अलावा आजमगढ़,वाराणसी, गाजीपुर से से सटे अन्य गांव से भी मरीज आते हैं लेकिन निराश होकर बाहर का रास्ता देखना पड़ता है। और निजी अस्पताल वाले डॉक्टरों की मिली भगत से अच्छा रुपये ऐंठते हैं। मामले के बावत बीरीबारी सीएचसी के अधीक्षक से बात की गई तो उन्होंने बताया कि एक्सरे टेक्निशियन नहीं है लेकिन एक्सरे की सुविधा उपलब्ध है।

शिव मंदिर से मुकुट समेत घंटा चुरा ले गए चोर

प्रखर जौनपुर। चंदवक थाना क्षेत्र के गोबरा गांव के गोमती नदी किनारे स्थित प्राचीन शिव मंदिर से चोर मंगलवार को चांदी का मुकुट समेत घंटा चुरा ले गए। चोरी हुए सामान की कीमत तकरीबन 50 हजार रुपये बताई जा रही है। पुजारी ने चोरी की सूचना पुलिस को दी। बुधवार की सुबह आठ बजे गोबरा निवासी मंदिर के पुजारी पंडित अशोक मिश्र परिसर का टूटा ताला देख अवाक रह गए। मंदिर के अंदर बजरंग बली को लगा चांदी का मुकुट व उनकी चांदी की एक आंख, भगवान शिवजी की मूर्ति से अष्टधातु का सर्प व पांच घंटे पर चोरों ने हाथ साफ कर दिया। पुजारी ने चोरी की सूचना थाने पर दे दी है।

नहर में युवक का शव मिलने से सनसनी

प्रखर जखनियां गाजीपुर। बुधवार की देर रात भुड़कुड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत शाहपुर सोमर राय के पास (कुदनीपुर) नहर में एक युवक का शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। मिली जानकारी के मुताबिक जखनियां से भुड़कुड़ा जाने वाली नहर में एक बाइक गिरी थी। नहर में एक युवक बेहोशी की हालत में पड़ा था। उधर से गुजर रहे ग्रामीणों की नजर उसपर पड़ी। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही भुड़कुड़ा कोतवाल शिव प्रताप वर्मा पुलिसकर्मियों के साथ वहां पहुंचे और युवक को जखनियां सीएचसी भेजवाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। युवक की पहचान भुड़कुड़ा थाना के शाहपुर सोमर राय निवासी पंकज कुमार राम के रुप में हुई। ग्रामीणों के अनुसार उक्त युवक किसी को बाइक से छोड़ने गया था। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि युवक की मौत कैसे हुई पोस्टमार्टम के बाद ही पता चलेगा।

पूर्व विधायक के बयान पर एडवोकेट ने दर्ज कराई आपत्ति, एसडीएम ने जांच के लिए टीम का किया गठन

प्रखर पिंडरा वाराणसी। विस् चुनाव की सरगर्मी जहाँ धीरे धीरे तेज होने लगी है वही आरोप प्रत्यारोप भी लगने तेज हो गए हैं। गुरुवार को विधि प्रकोष्ठ काशी क्षेत्र के संयोजक व मीडिया प्रभारी समेत अन्य भाजपाइयों ने संयुक्त रूप से पूर्व विधायक अजय द्वारा एक नुक्कड़ सभा में मोदी व योगी को राशन के दुकानों से मिले नमक के साथ गड्ढे खोदकर गाढ़ देने के धमकी भरे चेतावनी का बयान देने व वीडियो वायरल होने पर शिकायत रिटर्निंग ऑफिसर पिंडरा से किया गया। जिसपर रिटर्निंग ऑफिसर ने जांच के आदेश दिए। विधि प्रकोष्ठ के काशी क्षेत्र के संयोजक व अधिवक्ता शशांक त्रिपाठी व भाजपा विधायक मीडिया प्रभारी अभिषेक राजपूत व अजय ऊदल व अन्य भाजपा कार्यकताओं द्वारा पिंडरा विस-क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर/एसडीएम पिंडरा राजीव कुमार राय को दिए शिकायती पत्र में आरोप लगाया कि 6 दिन पूर्व पिंडरा ग्राम सभा के राजेतारा बस्ती में नुकड़ सभा के दौरान 10 मार्च को रिजल्ट निकलने पर एक गड्ढे को खोदकर उनके द्वारा राशन के दुकानों से वितरित किए गए नमक को उस गड्ढे में डालकर मोदी को योगी को गाढ़ देने का आह्वान ग्रामीणों को देते उकसाया। यही नही उनके नुक्कड़ सभा का वीडियो भी उनके फेकबुक वायरल किया गया। इसके साथ ही कई ग्रुपो में चल रहा। जिससे सामाजिक हनन व आचार संहिता के उल्लंघन का मामला बनता। जिसके लिए उनके खिलाफ प्रतिबंध लगाने के साथ मुकदमा दर्ज कराया जाय। जिसपर एसडीएम ने सहायक रिटर्निंग ऑफिसर व एफएसटी टीम के 4 सदस्यों द्वारा जांच कर 24 घण्टे के अंदर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया।

छापामारी दल ने 85 लोगों को पकड़ा बिजली चोरी करते

रसड़ा (बलिया)। बिजली चोरी धड़-पकड़ अभियान के दौरान बिजली विभाग के छापामारी दल द्वारा रसड़ा में जोरदार की गई छापेमारी में लगभग 85 लोग बिना मीटर के बिजली उपभोग करते पकड़े गए। इस संबंध में उप खण्ड अधिकारी रसड़ा ने बताया कि पूरे क्षेत्र में क्रमबद्ध तरीके से सभी बिजली कनेक्शनों को विधिवत चेक किया जा रहा है और देखा जा रहा है कि किसके यहां मीटर लगा है , किसके यहां मीटर खराब है और कौन बिना मीटर का बिजली का उपभोग कर रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को रसड़ा टाउन में 85 घर ऐसे मिले हैं जो बिना मीटर के ही बिजली उपभोग कर रहे थे, जिसमें रसड़ा का बनियाबांध, सोनाहीडीह समेत टाउन के विभिन्न इलाके शामिल हैं ।

चलती कार पर कूदी नीलगाय बाल-बाल बचे सवार दंपती

रसड़ा (बलिया)। क्षेत्र के रसड़ा-मऊ मार्ग के परसिया मोड़ के समीप बुधवार को मध्यान्ह 2.20 बजे तेज रफ्तार कार पर नीलगाय के कूदने से जहां नीलगाय की मौत हो गई वहीं कार में सवार में सवार दम्पत्ति बाल-बाल बच गए जबकि वाहन बूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। बताया जा रहा है कि कार सवार दम्पत्ति रसड़ा से मऊ की तरफ जा रहे थे कि अचानक सड़क पार करने की चक्कर में नीलगाय कार के इंजन पर कूद पड़ी जिससे जहां नीलगाय की मौके पर मौत हो गई जबकि कार में सवार दम्पत्ति बाल-बाल बच गए।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट https://prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं